नई दिल्ली | मंगलवार , 07 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :91 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल रग्बी प्रीमियर लीग': हैदराबाद में ...
@ विचार ईरान ने कैसे गिराया अमेरिकी विमान?...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद...

सक्षिप्त खबर

नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा

तमिलनाडुः सत्तनकुलम हिरासत में हुई मौतों का मामला

मदुरै । मदुरै की प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने सोमवार को 2020 के सत्तनकुलम हिरासत में हुई मौतों के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले ने हिरासत में हिंसा पर राष्ट्रीय बहस को फिर से हवा दे दी है।

यह मामला व्यापारी पी. जयराज (58) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) की मौत से संबंधित है, जिनकी पुलिस हिरासत में कथित तौर पर क्रूर यातना के कारण मृत्यु हो गई थी।न्यायालय ने 23 मार्च, 2026 को सभी नौ आरोपियों को दोषी पाया था, लेकिन सजा पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज सजा की मात्रा सुनाते हुए अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया कि यह अपराध 'दुर्लभतम' श्रेणी में आता है, जिसके लिए मृत्युदंड उचित है।सजा सुनाने की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और पीड़ितों के परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील दोनों ने अधिकतम सजा की पुरजोर मांग की।

पेज नं -2

'युद्ध जारी रहेगा', ट्रंप के सीजफायर को ईरान की 'नो'

बातचीत के लिए रखी 10 शर्तें

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे युद्ध में अस्थायी युद्ध विराम को खारिज कर दिया है। ईरान ने सोमवार को मध्यस्थों के जरिए हालिया संघर्ष विराम के प्रस्तावों के जवाब में अपनी स्थिति और मांगे तय कर ली हैं। ये टिप्पणियां लड़ाई रोकने के लिए नए सिरे से हो रही कूटनीतिक प्रयासों की खबरों के बीच आई हैं।

रॉयटर्स ने सोमवार को बताया कि ईरान और अमेरिका को दुश्मनी खत्म करने का प्रस्ताव मिला था, जो सोमवार से लागू हो सकता था।

ईरान ने खारिज किया अमेरिका का प्रस्ताव

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि तेहरान ने मध्यस्थ चैनलों के जरिए अपनी जरूरतें पहले ही बता दी थीं और यह साफ कर दिया था कि अमेरिका के पहले प्रस्तावों को खारिज कर दिया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बगाई ने कहा कि अमेरिका की पहले की मांगे, जिनमें पाकिस्तान के जरिए भेजा गया 15-सूत्रीय प्रस्ताव भी शामिल था, अस्वीकार्य है।

अमेरिका का प्रस्ताव बेहद असामान्य और अतार्किक- बगाई

बगाई ने कहा कि यह प्रस्ताव बेहद असामान्य और अतार्किक था। ईरान का अमेरिका के साथ बातचीत का अनुभव बहुत कड़वा रहा है।

ईरान अपनी उन मांगों को साफ तौर पर रखने में हिचकिचाता नहीं है, जिन्हें वह जायज मानता है। ऐसा करने को समझौते के संकेत के तौर पर नहीं बल्कि अपनी स्थिति का बचाव करने में उसके आत्मविश्वास के प्रतिबिंब के तौर पर देखा जाना चाहिए।

ईरान ने अमेरिका से युद्ध विराम के लिए रखी 10 शर्तें

IRNA के अनुसार, ईरान ने सोमवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका के प्रस्ताव पर अपना जवाब भेज दिया है।

सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान ने युद्ध विराम को अस्वीकार कर दिया और युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया।

दूसरी बार दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर इजरायली हमला

तेहरान। इजरायल ने सोमवार को ईरानी गैस फील्ड पर फिर से हमला किया। साउथ पार्स दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है और ये ईरान-कतर के बीच फैली हुई है। इजरायल ने हमले की पुष्टि की, जिसके बाद ईरान ने कहा कि प्लांट में लगी आग को बुझाकर नुकसान का जायजा लिया जा रहा है।

फार्स मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के हमले का शिकार हुए एक पेट्रोकेमिकल प्लांट में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इससे पहले एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि असलूयेह में साउथ पार्स पेट्रोकेमिकल प्लांट से 'कई धमाकों' की आवाजें सुनी गई थीं ।जारी संघर्ष के बीच इजरायल का ये दूसरा हमला है। इससे 20 दिन पहले 18 मार्च को भी इस गैस फील्ड को निशाना बनाया गया था।

हमले के बाद इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने दावा किया कि आईडीएफ के हमले से ईरान का सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल प्लांट बंद हो गया है।

पेज नं -2

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

राज्यसभा सभापति ने नोटिस पर विचार करने के बाद और सभी संबंधित पहलुओं व मुद्दों का सावधानीपूर्वक तथा निष्पक्ष आकलन करने के उपरांत इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सभापति ने यह निर्णय जजेज (इंक्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए लिया।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए सांसदों द्वारा दिए गए प्रस्ताव (नोटिस) को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 12 मार्च 2026 को राज्यसभा के 63 सदस्यों द्वारा एक प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के साथ-साथ मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा जजेज (इंक्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों के तहत दिया गया था।

इस प्रस्ताव के जरिए भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग की गई थी।

राज्यसभा सभापति ने नोटिस पर विचार करने के बाद और सभी संबंधित पहलुओं व मुद्दों का सावधानीपूर्वक तथा निष्पक्ष आकलन करने के उपरांत इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सभापति ने यह निर्णय जजेज (इंक्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए लिया।

इस फैसले के साथ ही ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग से जुड़ी यह प्रक्रिया फिलहाल समाप्त हो गई है। बता दें कि पिछले महीने विपक्षी दलों के कई सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने के लिए दोनों सदनों में नोटिस दिया था।

हालांकि, नोटिस के बाद लोकसभा और राज्यसभा के सूत्रों ने बताया था कि इन नोटिसों की जांच होगी, उसके बाद ही उन पर अगला कोई कदम उठाया जाएगा, जिसे आज राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा को भेदकर घुसने वाला नकाबपोश गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सोमवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में एक नकाबपोश व्यक्ति ने कड़ी सुरक्षा वाले बाउंड्री गेट को तोड़कर जबरदस्ती प्रवेश किया और बिना किसी रोक-टोक के भागने में सफल रहा। इस घटना से विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है।

हालांकि, तलाशी अभियान के कुछ ही घंटों के भीतर दिल्ली पुलिस ने आरोपी का पता लगा लिया और उसे उत्तरी दिल्ली से हिरासत में ले लिया। विधानसभा परिसर में गेट नंबर 2 तोड़कर प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई है।

सुरक्षा उल्लंघन में कथित तौर पर शामिल दो अन्य व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है। कार मालिक की पहचान कर ली गई है, और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और इस भयावह घटना के पीछे के मकसद के बारे में उससे सवाल कर रही है ।आज दोपहर करीब 2 बजे उत्तर प्रदेश रजिस्ट्रेशन नंबर वाली अपनी कार में सवार नकाबपोश व्यक्ति ने गेट नंबर 2 पर लगे सुरक्षा बैरिकेड तोड़ दिए और भागने में कामयाब हो गया।

पेज नं -2

अमित जोगी को आजीवन कारावास

रामावतार जग्गी हत्याकांड में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सुनाई सजा

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहुचर्चित एनसीपी नेता रामावतार जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने 31 मई 2007 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रायल कोर्ट ने अमित जोगी को बरी कर दिया था, जबकि अन्य सह आरोपियों को दोषी ठहराया गया था।

हाईकोर्ट ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी मानते हुए उन्हें एक हजार रुपए का अर्थदंड और आजीवन कारावास की सजा दी। यदि अर्थदंड का भुगतान नहीं किया गया, तो छह माह अतिरिक्त कठोर कारावास का प्रावधान लागू होगा। वर्तमान में जमानत पर चल रहे अमित जोगी को अदालत ने निर्देश दिया है कि वे तीन सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करें।

दरअसल इस मामले में सीबीआई ने अमित जोगी और याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी समेत अन्य लोगों की मिलीभगत से एक बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। इस मामले में कुल 31 लोगों को आरोपी बनाया गया था ।2007 में ट्रायल कोर्ट ने 28 आरोपियों को दोषी ठहराया था, जबकि अमित जोगी को बरी कर दिया गया था।

इस फैसले को पीड़ित के बेटे सतीश जग्गी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसने बाद में मामले को नए सिरे से विचार करने के लिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय को वापस भेज दिया था। कई वर्षों की कानूनी कार्यवाही के बाद उच्च न्यायालय ने अब अमित जोगी को दोषी पाया है।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा अमित जोगी को बरी करने के निर्णय को पूर्णतः अवैध, गलत और साक्ष्यों के प्रतिकूल करार दिया। अदालत ने कहा कि जिस साक्ष्य के आधार पर अन्य आरोपियों को साजिश का दोषी ठहराया गया, वही साक्ष्य अमित जोगी के मामले में बिना ठोस कारण खारिज कर दिए गए ।हाईकोर्ट ने पाया कि पूरी साजिश के मास्टरमाइंड अमित जोगी थे, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री के पुत्र होने के कारण प्रभावशाली स्थिति में थे और पुलिस मशीनरी पर असर रखते थे।

सतीश जग्गी का भावुक बयानः हमें धमकाया गया

फैसले के बाद राम अवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा, आज न्यायपालिका की जीत हुई है। इस लंबी लड़ाई के दौरान हमें और हमारे परिवार को कई बार डराया-धमकाया गया। मेरी बहन की शादी तक में अड़चनें डाली गईं, लेकिन हमें अदालत पर भरोसा था। सतीश ने आगे कहा कि वे कोर्ट से अमित जोगी को फांसी की सजा देने और उनका पासपोर्ट जब्त करने की गुहार लगाएंगे।

पेज नं -2

भाजपा के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी बोले, यूसीसी और वन नेशन वन इलेक्शन हमारा अगला मिशन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के 47वां स्थापना दिवस समारोह पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) और वन नेशन वन इलेक्शन पार्टी का अगला मिशन होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जहां हम पार्टी को अपनी मां मानते हैं। इसलिए पार्टी का स्थापना दिवस केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि हम सब कार्यकर्ताओं के लिए एक भावुक अवसर होता है। ये दिन हमें पार्टी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का मौका देता है कि पार्टी ने हमें राष्ट्रसेवा का सौभाग्य दिया। मैं देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं और भाजपा को समर्थन करने वाले देश के सभी नागरिकों को भाजपा स्थापना दिवस की बधाई देता हूं।

पेज नं -2

बेरोजगारों को 2000 रुपए प्रति महीना और महिलाओं को मुफ्त बस सेवा

पुडुचेरी में राहुल गांधी ने दीं पांच गारंटी

एजेंसी ■ पुडुचेरी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अगर पुडुचेरी में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनती है तो महिलाओं को सरकारी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुडुचेरी के लोगों को 5 गारंटी देते हुए कहा कि ?बेरोजगार युवाओं के लिए 2000 रुपए प्रति महीना की सहायता दी जाएगी। ?सरकारी और निजी क्षेत्रों में 30,000 नई नौकरियां दी जाएंगी। ?महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त होगी। सरकारी नौकरी के लिए भर्ती की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 40 वर्ष तक की जाएगी। इसके अलावा हर परिवार का 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा किया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि यह खोखले वादे नहीं हैं। ये गरिमा और सुरक्षा की नींव हैं। उन्होंने कहा कि जब भी मैं पुडुचेरी आता हूं, आप मुझे बहुत प्यार और स्नेह देते हैं। पुडुचेरी के लोगों और मेरे परिवार के बीच भावनात्मक रिश्ता है। यह सिर्फ एक राजनीतिक संबंध नहीं है। यह बहुत गहरा और पुराना रिश्ता है। यह प्यार और आपसी सम्मान का रिश्ता है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि पुडुचेरी की आवाज इस खूबसूरत राज्य को चलाए। आइए एक ऐसी सरकार बनाएं जो वास्तव में पुडुचेरी की आवाज का प्रतिनिधित्व करती हो। एक ऐसा पुडुचेरी बनाएं जो सचमुच वहां के लोगों की आवाज को दर्शाता हो। राहुल गांधी ने कहा कि आज पुडुचेरी नकली दवाओं का केंद्र बन गया है, जहां बड़े पैमाने पर नकली दवाओं का निर्माण हो रहा है, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पेज नं -2

असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त : पीएम मोदी

एजेंसी ■ डिब्रूगढ़

असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को डिब्रूगढ़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। जनसभा में भारी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें डिब्रूगढ़ आने का कई बार अवसर मिला है, लेकिन इस बार जो जोश और उत्साह देखने को मिला है, वह अभूतपूर्व है।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह जनसमर्थन कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस पहले से ही हैरान-परेशान है और मतदान से ठीक पहले इस तरह की तस्वीरें उसे और पस्त कर देंगी। जनता का यह उत्साह एक मजबूत संदेश दे रहा है।

उन्होंने असम की सांस्कृतिक विविधता और एकता की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की शानदार विरासत रही है। अहोम, कोच-राजबंशी, मोरान, मोतोक, मिसिंग, देवरी जैसे कई समाज सदियों से सौहार्द के साथ यहां रहते आए हैं। कोई असमिया बोलता है, कोई बांग्ला और कोई हिंदी, लेकिन हर किसी का सपना एक ही है।

पेज नं -2

दिल्ली की जनता को बेहतर हवा और जीवन देना हमारी प्राथमिकता: मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार अब वायु प्रदूषण के खिलाफ अपनी लड़ाई को और तेज कर रही है। इसी दिशा में सोमवार को पर्यावरण एवं वन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस), दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीटीआईडीसी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 22 नई और असरदार तकनीकों के ट्रायल को तेज करना था, जिन्हें देशभर से आई 284 एंट्री में से चुना गया है। मंत्री सिरसा ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे इन ट्रायल्स के लिए पूरी मदद करें—जैसे जगह की अनुमति देना, डिवाइस लगाने की इजाजत देना, बिजली की व्यवस्था करना और एनओसी जारी करना। उन्होंने कहा कि साइट की अनुमति, गाड़ियों की व्यवस्था और बिजली कनेक्शन में देरी नहीं होनी चाहिए। इन ट्रायल्स का समय पर पूरा होना बहुत जरूरी है ताकि दिल्ली को साफ हवा के लिए सही और काम करने वाले समाधान मिल सकें।

दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया यह इनोवेशन चैलेंज कम लागत और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले ऐसे समाधान ढूंढने पर केंद्रित है, जो पीएम2.5 और पीएम10 जैसे प्रदूषकों को कम कर सकें—चाहे वह गाड़ियों से निकलने वाला धुआं हो या वातावरण में मौजूद धूल।

शुरुआत में 284 एंट्री आई थीं, जिनमें से 48 को डीपीसीसी द्वारा चुना गया और आगे स्वतंत्र तकनीकी मूल्यांकन समिति (आईटीईसी) को भेजा गया। आईआईटी दिल्ली, सीपीसीबी, एआरएआई (पुणे), एनपीएल, डीटीयू और मारुति सुजूकी के विशेषज्ञों वाली इस कमेटी ने जांच के बाद 22 इनोवेशन को ट्रायल के लिए चुना। इन ट्रायल्स की निगरानी आईआईटी दिल्ली, नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी (एनपीएल) और इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) द्वारा की जाएगी, जिससे डेटा पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा किया जा सके। मई के अंत तक डेटा इकट्ठा किया जाएगा, मई-जून में उसका मूल्यांकन होगा और जुलाई 2026 तक सरकार को अंतिम सिफारिशें दी जाएंगी। मंत्री सिरसा ने इनोवेटर्स के प्रयासों की सराहना की और आईटीईसी तथा डीपीसीसी की टीम की मेहनत को भी सराहा। बैठक में ट्रायल के बाद की योजना पर भी चर्चा हुई, जिसमें सफल तकनीकों को बड़े स्तर पर लागू करने और सरकारी स्तर पर अपनाने की रणनीति शामिल है।

अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा, 'दिल्ली की जनता को बेहतर हवा और बेहतर जीवन देना हमारी प्राथमिकता है।

टेस्ला ने नवी मुंबई में खोला पहला मॉल चार्जिंग स्टेशन

मुंबई। टेस्ला ने सोमवार को नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में भारत का अपना पहला इन-मॉल इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन शुरू किया।

मॉल के बी1 पार्किंग क्षेत्र में स्थित इस नए चार्जिंग स्टेशन में कुल आठ चार्जर हैं, जिनमें चार वी4 सुपरचार्जर शामिल हैं जो 250 किलोवाट तक की गति से फास्ट डीसी चार्जिंग प्रदान करते हैं और चार डेस्टिनेशन चार्जर हैं जो 11 किलोवाट की एसी चार्जिंग प्रदान करते हैं।

यह सेटअप टेस्ला यूजर्स की विभिन्न चार्जिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो फास्ट चार्जिंग और लंबे समय तक चलने वाले चार्जिंग दोनों विकल्प प्रदान करता है।

इस नए फीचर के साथ, टेस्ला भारत के बढ़ते इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह उन स्थानों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जहां ग्राहक आमतौर पर समय बिताते हैं, जैसे कि मॉल और हाईवे स्टॉप, जिससे यूजर्स अपनी दैनिक गतिविधियों के दौरान आसानी से अपने वाहनों को चार्ज कर सकें।

टेस्ला ने बताया कि उसकी सुपरचार्जर तकनीक टेस्ला मॉडल वाई को मात्र 15 मिनट में 275 किमी तक की रेंज प्रदान करती है, जिससे इंटरसिटी यात्रा अधिक व्यावहारिक हो जाती है।

चार्जिंग सुविधा टेस्ला मोबाइल ऐप के साथ एकीकृत है, जिससे यूजर्स आसानी से चार्जिंग स्टेशन का पता लगा सकते हैं, चार्जिंग और भुगतान कर सकते हैं।

नवी मुंबई स्टेशन भारत में टेस्ला का चौथा चार्जिंग केंद्र है। कंपनी पहले से ही गुरुग्राम, दिल्ली और मुंबई में चार्जिंग सुविधाएं संचालित कर रही है।

पटना से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर विचार कर रही सरकार: रविशंकर प्रसाद

पटना। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और लोकसभा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा कि 'डबल इंजन सरकार' पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दुबई, बैंकॉक और काठमांडू जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

रविशंकर प्रसाद ने बताया कि इस पहल को लेकर उनकी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार एयरलाइंस को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन या रियायतें देने पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है, ताकि पटना से सीधे अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी शुरू हो सके। इससे यात्रियों को विदेश यात्रा के लिए दिल्ली या कोलकाता जाने की असुविधा से राहत मिलेगी।

यह बयान पटना एयरपोर्ट पर आयोजित एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया, जिसकी अध्यक्षता रविशंकर प्रसाद ने की। यह बैठक नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन के बाद पहली आधिकारिक समीक्षा बैठक थी।

बैठक में दीघा के विधायक संजीव चौरसिया, एयरपोर्ट निदेशक चंद्र प्रताप द्विवेदी और पटना के जिलाधिकारी त्यागराजन एसएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान बढ़ते यात्री दबाव को देखते हुए बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर विशेष जोर दिया गया। प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में पटना एयरपोर्ट का उपयोग हर साल करीब 40 लाख यात्री करते हैं, और आने वाले वर्षों में यह संख्या बढ़कर 1 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इस बढ़ती मांग को देखते हुए रनवे का विस्तार बेहद जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकार इस परियोजना पर मिलकर काम कर रही हैं और जल्द ही एक विशेष समिति चिन्हित भूमि का दौरा कर अंतिम निर्णय लेगी।

बैठक में एक अहम फैसला यह भी लिया गया कि हवाई अड्डे परिसर में बिहार के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत ने पवन ऊर्जा वृद्धि में वित्त वर्ष 26 में बनाया रिकॉर्ड, कुल क्षमता 56 गीगावाट के पार

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पवन ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि 6.05 गीगावाट प्राप्त की है, जो वित्त वर्ष 2016-17 में दर्ज 5.5 गीगावाट क्षमता वृद्धि के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर गई। यह जानकारी नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा सोमवार को दी गई।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह वित्त वर्ष 2024-25 में जोड़ी गई क्षमता की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि को भी दर्शाता है, जो देश के तटवर्ती पवन ऊर्जा तैनाती पथ में निर्णायक तेजी का संकेत है।

इस वृद्धि के साथ, भारत की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 56 गीगावॉट से अधिक हो गई है। यह उपलब्धि नीतिगत स्पष्टता में सुधार, पारेषण की तैयारी, प्रतिस्पर्धी टैरिफ निर्धारण और परियोजनाओं की मजबूत उपलब्धता के कारण इस क्षेत्र में आई नई गति को दर्शाती है।

सरकार के अनुसार, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि निरंतर नीतिगत समर्थन, बेहतर परियोजना क्रियान्वयन और प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादक राज्यों में परियोजनाओं की बढ़ती परिपक्वता का परिणाम है।

गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्य वर्ष के दौरान क्षमता वृद्धि में प्रमुख योगदानकर्ता रहे हैं, जो पवन-सौर हाइब्रिड परियोजनाओं की बढ़ती संख्या और हरित ऊर्जा के खुले उपयोग के प्रगतिशील कार्यान्वयन से समर्थित है।

मंत्रालय के मुताबिक, भारत का पवन ऊर्जा क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी पवन ऊर्जा बाजारों में से एक बन गया है। सरकार ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं, जिनमें पवन टरबाइनों के विनिर्माण में प्रयुक्त कुछ घटकों और कच्चे वस्तुओं पर रियायती सीमा शुल्क, जून 2028 तक अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों में श्रेणीबद्ध छूट, प्रतिस्पर्धी निविदा तंत्र, अलग पवन नवीकरणीय ऊर्जा खपत दायित्व (आरसीओ) ढांचा और राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान से तकनीकी सहायता शामिल हैं।

भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इससे देश को लक्ष्य समय पर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

शेष पेज - 01

अमित जोगी को आजीवन कारावास ...

अदालत ने यह भी कहा कि इतनी बड़े स्तर की राजनीतिक साजिश, हमलावरों की व्यवस्था, भागने के रास्ते, फर्जी आरोपियों की प्लांटिंग और प्रारंभिक जांच भटकाने जैसा संगठित अपराध किसी बड़े नेतृत्व और संरक्षण के बिना संभव नहीं था। शिकायतकर्ता सतीश जग्गी की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर अदालत ने कहा कि अब सीबीआई की अपील स्वीकार किए जाने के बाद अमित जोगी दोषी ठहराए जा चुके हैं, इसलिए सजा-वृद्धि संबंधी दूसरी याचिका निष्फल हो गई है। अदालत ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि यह निर्णय अमित जोगी को भेजा जाए और सुप्रीम कोर्ट में अपील का अधिकार भी बताया जाए।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई में पाया कि मई 2003 में रायपुर स्थित ग्रीन पार्क होटल, बत्रा हाउस और तत्कालीन मुख्यमंत्री आवास में अमित जोगी समेत अन्य आरोपियों ने एनसीपी को कमजोर करने और रामावतार जग्गी को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी।

आगामी चुनावों से पहले राज्य में इसके महत्वपूर्ण राजनीतिक परिणाम होने की संभावना है। राम अवतार जग्गी के परिवार ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित न्याय बताया। दोषी के लिए आगे के कानूनी विकल्प खुले हैं, जिनमें सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की संभावना भी शामिल है।

'युद्ध जारी रहेगा', ट्रंप के सीजफायर को ईरान की 'नो'

अमेरिका के 15-सूत्रीय प्रस्ताव की शर्तें

30 दिनों का युद्धविराम

नतान्ज, इस्फहान और फोर्डो में ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट करना

भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा।

ईरान की ओर से परमाणु हथियार विकसित न करने की स्थायी प्रतिबद्धता

संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) को सौंपना

ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे की द्वश्न द्वारा पूर्ण निगरानी और देश के भीतर यूरेनियम संवर्धन पर रोक

क्षेत्रीय प्रॉक्सी के लिए ईरान का समर्थन समाप्त करना

क्षेत्रीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर ईरान के हमलों को रोकना

होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना

ईरान पर अमेरिका के प्रतिबंधों को हटाना और संयुक्त राष्ट्र के 'स्नैपबैक' तंत्र को समाप्त करना

ईरान के बुशेहर परमाणु संयंत्र में बिजली उत्पादन के लिए अमेरिका का समर्थन

ईरान को घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन (Enrichment) रोकने के लिए कहा गया है।

ईरान की मिसाइलों की संख्या और उनकी रेंज सीमित करने की मांग की है।

बिजली उत्पादन के लिए सहयोग देने की भी पेशकश की है।

संयुक्त राष्ट्र के 'स्नैपबैक मैकेनिज्म' को समाप्त करने का वादा किया गया

अमेरिकी शर्तों के जवाब में ईरान ने रखी थीं ये 5 शर्तें।

हमले और हत्या की घटनाएं बंद हों।

सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म हो।

दोबारा युद्ध ना हो, ठोस तंत्र बने।

युद्ध नुकसान की भरपाई, मुआवजा तय हो।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिले।

सतीश जग्गी का भावुक बयान: हमें धमकाया गया...

दरअसल, हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 78 पन्नों के अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट किया है कि अमित जोगी इस पूरी साजिश का हिस्सा थे। कोर्ट ने माना कि अमित जोगी हत्याकांड की साजिश रचने के दोषी हैं। अमित जोगी को आजीवन कारावास के साथ 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न देने पर 6 महीने की अतिरिक्त जेल होगी। कोर्ट ने कहा कि जब सभी आरोपी एक ही अपराध में शामिल थे, तो अमित जोगी को बिना किसी विशेष कारण के बरी नहीं किया जा सकता था।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने अमित जोगी को सरेंडर करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया है, जिसकी मियाद 23 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस बीच, अमित जोगी के वकील वैभव वालिया ने इस मामले में कहा कि उन्हें अपनी बात रखने का पर्याप्त समय नहीं मिला।

बता दें कि अमित जोगी ने इस सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह उम्रकैद के खिलाफ अपील और कनविक्शन ऑर्डर पर 20 अप्रैल को सुनवाई करेगा। अगर वहां से राहत नहीं मिली, तो अमित जोगी को जेल जाना ही होगा।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा को भेदकर घुसने वाला नकाबपोश गिरफ्तार...

उसने परिसर के अंदर पोर्च के पास एक फूलों का गुलदस्ता भी रख दिया। कुछ खबरों के अनुसार, आरोपी ने दिल्ली स्पीकर की कार पर काली स्याही भी फेंकी।

यूपी-26 एजेड 8090 नंबर प्लेट वाली टाटा सिएरा कार ने वीआईपी प्रवेश द्वार पर लगे सुरक्षा गेट को तोड़ दिया, जहां 24 घंटे सीआरपीएफ जवान तैनात रहते हैं।

सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने के बाद चालक ने अचानक पोर्च के पास गाड़ी रोक दी, गेट के पास एक गुलदस्ता रखा और भाग गया।

इस बड़ी सुरक्षा चूक ने विधानसभा परिसर में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता और कारगरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और निर्वाचित विधायकों की भारी मौजूदगी के कारण यह एक अत्यंत संवेदनशील संरक्षित क्षेत्र है।

गौरतलब है कि यह घटना हाल ही में हुए बजट सत्र के दौरान दिल्ली विधानसभा को मिली बम धमकियों के ठीक बाद घटी है।

25 मार्च को ईमेल के जरिए मिली बम धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की थी।

आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी सरबजीत के रूप में हुई है।

पुलिस दल ने उसका पीछा किया और भागते समय उसे रूप नगर इलाके में पकड़ लिया।

बेरोजगारों को 2000 रुपए प्रति महीना और महिलाओं को मुफ्त बस सेवा ...

ये दवाएं देशभर में भेजी जा रही हैं। यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं है। इसमें हत्या सहित भ्रष्टाचार शामिल है।

भाजपा राज्य को रिमोट कंट्रोल से चलाती है। उपराज्यपाल लोगों की इच्छा को दरकिनार करने के साधन के रूप में कार्य करते हैं। क्षेत्रीय नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है और स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने दिए जा रहे हैं। औद्योगिक और कपड़ा क्षेत्र में गिरावट आ रही है और सैकड़ों कारखाने बंद हो गए हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पूर्ण राज्य की मांग हमेशा से रही है, जिसका वादा भाजपा ने किया था, लेकिन दिया नहीं। हम पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त: पीएम मोदी ...

विकसित असम और विकसित भारत। उन्होंने असम के महान नेताओं और विभूतियों को भी याद किया। उन्होंने भूपेन हजारिका, गोपीनाथ बोरदोलोई और ज्योति प्रसाद अग्रवाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महान हस्तियों ने असम समाज को दिशा दी है। इन्हीं पूर्वजों की प्रेरणा से भाजपा-एनडीए सरकार डिब्रूगढ़ को एक बड़े व्यापारिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित कर रही है।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़ तक का हाईवे कांग्रेस की असम के प्रति उपेक्षा का स्पष्ट उदाहरण है। यह परियोजना 2005 में स्वीकृत हुई थी, लेकिन 2013 तक इसमें कोई प्रगति नहीं हुई, जबकि इस दौरान केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के साथ सौतेला व्यवहार किया, जिसके कारण अपर असम और बराक घाटी जैसे क्षेत्रों का विकास प्रभावित हुआ। इस उपेक्षा के चलते असम लंबे समय तक पिछड़ा और विभाजित रहा। कांग्रेस के दशकों के कुशासन ने असम की कनेक्टिविटी की कोई चिंता नहीं की। बोगिबिल ब्रिज हो, भूपेन हजारिका सेतु हो, जोरहाट-माजुली सेतु हो, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों पर बन रहे ऐसे सेतु इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर पहुंचा रहे हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कुछ दिन पहले, दुनिया ने मोरान में एक शानदार नजारा देखा, जहां भाजपा-एनडीए सरकार द्वारा बनाए गए एक नए हाईवे पर लड़ाकू विमानों ने लैंडिंग की। मैं भी वायुसेना के साथ-साथ उसी सड़क पर उतरा। महज दस साल पहले, असम के लोगों को सड़कों की बुनियादी सुविधाओं, यानी गाड़ियों के चलने लायक सड़कों, के लिए भी गुहार लगानी पड़ती थी।

तमिलनाडु: सत्तनकुलम हिरासत में हुई मौतों के मामले में नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा...

उन्होंने तर्क दिया कि पीड़ितों को रात भर सत्टनकुलम पुलिस स्टेशन के अंदर अमानवीय यातनाएं दी गईं, जबकि उन्होंने कोई गंभीर अपराध नहीं किया था।

उन्होंने तर्क दिया कि इस क्रूरता के लिए कानून के तहत सबसे कठोर सजा उचित है।

इस मामले ने 2020 में पूरे देश में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया था, जिसके चलते मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लिया।

इसके बाद निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार ने जांच राज्य पुलिस से सीबीआई को सौंप दी।

शुरुआत में, इस मामले में 10 पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि, उनमें से एक, विशेष सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई की मुकदमे की सुनवाई के दौरान कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद मृत्यु हो गई, जिससे नौ पुलिसकर्मियों पर मुकदमा चलाया जाना बाकी रह गया।

सीबीआई ने सितंबर 2020 में अपना प्राथमिक आरोप पत्र दाखिल किया, जिसके बाद अगस्त 2022 में एक पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया, जिसमें घटनाक्रम और जुटाए गए सबूतों का विस्तृत विवरण दिया गया था।

जांच के अनुसार, जयराज को 19 जून, 2020 की शाम को कामराज प्रतिमा के पास स्थित उनकी दुकान से उठाया गया था। उनके बेटे बेनिक्स को गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर वह बाद में पुलिस स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों के साथ झड़प के बाद उन्हें भी हिरासत में ले लिया गया।

दोनों को कथित तौर पर रात भर हिरासत में गंभीर यातनाएं दी गईं। सीबीआई ने बताया कि पीड़ितों को बेरहमी से पीटा गया, उन्हें अपना खून साफ ??करने के लिए मजबूर किया गया और बाद में उन्हें एक झूठे मामले में फंसा दिया गया। गवाहों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और वीडियो फुटेज के विश्लेषण सहित साक्ष्यों से पता चलता है कि अपराध के सबूतों को जानबूझकर नष्ट करने का प्रयास किया गया था।

दूसरी बार दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर इजरायली हमला...

वहीं, इजरायल के सैन्य प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल नादाव शोशानी ने भी कहा कि शांति वार्ता के बीच भी ईरान को 'कोई छूट नहीं' मिलेगी।

शांति वार्ता के बीच हुए हमले पर फिलहाल व्हाइट हाउस की ओर से कोई बयान नहीं आया। हालांकि मार्च में साउथ पार्स पर इजरायल के हमले के बाद, ट्रंप ने कहा था कि इजरायल इस पर दोबारा हमला नहीं करेगा, लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर ईरान कतर के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले जारी रखता है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस पूरे क्षेत्र को 'पूरी तरह से उड़ा देगा।

तेहरान के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की ट्रंप की डेडलाइन नजदीक है। मध्यस्थ अमेरिका और ईरान को एक नए सीजफायर प्रस्ताव पर राजी करने की कोशिश में लगे हैं।

भाजपा के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी बोले...

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय जिन पांच राज्यों में चुनाव है, वहां भी पार्टी में एक नई ऊर्जा देख रहा हूं। कार्यशैली में नयापन देख रहा हूं। ऐसा लग रहा है कि नितिन नवीन ने पार्टी में नवीनता भर दी है। आज भाजपा जिस शिखर पर है, उसकी चमक सबको दिखती है, लेकिन यहां तक पहुंचने में लाखों कार्यकर्ताओं का जो श्रम है, उन्होंने जो तप और त्याग की पराकाष्ठा की है, वह वही जान सकता है जो इस पार्टी के संकल्पों के लिए समर्पित होकर स्वयं इस साधना का हिस्सा रहा है।

ट्रैफिक का दबाव कम करने और तेज यातायात के लिए बनाई जाएंगी 9 बायपास सड़कें

लोक निर्माण विभाग ने मंजूर किए 448 करोड़

रायपुर । यातायात व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने और मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने के उद्देश्य से नया प्लान तैयार किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान नौ नई बायपास सड़कों के निर्माण के लिए कुल 448 करोड़ 13 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है।

सोमवार को जांनकारी दी गयी की इस पहल का मुख्य लक्ष्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को निर्बाध और सुरक्षित बनाना है। उप मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांगों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इन परियोजनाओं को प्राथमिकता से मंजूरी देने के निर्देश दिए थे।

विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार, रायगढ़ जिले में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। यहाँ तमनार बायपास मार्ग के लिए 152 करोड़ 17 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे 6 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होगा। इसके साथ ही रायगढ़ शहर में रिंग रोड के लिए 70 करोड़ 47 लाख रुपए और खरसिया के बायपास क्रमांक-3 (कबीर चौक से डभरा रोड तक) के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 7 करोड़ 22 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। धमतरी जिले में भी दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है, जिसमें 4 किलोमीटर लंबे भखारा बायपास के लिए 14 करोड़ 94 लाख रुपए और 1.50 किलोमीटर लंबे नारी बायपास मार्ग के लिए 7 करोड़ 97 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

बलौदाबाजार जिले में संपर्क मार्ग बेहतर करने के लिए लटुवा और पनगांव के रास्ते 15 किलोमीटर लंबे बलौदाबाजार बायपास के लिए 88 करोड़ 68 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि 7 किलोमीटर लंबे रिसदा बायपास मार्ग के लिए 20 करोड़ 99 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। बिलासपुर संभाग में 13.40 किलोमीटर लंबे कोनी-मोपका फोरलेन बायपास मार्ग के लिए 82 करोड़ 80 लाख रुपए की बड़ी राशि मंजूर की गई है, जो क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नई गति देगी। इसके अलावा बेमेतरा जिले में 1.20 किलोमीटर लंबी कांक्रीटीकृत छिरहा बायपास सड़क के लिए भी 2 करोड़ 89 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं।

साव ने इस अवसर पर कहा कि राज्य शासन प्रदेश के समग्र विकास के लिए आधुनिक और मजबूत सड़क अधोसंरचना विकसित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को नियंत्रित करने के लिए बायपास सड़कों, पुलों और ओवरब्रिजों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी

मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि आगामी 9 अप्रैल को सुश्री अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं।

यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है। उन्होंने कहा कि अमिता का यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती। प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी और छत्तीसगढ़ सहित पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी।

मुख्यमंत्री ने सुश्री अमिता श्रीवास को इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आर.टी.ई. के तहत प्रवेश न देने वाले निजी विद्यालयों की मान्यता होगी रद्द

आर.टी.ई. प्रतिपूर्ति राशि दूसरे राज्यों से बेहतर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 2009, अप्रैल 2010 से प्रभावी है। इसके अंतर्गत प्रदेश के गैर-अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर, दुर्बल वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को उनके निवास क्षेत्र के भीतर प्रवेश दिलाया जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब बच्चों की शिक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतिपूर्ति राशि का पारदर्शी भुगतान

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी स्कूलों को नर्सरी या कक्षा 1 में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इसके बदले राज्य सरकार प्रति बच्चा व्यय के आधार पर स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करती है। यह राशि सरकारी स्कूल में प्रति बच्चे पर होने वाले खर्च या निजी स्कूल की वास्तविक फीस (दोनों में से जो भी कम हो) के आधार पर निर्धारित की जाती है।

अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रतिपूर्ति

छत्तीसगढ़ में शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि कई पड़ोसी राज्यों की तुलना में बेहतर या उनके समकक्ष है। प्रदेश में वर्ष 2011-12 से ही कक्षा 1 से 5 तक 7000 रूपए और कक्षा 6 से 8 तक 11 हजार 400 रूपए वार्षिक प्रतिपूर्ति राशि निर्धारित है। तुलनात्मक रूप से देखें तो मध्य प्रदेश में 4,419 रूपए बिहार में 6,569 रूपए, झारखंड में 5,100 रूपए और उत्तर प्रदेश में 5,400 रूपए वार्षिक दिए जाते हैं। यद्यपि ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में यह राशि अधिक है, किंतु समग्र मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ की प्रतिपूर्ति राशि संतुलित और उचित है।

साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चे ले रहे लाभ

वर्तमान में राज्य के 6,862 निजी विद्यालयों में आर.टी.ई. के माध्यम से लगभग 3,63,515 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस वर्ष भी कक्षा पहली की लगभग 22,000 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को पूरा करने के लिए भाजपा प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के मौके पर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सरकार उनके सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम साय ने कहा कि पार्टी का 47वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर मैं छत्तीसगढ़ में हमारे लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं, भाइयों और बहनों को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि जिस विजन के तहत इस राज्य की स्थापना की गई, उस विजन को साकार करने के लिए सरकार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन, विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संकल्पों को चरितार्थ करते हुए भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है, जो विकसित भारत के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के प्रेरणादायी शब्द 'अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा' आज देश के चप्पे-चप्पे में साकार हो रहे हैं। इसी अटूट विश्वास और समर्पण के साथ भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए निरंतर राष्ट्रसेवा में संलग्न है।

सीएम साय ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को बोया गया एक बीज आज वटवृक्ष बनकर भारत की राजनीति को नई दिशा दे रहा है। करोड़ों कार्यकर्ताओं के विश्वास, परिश्रम और समर्पण से भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार आज देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। छत्तीसगढ़ सहित देशभर में भाजपा की सरकारें सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प को साकार करते हुए उन्नति के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। नि:स्वार्थ भाव से अहर्निश राष्ट्रसेवा में जुटे सभी समर्पित कर्मयोगी कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर करोड़ों साथी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं जिनके संघर्ष और साथ से भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

रास्ता रोककर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

चार आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, तलाश में जुटी पुलिस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पति के साथ दुकान जाने निकली महिला से गैंगरेप हुआ है। रात 11 बजे महिला को रास्ते में आरोपियों ने रोक लिया। पति ने विरोध किया तो उसे लात-घूंसों से पीटा। 2 युवक घायल पति को पकड़कर कुछ दूर ले गए। 3 युवकों ने महिला से दुष्कर्म किया।

घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पूरा मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, 37 साल की महिला पति के साथ कोतरा रोड थाना इलाके में किराए के मकान में रहती है। परिवार मजदूरी करके अपना घर चलाता है। शनिवार रात करीब 11 बजे वह पति के साथ मेन रोड पर कुछ सामान लेने गई थी।

तभी मुन्ना गिरी (27) और उसके साथी ऑटो में सवार होकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने महिला को जबरन सड़क किनारे वाली दुकान के अंदर ले जाने की कोशिश की। इसे देखकर महिला के पति ने विरोध किया।

दीपक सिदार (23) और पिंटू निषाद (23) ने पति पर हमला कर दिया और लात-घूसों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। फिर घायल पति को कुछ दूर ले गए।

इसके बाद मुन्ना गिरी, योगेश सिदार (32) और जागेश्वर पटेल (32) ने महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया।

घटना को अंजाम देकर आरोपी वहां से भाग गए। इसके बाद पीड़िता ने मामले की सूचना कोतरा रोड थाना में दी।

4 आरोपी को गिरफ्तार किया

पीड़िता की लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ धारा 70(1) और 115 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया और इसकी जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी।

इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई गई। पुलिस ने संभावित जगहों पर दबिश दी और मुन्ना गिरी, दीपक सिदार, जागेश्वर पटेल और पिंटू निषाद को कोतरा रोड इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

फरार आरोपी की तालाश जारी

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। वहीं आरोपी पिंटू निषाद से घटना में इस्तेमाल किया गया ऑटो भी जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपी योगेश सिदार की तलाश की जा रही है।

पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई करेगी।

आत्मानंद स्कूल में नौकरी के नाम पर ठगी का खुलासा : फर्जी नियुक्ति पत्र से 11 बेरोजगारों को बनाया निशाना

दुर्ग/भिलाई। दुर्ग जिले में स्वामी आत्मानंद स्कूल में फर्जी नियुक्ति पत्र के जरिए 11 अभ्यर्थियों से ठगी की कोशिश का मामला सामने आया है। प्राचार्य की सतर्कता से पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुर्ग जिले में सरकारी नौकरी के नाम पर एक बड़े ठगी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। मामला स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय से जुड़ा है, जहां फर्जी नियुक्ति पत्र के जरिए 11 अभ्यर्थियों को ठगने की कोशिश की गई। हालांकि, स्कूल प्रबंधन की सतर्कता से समय रहते पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, भिलाई स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में एक महिला अभ्यर्थी जॉइनिंग देने पहुंची थी। उसने अपने पास मौजूद नियुक्ति पत्र स्कूल प्रबंधन को दिखाया, जिसमें कई संदिग्ध बातें सामने आईं। पत्र में टाइम स्टैम्प असामान्य था और जिन स्कूलों का उल्लेख किया गया था, वे वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थे। इसी आधार पर प्राचार्य को दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर संदेह हुआ।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जालसाजों ने अत्याधुनिक तरीके अपनाते हुए दस्तावेजों को विश्वसनीय बनाने की कोशिश की थी। फर्जी नियुक्ति पत्रों में जिला शिक्षा कार्यालय दुर्ग के नाम का उपयोग किया गया था। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर की नकल और एडीएम (़ष्ठरू) के स्कैन किए गए हस्ताक्षरों का दुरुपयोग कर कूट रचित दस्तावेज तैयार किए गए थे।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और गिरोह की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस फर्जीवाड़े के पीछे कौन लोग हैं और उन्होंने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार

पश्चिम एशिया संकटः व्यापार बचाने के लिए राहत और टास्क फोर्स के गठन की मांग

रायपुर । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और उससे उत्पन्न होने वाली वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भारत के व्यापार और उद्योग, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर गहरी चिंता जताई है।

सोमवार को कैट की छत्तीसगढ़ इकाई के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस संकट से निपटने के लिए सरकार से समय रहते उचित नीतिगत उपाय करने का आग्रह किया ।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन और राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने इस संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को एक पत्र प्रेषित किया है। पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा गया है कि उनके सक्रिय हस्तक्षेप और प्रभावी निगरानी के कारण अब तक भारत की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनी हुई है। हालांकि, मौजूदा तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, लॉजिस्टिक्स बाधाएं और उत्पादन लागत बढ़ने से पेट्रोकेमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, उर्वरक, केमिकल्स, ऑटो कंपोनेंट्स और ऊर्जा पर आधारित अन्य उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

व्यापारिक संगठन ने चिंता व्यक्त की है कि अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण निर्यातकों को माल भाड़े और बीमा लागत में भारी वृद्धि, शिपमेंट में देरी तथा भुगतान संबंधी अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है।

इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए कार्यशील पूंजी पर दबाव और ऋण भार बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे में गिरावट आ सकती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए कैट ने सरकार से छोटे व्यापारियों के लिए विशेष रियायतें देने की मांग की है।

सरकार से किए गए आग्रह में एमएसएमई और छोटे व्यापारियों को ऋण अदायगी के लिए अतिरिक्त समय देने, प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष क्रेडिट गारंटी योजना शुरू करने और गंभीर रूप से प्रभावित उद्योगों के लिए ब्याज सब्सिडी देने की मांग शामिल है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस : सिम्स में 'जेंडर फॉर हेल्थ' विषय पर व्याख्यान

बिलासपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर में 'जेंडर फॉर हेल्थ' थीम पर एक व्यापक एवं जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जेंडर समानता के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान क्विज, पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता एवं समाज में जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपने विचार रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी वर्गों की समान भागीदारी आवश्यक है।

यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम 'जेंडर फॉर हेल्थ' के अनुरूप किया गया। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

गेहूं-चावल का स्टॉक भरपूर, कमजोर तबकों को उपलब्ध कराया जा रहा अनाजः भारत सरकार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत सरकार ने देशवासियों को भरोसा दिलाया है कि भारत में अन्न की कमी नहीं है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अनुसार देश में अन्न का स्टॉक पर्याप्त है, गेहूं-चावल 600 लाख मिट्रिक टन से भी ज्यादा है।

सोमवार को पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की संयुक्त सचिव सी. शिखा ने केंद्र की तैयारियों और आगामी योजना पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया, 'वर्तमान भंडार लगभग 222 एलएमटी (लाख मिट्रिक टन) गेहूं और 380 एलएमटी चावल का है, कुल मिलाकर लगभग 602 एलएमटी, जो निर्धारित बफर मानकों से लगभग तीन गुना है। इस तरह न सिर्फ पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के लिए बल्कि किसी भी आपातकालीन स्थिति को लेकर हमारी तैयारी पूरी है।

मंत्रालय की ओर से दावा किया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कमजोर वर्गों को सहायता जारी है, जबकि ओपन मार्केट सेल्स स्कीम के माध्यम से बाजार में आपूर्ति कर कीमतों को स्थिर रखा जा रहा है। कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और राज्यों को अतिरिक्त वितरण के लिए सब्सिडी वाला चावल उपलब्ध कराया जा रहा है।

संयुक्त सचिव ने कहा, 'राज्य एजेंसियों के माध्यम से एमएसपी पर गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है, और इसकी तैयारियों की नियमित समीक्षा की जा रही है। सुचारु खरीद और खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए विविध स्रोतों और आकस्मिक उपायों के माध्यम से पर्याप्त पैकेजिंग सामग्री सुनिश्चित की जा रही है।

सी शिखा के अनुसार, 'प्रमुख साझेदारों इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस, यूक्रेन, अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात जारी है। सरसों का उत्पादन बेहतर है इस वजह से घरेलू आपूर्ति मजबूत हुई है। कुल आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। सरकार इस पर कड़ी नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करेगी।

वहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय ने फिर दोहराया है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पर्याप्त है। राज्य सरकारें भी नियमित समीक्षा कर रही हैं ताकि सुचारू वितरण सुनिश्चित हो और कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

आईपीएल में शानदार आंकड़े, फिर भी भारत की टी20 टीम में 18 महीनों से नजरअंदाज जायसवाल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले चार सीजन से अपनी शानदार चमक बिखेरते आ रहे यशस्वी जायसवाल करीब 20 महीनों से भारत के लिए टी20 फॉर्मेट नहीं खेले हैं। इसी साल 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को नजरअंदाज किया गया, जबकि इस फॉर्मेट में आंकड़े उनकी शानदार फॉर्म की गवाही देते हैं।

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अंडर-19 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत की सीनियर टीम में जगह बनाई थी। इससे पहले जायसवाल ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की ओर से आईपीएल 2020/21 में 3 मुकाबले खेले, जिसके बाद आईपीएल 2021 में 10 मैच खेलते हुए 24.90 की औसत के साथ 249 रन बनाए। आईपीएल 2022 में 10 मुकाबलों में 25.80 की औसत से 258 रन बनाए।

आईपीएल 2023 जायसवाल के लिए बेहद खास रहा, उन्होंने 14 मुकाबलों में 48.07 की औसत के साथ 625 रन अपने खाते में जोड़े। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। इस शानदार प्रदर्शन का इनाम जायसवाल को मिला। जुलाई में टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू के बाद, उन्हें अगस्त 2023 में टी20 टीम के लिए भी चुना गया।

आईपीएल 2024 में 31.07 की औसत के साथ 435 रन बनाने वाले जायसवाल ने इस सीजन एक शतक भी जमाया। अगला साल भी उनके लिए खास रहा, जिसमें 14 मुकाबले खेलते हुए 6 अर्धशतकों के साथ 559 रन बनाए। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 38 रन की नाबाद पारी खेलने वाले जायसवाल ने अगले मैच में गुजरात टाइटंस के विरुद्ध 55 रन की पारी खेलकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। दूसरी ओर, आईपीएल में बतौर ओपनर जायसवाल के प्रदर्शन को देखा जाए, तो उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी के साथ पिछली 9 पारियों में 567 रन जुटाए हैं।

नोएडाः ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

नोएडा । नोएडा के थाना फेस-2 पुलिस ने ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई 5 अप्रैल 2026 को लोकल इंटेलिजेंस की मदद से की।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विशाल उर्फ नन्हें (19 वर्ष) निवासी प्रेम नगर, थाना नांगलोई, दिल्ली और करन सोलंकी (26 वर्ष) निवासी सभापुर, थाना लोनी, जिला गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों अभियुक्त ग्राम भंगेल, नोएडा क्षेत्र में सक्रिय थे और लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने इनके कब्जे से ठगी में इस्तेमाल की जाने वाली 2 कागज की गड्डियां बरामद कीं। इन गड्डियों में ऊपर और नीचे केवल 500 रुपये के एक-एक असली नोट लगे हुए थे, जबकि अंदर पूरी गड्डी कागज की थी। इसके अलावा अभियुक्तों के पास से 2500 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

जांच में सामने आया है कि अभियुक्त बेहद चालाकी से लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। ये राह चलते लोगों को बड़ी रकम होने का झांसा देते थे और कागज की गड्डी, जिसमें ऊपर-नीचे असली नोट लगे होते थे, दिखाकर उन्हें भरोसा दिलाते थे कि उनके पास बड़ी मात्रा में नकदी है।

मध्य पूर्व 'आग की लपटों' में घिरा, ट्रंप की धमकियों पर क्रेमलिन की टिप्पणी

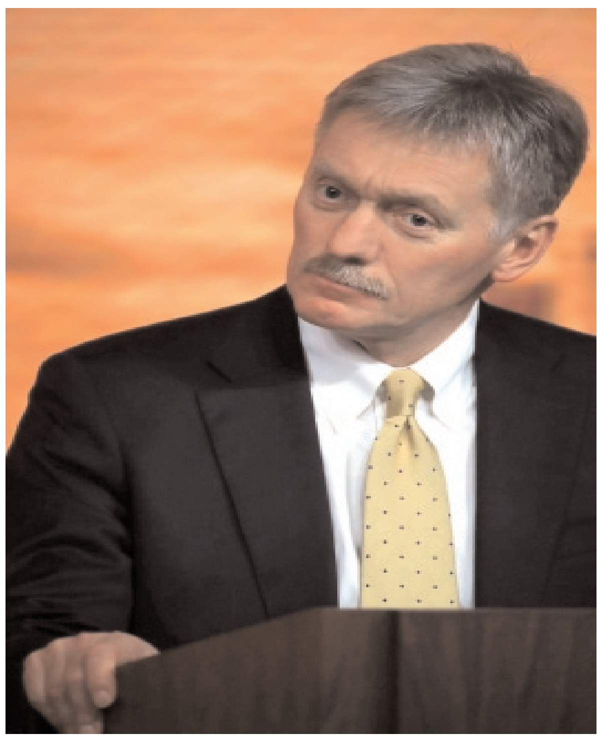

नई दिल्ली। क्रेमलिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन धमकियों पर सख्त टिप्पणी की जिसमें उन्होंने ईरान को तबाह-बर्बाद करने का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पूरा मध्य पूर्व इस समय 'आग की लपटों में घिरा है' और क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मास्को में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि हालिया घटनाक्रम इस बात का संकेत हैं कि स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है और इसका दायरा केवल एक देश तक सीमित नहीं रह गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात पर काबू नहीं पाया गया, तो यह संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईस्टर रविवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर एक गाली-गलौज भरी पोस्ट में धमकी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोला गया, तो यूएस सेना मंगलवार को ईरान के पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाएंगे।

ट्रंप की इन्हीं टिप्पणियों के बारे में पूछा गया, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा कि रूस ने इन टिप्पणियों को देखा है, लेकिन क्रेमलिन इस पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता।

कई देश कह चुके हैं कि होर्मुज में कोई बाधा आती है, तो वैश्विक ऊर्जा बाजार पर इसका सीधा असर पड़ेगा। पहले से ही तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जिससे आयात पर निर्भर देशों की चिंता बढ़ गई है।

रूस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि मौजूदा हालात न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं, बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी पड़ सकता है। मास्को ने सभी पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक रास्ता अपनाने की अपील की है।

पेस्कोव ने कहा, 'इस संघर्ष का दायरा बढ़ गया है, और अब हम सभी इसके परिणामों से अवगत हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा असर पड़ेगा।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच, कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा सलाह जारी की है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। जानकारों का कहना है कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर एशिया और यूरोप तक महसूस किया जा सकता है।

कैग रिपोर्ट में खुलासा- 'जम्मू-कश्मीर में 697 झीलों में से 518 झीलें गायब'

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की हालिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कैग की रिपोर्ट में सामने आया है कि 518 झीलें या तो पूरी तरह से गायब हो गई हैं या इतनी खराब स्थिति में पहुंच गई हैं कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता।

कैग की रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर में एक गंभीर पर्यावरणीय संकट का खुलासा हुआ है, जिसमें सर्वेक्षण की गई 697 झीलों में से 518 झीलें या तो गायब हो गई हैं या खराब स्थिति में पहुंच गई हैं।

1967 से 2020 तक के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले इस ऑडिट में पाया गया कि व्यापक अतिक्रमण, शहरी विस्तार और भूमि उपयोग में बदलाव के कारण 315 झीलें पूरी तरह से गायब हो गई हैं। कैग ने केंद्र शासित प्रदेश में उभरते पारिस्थितिक संकट की ओर ध्यान दिलाया है, जो तत्काल उपाय न किए जाने पर और भी गंभीर हो सकता है।

रिपोर्ट में विशेष रूप से सात जल निकायों की पहचान की गई है जो सूख चुके हैं, जिनमें राख-ए-अर्थ, सेथरगुंड नुंबल, मरहामा, देवपुरसर, महतान, चंदरगर नुंबल और गलवाल तालाब शामिल हैं, जो पूरी तरह सूखने के बाद 'अदृश्य' हो गए हैं। यह गिरावट काफी हद तक मानव निर्मित है, जो आर्द्रभूमि को कृषि, आवासीय या व्यावसायिक भूमि में परिवर्तित करने के कारण हुई है। रिपोर्ट में डल और वुलर जैसी प्रमुख जल निकायों के संरक्षण कार्यक्रमों की विफलता को उजागर किया गया है, जिसमें अनुपचारित सीवेज और नामित अधिकारियों की अक्षमता को प्रमुख मुद्दों के रूप में बताया गया है।

सैमसन-बुमराह और एस्टरहुइजन 'आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। संजू सैमसन का प्रदर्शन 'टी20 विश्व कप 2026' में शानदार रहा था। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले में दमदार पारी खेली थी।

टी20 विश्व कप 2026 के शुरुआती मुकाबलों में बेंच पर बैठने के बाद सुपर-8 राउंड में जिम्बाब्वे के खिलाफ संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम के लिए 'करो या मरो' मुकाबले में 97 रनों की नाबाद पारी खेली थी और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। संजू की पारी के बूते भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी।

इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 89 रन बनाए थे, जबकि अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भी उन्होंने 89 रनों की लाजवाब पारी खेली थी। सैमसन को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुना गया था। उन्होंने 5 मुकाबलों में कुल 321 रन बनाए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले में गेंद से अहम किरदार निभाया था। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 31 रन देकर एक विकेट निकाला था, जबकि फाइनल मैच में बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। फाइनल मुकाबले में बुमराह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया था।

वहीं, टी20 विश्व कप 2026 के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मुकाबलों में 200 रन बनाए। सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक लगाया था और 33 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली थी। साउथ अफ्रीका पांच मुकाबलों की सीरीज को 3-2 से अपने नाम करने में सफल रही थी। एस्टरहुइजन दो मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। इसका फायदा उन्हें टी20 रैंकिंग में भी मिला और वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में 39वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बिहार में भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस, 47 किलो बांटे गए लड्डू और 47 दीप हुए प्रज्वलित

पटना। भाजपा देश में अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसी के तहत बिहार भाजपा कार्यालय में भी धूमधाम से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया।

स्थापना दिवस को लेकर पार्टी कार्यालय भवन को फूलों और रंगीन बल्बों से सजाया गया है। इस मौके पर पार्टी कार्यालय में झंडोत्तोलन किया गया तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को स्मरण किया गया। पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पार्टी का झंडा फहराया।

उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रदेश कार्यालय में 47 किलो मिठाइयां भी बांटी गईं और 47 दीप प्रज्वलित किए गए। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में असंख्यक कार्यकर्ताओं का खून पसीना तो लगा ही है, कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान भी दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले वर्ष स्थापना दिवस पर किए गए संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा, 'उन्होंने कहा था कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के साथ काम कर रही है।

हमारा समर्पण है मां भारती को, हमारा समर्पण है देश के कोटि-कोटि जनों को, हमारा समर्पण है देश के संविधान को। आज भाजपा विकास का पर्याय है, विश्वास का पर्याय है।

आईटीटीएफ सिंगल्स विश्व कप में चीनी टीम की पुरुष और महिला सिंगल्स खिताबों में जीत

बीजिंग । आईटीटीएफ सिंगल्स वर्ल्ड कप के महिला एकल फाइनल में चीनी खिलाड़ी सुन यिंग्शा ने चीनी खिलाड़ी वांग मान्यू को 4-1 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार इस प्रतियोगिता में जीत हासिल की। सुन यिंग्शा महिला एकल विश्व कप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं।

आईटीटीएफ सिंगल्स वर्ल्ड कप के पुरुष एकल फाइनल में चीनी खिलाड़ी वांग छुछिन ने जापानी खिलाड़ी मात्सुशिमा तेरु को 4-3 से हराकर अपना पहला पुरुष एकल खिताब जीता। यह पहली बार है, जब इन दोनों खिलाड़ियों ने आईटीटीएफ एकल विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई है।

मैच बेहद रोमांचक रहा, दूसरे गेम में स्कोर 16-16 से बराबर था। प्रतिद्वंदी से 3-2 से पिछड़ने के बावजूद, वांग छुछिन ने धैर्य बनाए रखते हुए अगले दो गेम जीतकर शानदार वापसी की। निर्णायक गेम में वांग छुछिन 10-5 से आगे चल रहे थे, तभी उनके प्रतिद्वंदी ने वापसी करते हुए लगातार 3 अंक बनाए और अंततः वांग छुछिन ने 11-8 से जीत हासिल कर ली।

इस बार के आईटीटीएफ सिंगल्स वर्ल्ड कप में चीनी टेबल टेनिस टीम ने पुरुष और महिला दोनों एकल खिताबों पर कब्जा जमा लिया।

संपादकीय

बदलते परिवेश में स्वास्थ्य चुनौतियां

महेन्द्र तिवारी

विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो न केवल स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को भी प्रेरित करता है। इस विशेष दिन की नींव 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के साथ रखी गई थी, और इसे आधिकारिक रूप से पहली बार 1950 में मनाया गया। वर्ष 2026 में, जब दुनिया तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है, विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'Together for health. Stand with science' यानी 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें' निर्धारित की गई है। यह थीम एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर हमारे सामने आई है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं, मिथकों और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच एक निरंतर संघर्ष देखा गया है। यह विषय हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करता है कि हम अपने जीवन और स्वास्थ्य के प्रति निर्णय लेते समय भावनाओं या अफवाहों के बजाय साक्ष्य-आधारित विज्ञान को आधार बनाएं। विज्ञान ही वह प्रकाश है जिसने मानवता को सबसे अंधेरे समय में रास्ता दिखाया है, और 2026 का यह अभियान इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने की एक सशक्त पुकार है। इतिहास देखें तो वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग की यात्रा 19वीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुई थी। वर्ष 1851 में पेरिस में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन इस दिशा में पहला बड़ा कदम था, जिसका उद्देश्य हैजा जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रसार को रोकना था। इसके बाद 1902 में पैन-अमेरिकन सैनिटरी ब्यूरो और 1907 में ऑफिस इंटरनेशनल डी'हाइजीन पब्लिक जैसे संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग की नींव को और मजबूत किया। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ, तब यह महसूस किया गया कि एक ऐसी वैश्विक संस्था की आवश्यकता है जो बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के पूरी मानवता के स्वास्थ्य की रक्षा कर सके। परिणामस्वरूप, 1946 में न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 61 देशों ने हस्ताक्षर किए और अंतत: 7 अप्रैल 1948 को यह संगठन अस्तित्व में आया। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं, जो दुनिया भर में 'Health for All' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सबसे बड़ी सफलता 1980 में चेचक (Smallpo&) का वैश्विक उन्मूलन रही है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि यदि दुनिया विज्ञान के साथ एकजुट होकर खड़ी हो, तो किसी भी असाध्य बीमारी को जड़ से मिटाया जा सकता है। इसके अलावा, पोलियो के मामलों में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी, एचआईवी/एड्स के उपचार में प्रगति और हाल के वर्षों में मलेरिया के पहले टीके (RTS,S/AS01) की मंजूरी विज्ञान की ही गौरवशाली उपलब्धियां हैं। वर्ष 2026 की थीम 'Stand with science' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। आधुनिक युग में डिजिटल मीडिया के विस्तार के साथ स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाएं (Infodemic) एक नई महामारी की तरह उभरी हैं। टीकाकरण से लेकर कैंसर के उपचार तक, लोग अक्सर वैज्ञानिक प्रमाणों के स्थान पर अवैज्ञानिक दावों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। ऐसे में यह थीम दुनिया को याद दिलाती है कि विज्ञान ने ही हमें टीके, एंटीबायोटिक्स, उन्नत सर्जिकल तकनीक और जीवन रक्षक दवाएं दी हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति सम्मान और शोध में निवेश ही वह मार्ग है जिससे भविष्य की महामारियों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही, 2026 का अभियान 'One Health' दृष्टिकोण पर बहुत अधिक जोर देता है। विज्ञान हमें बताता है कि मनुष्यों का स्वास्थ्य अकेले नहीं सुधारा जा सकता, क्योंकि यह पशुओं और हमारे साझा पर्यावरण के स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा हुआ है। डेटा बताते हैं कि मनुष्यों में होने वाली लगभग 75 प्रतिशत नई उभरती संक्रामक बीमारियां 'जूनोटिक' होती हैं, यानी वे जानवरों से मनुष्यों में फैलती हैं। इसलिए, जब हम विज्ञान के साथ खड़े होने की बात करते हैं, तो इसमें पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, जैव-विविधता की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझना भी शामिल है। आज वैश्विक स्वास्थ्य के सामने चुनौतियां पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। गैर-संचारी रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और श्वसन संबंधी बीमारियां वर्तमान में दुनिया भर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा हैं। डेटा के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग 41 मिलियन लोग इन बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से 17 मिलियन मौतें 70 वर्ष की आयु से पहले ही हो जाती हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि हमारी जीवनशैली और वैज्ञानिक परामर्श की अनदेखी हमें किस ओर ले जा रही है। विशेष रूप से मधुमेह की समस्या एक वैश्विक संकट बन चुकी है, जिससे दुनिया भर में 530 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हैं और यह संख्या 2045 तक बढ़कर 780 मिलियन होने का अनुमान है। मानसिक स्वास्थ्य भी एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर 2026 के इस अभियान में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार के साथ जी रहा है। डिप्रेशन और चिंता न केवल व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी हर साल खरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाते हैं। 'Stand with scienceÓ का संदेश हमें यह समझने के लिए प्रेरित करता है ।

ईरान ने कैसे गिराया अमेरिकी विमान? अमेरिका ने कैसे बचाए अपने पायलट? ये रहे सवालों के जवाब

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बेहद साहसिक और जटिल बचाव अभियान ने वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचा है। ईरान के भीतर गिराए गए एक अमेरिकी लड़ाकू विमान के दो चालक दल सदस्यों को निकालने के लिए चलाया गया यह अभियान आधुनिक युद्ध रणनीति, गुप्त संचालन और जोखिम भरे फैसलों का अनोखा उदाहरण बन गया है।

हम आपको बता दें कि शुक्रवार को ईरान के इस्फहान प्रांत के ऊपर उड़ान भर रहे अमेरिकी लड़ाकू विमान को ईरानी हमले में निशाना बनाया गया। विमान के दो पायलट समय रहते बाहर निकल गए, लेकिन वह दुश्मन के इलाके में अलग अलग स्थानों पर उतर गए। पहले पायलट को कुछ ही घंटों में सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन दूसरे सदस्य यानी हथियार विशेषज्ञ को बचाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ।

यह अभियान केवल एक सामान्य बचाव मिशन नहीं था, बल्कि इसमें खुफिया एजेंसियों, विशेष बलों और अत्याधुनिक तकनीक का समन्वय देखने को मिला। अमेरिकी विशेष बलों ने रात के अंधेरे में ईरान के भीतर गहराई तक प्रवेश किया। लगभग दो हजार एक सौ मीटर ऊंची पहाड़ी पर छिपे घायल अधिकारी तक पहुंचकर उसे सुरक्षित स्थान तक लाया गया।

हालांकि मिशन के बीच में एक बड़ा संकट भी आया। जिन परिवहन विमानों के जरिए लगभग सौ विशेष बलों को इलाके में पहुंचाया गया था, उनमें तकनीकी खराबी आ गई और वे उड़ान भरने में असमर्थ हो गए। इससे सैनिकों के दुश्मन इलाके में फंसने का खतरा पैदा हो गया। ऐसे में कमांडरों ने जोखिम भरा फैसला लेते हुए अतिरिक्त विमानों को भेजने का आदेश दिया। कुछ घंटों की तनावपूर्ण प्रतीक्षा के बाद अंतत: सभी सैनिकों को चरणबद्ध तरीके से बाहर निकाल लिया गया। साथ ही इस दौरान अमेरिकी सेना ने अपने दो परिवहन विमानों और चार हेलीकॉप्टरों को खुद ही नष्ट कर दिया ताकि वह ईरान के हाथ न लग सकें। यह फैसला इस मिशन की गंभीरता और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

अमेरिकी सैनिकों को दिया जाता है खास प्रशिक्षण

घायल अधिकारी की जीवित रहने की कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बाहर निकलने के बाद वह पहाड़ों में छिप गया और एक दरार में शरण ली। उसके पास सीमित संसाधन थे, लेकिन विशेष प्रशिक्षण के कारण वह खुद को बचाने में सफल रहा। बाद में उसने सुरक्षित तरीके से अमेरिकी सेना से संपर्क स्थापित किया, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हो सकी और बचाव अभियान आगे बढ़ाया जा सका। हम आपको बता दें कि अमेरिकी पायलटों को दुश्मन के इलाके में फंसने की स्थिति के लिए जो विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, उसे सामान्यत: सेरे प्रशिक्षण कहा जाता है, जिसका अर्थ है सर्वाइवल, एवेजन, रेसिस्टेंस और एस्केप यानी जीवित रहना, दुश्मन से बचना, गिरफ्तारी की स्थिति में प्रतिरोध करना और मौका मिलने पर निकल भागना। इस प्रशिक्षण में पायलटों को अत्यंत कठिन परिस्थितियों में खुद को जिंदा रखने की कला सिखाई जाती है, जैसे पानी ढूंढ़ना और शुद्ध करना, अस्थायी आश्रय बनाना, सीमित संसाधनों में भोजन जुटाना और प्राथमिक उपचार करना। साथ ही उन्हें यह भी सिखाया जाता है कि दुश्मन की नजर से कैसे बचा जाए, जैसे जमीन के करीब रहना, छिपने के तरीके अपनाना, रात का उपयोग करना और सुरक्षित संचार उपकरणों के जरिए अपने स्थान की जानकारी देना। प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानसिक मजबूती विकसित करना होता है, जिसमें पायलटों को पूछताछ या बंदी बनाए जाने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सीमित जानकारी देना, दबाव का सामना करना और दुश्मन के मनोवैज्ञानिक प्रभाव से बचना सिखाया जाता है। इसके अलावा उन्हें भागने की योजना बनाना, रास्तों की पहचान करना और बचाव दल से संपर्क स्थापित करने की रणनीतियां भी सिखाई जाती हैं। कुल मिलाकर यह प्रशिक्षण पायलटों को इस लायक बनाता है कि वह अकेले, घायल या संसाधनहीन होने पर भी दुश्मन के इलाके में लंबे समय तक जीवित रह सकें और सही समय पर सुरक्षित वापस लौटने की संभावना बनाए रखें।

अमेरिका की रणनीति

हम आपको यह भी बता दें कि ईरान की ओर से भी इस दौरान व्यापक स्तर पर खोज अभियान चलाया गया था। स्थानीय लोगों से अपील की गई कि यदि उन्हें कोई दुश्मन पायलट दिखे तो उसे पकड़कर अधिकारियों को सौंपें। इनाम की घोषणा भी की गई, जिससे इलाके में खोज और तेज हो गई। लेकिन अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने इस बीच एक भ्रम फैलाने वाली रणनीति अपनाई। ईरान के भीतर यह संदेश फैलाया गया कि लापता अधिकारी को पहले ही ढूंढ़ लिया गया है और उसे कहीं और ले जाया जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिकी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक संकेतों को बाधित किया और कुछ प्रमुख रास्तों पर हमले किए ताकि कोई भी व्यक्ति उस क्षेत्र तक न पहुंच सके।

इस मिशन के दौरान अमेरिकी हेलीकॉप्टरों पर भी हमला हुआ। दो हेलीकॉप्टरों को नुकसान पहुंचा, लेकिन वे किसी तरह सुरक्षित वापस लौटने में सफल रहे।

दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिकी अभियान को पूरी तरह विफल कर दिया और कई विमानों को मार गिराया। ईरानी मीडिया में जले हुए विमान के मलबे और धुएं की तस्वीरें भी दिखाई गईं। हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने अपने उपकरण खुद नष्ट किए ताकि वे दुश्मन के हाथ न लगें। इस पूरे घटनाक्रम में दोनों देशों के बीच सूचना युद्ध भी साफ दिखाई देता है, जहां हर पक्ष अपनी जीत का दावा कर रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि इस संघर्ष में अब तक अमेरिका के तेरह सैनिकों की मौत हो चुकी है और तीन सौ से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन किसी भी सैनिक को बंदी नहीं बनाया गया है।

ईरान ने कैसे गिराया अमेरिकी विमान?

जहां तक ईरान द्वारा इस्फहान प्रांत के ऊपर अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराने की बात है तो इस बारे में आपको और जानकारी देते हुए बता दें कि यह हमला किसी एक साधारण हथियार से नहीं, बल्कि उन्नत वायु रक्षा प्रणाली के संयोजन से किया गया हो सकता है। कई रिपोर्टों में संकेत मिला है कि ईरान ने अपने स्वदेशी 'थर्ड खोरदाद' नामक मध्यम दूरी के सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम का उपयोग किया, जो पहले भी उन्नत विमानों को निशाना बनाने के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही कुछ खुफिया आकलनों में यह भी कहा गया कि ईरान ने रूसी मूल के कंधे पर रखकर दागे जाने वाले आधुनिक मिसाइल सिस्टम (मैनपैड्स), जैसे वेरबा प्रकार, का इस्तेमाल किया होगा, जो कम ऊंचाई पर उड़ रहे विमानों को आसानी से निशाना बना सकते हैं और पारंपरिक रडार चेतावनी प्रणालियों को चकमा देने में सक्षम होते हैं।

दक्षिण एशिया की महिलाओं को सशक्त बनाना: भारत निभा सकता है उदार भूमिका

राजदूत (सेवानिवृत्त)
सर्वजीत चक्रवर्ती

बांग्ला कवि काज़ी नजरुल इस्लाम, जिन्हें अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय कवि माना जाता है, ने एक बार लिखा था, 'इस दुनिया में जितनी भी अच्छाई है, उसका आधा महिलाओं ने और आधा पुरुषों ने बनाया है।' यह सच्चाई आज के समय में और भी प्रासंगिक हो गई है, जहां जड़ जमाए पितृसत्तात्मक समाज खुद को महिलाओं की उस शक्ति से वंचित कर रहे हैं, जो उनके समुदायों और देशों में सामाजिक समरसता, समृद्धि और शांति ला सकती है।

दक्षिण एशिया के बड़े हिस्से को महिलाओं को अधिक सामाजिक, आर्थिक और यहां तक कि राजनीतिक शक्ति देने से अत्यधिक लाभ मिल सकता था। भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका ने महिलाओं की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव किया है—ऐसी नेता जिन्होंने अपने देशों की दिशा बदल दी। यहां तक कि मालदीव जैसे पारंपरिक समाज में भी महिला राजनीतिक नेता रही हैं। बांग्लादेश की निर्यात आय लगभग पूरी तरह महिलाओं के श्रम पर निर्भर करती है, विशेषकर वस्त्र उद्योग में, और उनकी स्थिर आय ने ग्रामीण बांग्लादेश का स्वरूप बदल दिया है तथा प्रति व्यक्ति आय को भारत से काफी अधिक स्तर तक पहुंचा दिया है।

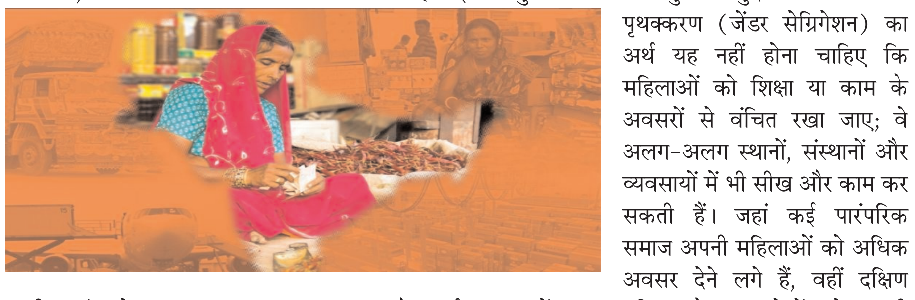

महिलाओं के कौशल का उपयोग

दक्षिण एशिया में महिलाओं का सशक्तिकरण प्रत्येक देश के जीडीपी में हर वर्ष कई प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। यहां तक कि उन समाजों में भी जहां महिलाओं की भूमिकाएं सीमित हैं, वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, नर्सिंग, आईटी सेवाओं, आतिथ्य और बीपीओ बैक-ऑफिस जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसके अलावा खाद्य प्रसंस्करण और परिधान जैसे महिला-प्रधान उद्योग भी हैं। इससे पुरुषों को सरकार और अर्थव्यवस्था में अन्य आवश्यक भूमिकाएं निभाने की स्वतंत्रता मिलती है।

आखिरकार, महिलाएं आधे आकाश को थामे हुए हैं। भारत दक्षिण एशिया में सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकता है, बजाय इसके कि सबसे पहले केवल राजनीतिक अधिकारों पर जोर दे। यह अधिक उपयोगी और उत्पादक होगा यदि ये समाज शिक्षा को बढ़ावा दें और स्थानीय नेतृत्व को महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर आर्थिक समृद्धि हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

महिलाओं के लिए अवसर

कुछ समुदायों में लैंगिक पृथक्करण (जेंडर सेग्रिगेशन) का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि महिलाओं को शिक्षा या काम के अवसरों से वंचित रखा जाए; वे अलग-अलग स्थानों, संस्थानों और व्यवसायों में भी सीख और काम कर सकती हैं। जहां कई पारंपरिक समाज अपनी महिलाओं को अधिक अवसर देने लगे हैं, वहीं दक्षिण एशिया के कुछ देशों को अपनी सभ्यतागत संबंधों और आर्थिक क्षमताओं का उपयोग करते हुए अपने-अपने सरकारों—जैसे अफगानिस्तान में तालिबान—को महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि उनके अपने विकास और भलाई सुनिश्चित हो सके। भारत, यदि आवश्यक हो, तो इन समुदायों में शिक्षा, आईटी सेवाओं और कौशल-विकास के लिए अलग सुविधाएं स्थापित करने की पेशकश कर सकता है।

बोध कथा

विश्वास की शक्ति

परमात्मा पर अटूट विश्वास हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होता और सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं... शिव आमंत्रण, आबू रोड। रात के ढाई बजे थे। एक सेठ को नींद नहीं आरही थी। वह घर में चक्कर पर चक्कर लगाये जा रहा था पर चैन नहीं पड़ रहा था। आखिर थक कर वह घर से नीचे उतर आया। अपनी कार निकाली और शहर की सड़कों पर निकल गया। रास्ते में एक मंदिर दिखा तो सोचा थोड़ी देर इस मंदिर में जाकर भगवान के पास बैठता हूँ। प्रार्थना करता हूं तो शायद मन को शांति मिल जाये। वह सेठ मंदिर के अंदर गया तो देखा, एक दूसरा आदमी पहले से ही भगवान की मूर्ति के सामने बैठ था। उसका चेहरा उदास था परंतु आंखों में करूणा और आस दिख रही थी। सेठ ने पूछा- 'क्यों भाई इतनी रात को मन्दिर में क्या कर रहे हो?' आदमी ने कहा- 'मेरी पत्नी अस्पताल में है, सुबह यदि उसका ऑपरेशन नहीं हुआ तो वह मर जायेगी और मेरे पास ऑपरेशन के लिए पैसे नहीं हैं'। उसकी बात सुनकर सेठ ने, जेब में जितने रूपए थे वह उस आदमी को दे दिए। अब गरीब आदमी के चहरे पर चमक आ गई थी। सेठ ने अपना कार्ड उस आदमी को देते हुए कहा- इसमें मेरा फोन नबर और पता भी है। अगर और पैसों की जरूरत हो तो नि:संकोच बताना। उस गरीब आदमी ने कार्ड सेठ को वापिस देते हुए कहा- 'मेरे पास उसका पता है ' इस पते की मुझे जरूरत नहीं है सेठजी। आश्चर्य से सेठ ने कहा- 'किसका पता है भाई'? उस गरीब आदमी ने कहा- 'जिसने रात को ढाई बजे आपको यहां भेजा उसका'। उस गरीब आदमी का परमात्मा पर इतना दृढ़ विश्वास था कि रात को ढाई बजे भी उसकी आवश्यकता अनुसार पैसे स्वयं उस तक पहुंच गए।

***संदेश:** परमात्मा जो हमारे पालनहार हैं। हमें भी उन पर इतना अटूट विश्वास रखना चाहिए।*

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

तू डाल डाल, मैं पात पात

एकता शर्मा

तू जहां जहां चलेगा मेरा साया साथ चलेगा!

कमबख्त वह तो कह रहे थे हमने आपको चंदा दिया है। लेकिन यह चंदा हम तक कैसे नहीं पहुंचा!

बताओ तो सही, टॉप टू बॉटम भ्रष्टाचार की गंगा को वह पलटना चाहते हैं ?

1 रूपया नीचे पहुंचते पहुंचते 10 पैसे में कैसे बदलता है, हमने उन्हें सिखाया था आज वह हमें सिखा रहे हैं!

हमारी बिल्ली हमें ही म्याऊं!

आय-कर अधिकारियों जल्दी निकालो उनकी जन्म कुंडली, जो कहते हैं उन्होंने हमको चंदा दिया है!

आश्चर्य है यह चंदा दूज के चांद से चौदहवीं का चांद क्यों नहीं बन रहा है

माना शिक्षा और स्वास्थ्य पर तो उन्होंने खर्च किया है पर यह चंदा......यह तो हमें नहीं पच रहा है!

क्या सेर को सवा सेर मिल रहे हैं?

जाओ सैनिकों जाकर टैक्स वसूलों,

कोख से कब्र तक कंज्यूमर क्रेता को कर चुकाना होगा जीएसटी का नैतिक दायित्व निभाना होगा!

देखो ना तुम भोले हो, ना हम भोले! जो सेर नाज खाता है वह इनकम टैक्स चोरी के सारे हथकंडे अपनाता है।

जहां तेरी यह नजर है मेरी जां मुझे खबर है।

अब तुम खुद को भोलाराम का जीव नहीं समझ सकते!

वह समय गया जब फाइलें धूल फांकती थी।

अब सोशल मीडिया का जमाना है।

ए- आई अच्छे-अच्छे की डीप फ्राई कर रही है।

अब तुम स्वयं को कंगाल नहीं बता सकते!

बस एक क्लिक से पूरी जन्म कुंडली, कहां खाया और कहां निकाला सब ए-आई माता खंगाल लेगी।

उधर गूगल बाबा तुम्हारी सब गतिविधियों पर निगाह बनाए रखे हैं।

किस होटल में जाऊं, किस होटल में खाऊं कोई देख ले ना हमें यहां....

ऐसा सोचने की तो गलती भी मत करना!

अब तू जहां जहां जाएगा तेरा गूगल बाबा साथ निभाएगा!

हां हैक होने पर यह सब को बताएगा

क्या तो डिजिटल अरेस्ट किया जाएगा या फिर जीएसटी कर चोरी में पकड़ा जाएगा, स्वयं अपनी प्रतिष्ठा गिराएगा!

लेकिन; लेकिन अभी भी चिंता की कोई बात नहीं !

यहां भी बचने का उपाय समुचित सरकार द्वारा निभाया जाएगा।

तुम मुझे टैक्स दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा!

यही नारा विवाद से समाधान तक पहुंचाएगा!

अरे भाई किसके पास फालतू टाइम है जो न्यायिक अपील का दरवाजा खटखटाएगा!

वैसे भी वहां तो पुरानी फाइलों का अंबार अभी भी नजर आएगा!

वह भोलाराम का जीव अभी भी सूखे हुए तिलचट्टे की तरह दबा हुआ वहीं कहीं पाएगा!

इतिहास

6 अप्रैल का इतिहास वैश्विक और भारतीय संदर्भ में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है, जिनमें 1976 में Apple Computer, Inc. की स्थापना और 1896 में एथेंस में पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत प्रमुख हैं। यह दिन महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन और भारतीय इतिहास की अन्य घटनाओं से भी जुड़ा है। 6 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:

1896: एथेंस (Greece) में पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई। 1919: महात्मा गांधी ने रौलट एक्ट के विरोध में देशव्यापी हड़ताल और 'सत्याग्रह' का आह्वान किया। 1976: स्टीव जॉब्स और स्टीव वोजनियाक ने एप्पल कंप्यूटर (Apple Computer, Inc.) की स्थापना की। 1980: भारतीय जनता पार्टी (BJP) की स्थापना हुई। 2001: अमेरिका और चीन के विमानों के बीच हांगकांग के पास हवा में टक्कर हुई।

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 787 अंक उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 787.30 अंक या 1.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,106.85 और निफ्टी 255.15 अंक या 1.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,968.25 पर था।

बाजार के ज्यादातर सूचकांक हरे निशान में बंद हुए।

निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.60 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (2.34 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (2.33 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (2.23 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (2.16 प्रतिशत) और निफ्टी सर्विसेज (1.66 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ।

केवल निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.37 प्रतिशत) और निफ्टी मीडिया (0.22 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 815.60 अंक या 1.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 54,492.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.55 अंक या 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 15,853.05 पर था।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एक्सिस बैंक, टाइटन, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इंडिगो,एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व,पावर ग्रिड, एनटीपीसी, बीईएल, एसबीआई,आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टीसीएस और एचयूएल गेनर्स थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा लूजर्स थे।

बाजार में तेजी आने की वजह रुपए में तेजी और ईरान-अमेरिका में तनाव कम होने की संभावना को माना जा रहा है।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा, आरबीआई द्वारा सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने और डॉलर की आपूर्ति में सुधार करने के लिए हाल ही में उठाए गए कदमों से रुपए में 30 पैसे की मजबूती आई और यह 93.00 के आसपास बना हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी-ईरान तनाव कम होने की उम्मीदों से जोखिम भावना में सुधार से भी इस रिकवरी को सपोर्ट मिला है, हालांकि अनिश्चितता का स्तर अभी भी उच्च स्तर पर है।

उछाल के बावजूद, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक अनिश्चितता का दबाव बना हुआ है।

यूएसडीआईएनआर के लिए निकट भविष्य में, 92.45 के स्तर पर समर्थन दिखाई दे रहा है, जबकि रुकावट का स्तर 93.75-94.00 के आसपास है।

फोनपे एसबीआई कार्ड जीरो ज्वाइनिंग फीस पर उपलब्ध, ऑनलाइन खर्च पर मिलेगा 5 प्रतिशत का रिवॉर्ड

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म फोनपे ने सोमवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर लॉन्च किए गए अपने नए क्रेडिट कार्ड पर सीमित अवधि के लिए एक विशेष ऑफर की घोषणा की। फोनपे एसबीआई कार्ड पहले साल शून्य जॉइनिंग फीस के साथ उपलब्ध है, जिससे ग्राहक बिना किसी अग्रिम लागत के इसके लाभ उठा सकते हैं।

फिनटेक प्लेटफॉर्म ने कहा, 'यूजर्स पहले वर्ष के लिए कार्ड के प्रीमियम लाभों का मुफ्त में आनंद ले सकते हैं।

यह कार्ड रुपे और विजा दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और यह विशेष रूप से उन सक्रिय उपभोक्ताओं के लिए बनाया गया है जो अकसर ऑनलाइन लेनदेन करते हैं। इस कार्ड की एक प्रमुख विशेषता इसकी यूनिवर्सल रिवॉर्ड स्ट्रक्चर है, जो ब्रांड या व्यापारी की परवाह किए बिना सभी ऑनलाइन खरीदारी पर 5 प्रतिशत रिवॉर्ड प्रदान करती है।

यह कार्ड उन उपयोगकर्ताओं के लिए एक मजबूत विकल्प है जो अपने दैनिक डिजिटल खर्च पर अधिकतम लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक फोनपे इकोसिस्टम के भीतर चुनिंदा श्रेणियों पर 10 प्रतिशत रिवॉर्ड अर्जित कर सकते हैं, जिनमें मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान और अन्य नियमित लेनदेन शामिल हैं।

यह कार्ड प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए गए बीमा प्रीमियम भुगतान पर भी इसी तरह के लाभ प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को आवश्यक खर्चों में बचत करने में मदद मिलती है।

ऑफलाइन उपयोग के लिए, विशेष रूप से यूपीआई के माध्यम से, कार्ड का रुपे वर्जन स्कैन-एंड-पे लेनदेन पर 1 प्रतिशत रिवॉर्ड प्रदान करता है, जिससे कम राशि के भुगतान भी अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इस कार्ड में यात्रा संबंधी सुविधाएं भी शामिल हैं, जैसे कि बिना किसी खर्च सीमा के साल में चार बार तक घरेलू हवाई अड्डे के लाउंज में नि:शुल्क प्रवेश शामिल है। उपयोगकर्ताओं को दो साल की प्रायोरिटी पास सदस्यता भी प्रदान की जाती है।

मध्य पूर्व में तनाव के बीच सऊदी अरामको का बड़ा फैसला, एशिया से अरब लाइट क्रूड ऑयल के लिए वसूलेगा 19.50 प्रति बैरल प्रीमियम

नई दिल्ली। सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको ने एशियाई देशों के लिए अरब लाइट क्रूड पर प्रीमियम का ऐलान किया है।

कंपनी ने मई शिपमेंट वाले अरब लाइट क्रूड के एशियाई खरीदारों के लिए रिकॉर्ड 19.50 प्रति बैरल का प्रीमियम सेट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी अरामको ने यह कदम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने के बीच उठाया है।

अरब लाइट एक हल्का क्रूड ऑयल होता है, जिसे सऊदी अरामको द्वारा उत्पादित किया जाता है। यह मध्यम घनत्व और कम सल्फर वाला 'स्वीट क्रूड' है, जिससे इसे रिफाइन करना आसान होता है। इससे पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं। इसकी गुणवत्ता और स्थिर सप्लाई के कारण यह एशिया और यूरोप में बहुत लोकप्रिय है।

ओपीईसी के तहत इसका उत्पादन वैश्विक तेल बाजार को प्रभावित करता है और इसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलने वाले प्रमुख शिपिंग मार्ग को लगभग बंद कर देने से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित हो गया है, जिससे ऊर्जा बाजारों में तीव्र अस्थिरता उत्पन्न हो गई है।

इस उथल-पुथल ने अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों को काफी बढ़ा दिया है। हाल के सत्रों में ब्रेंट क्रूड में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और इससे अमेरिका, यूरोप और एशिया सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन की कीमतों में भी भारी वृद्धि देखी गई है। हालांकि, दिन के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी देखी गई। ब्रेंट क्रूड का दाम 1.58 प्रतिशत कम होकर 107.31 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 109.49 डॉलर प्रति बैरल पर था।

कर्ज के जाल में फंसा पाकिस्तान, 80.5 ट्रिलियन तक पहुंचा सार्वजनिक ऋण : रिपोर्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक कर्ज 360 दिनों में 71 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर 80.5 ट्रिलियन रुपए हो गया है। मतलब 9 ट्रिलियन रुपए की वृद्धि, जबकि सरकार इस अवधि को आर्थिक स्थिरीकरण का समय बता रही है।

द न्यूज इंटरनेशनल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि हर दिन 26 बिलियन रुपए उधार लेने के बराबर है, जिसमें 19 सार्वजनिक छुट्टियां भी शामिल हैं। घंटे के हिसाब से सरकार पर 1.08 बिलियन रुपए का नया कर्ज जुड़ता है।

वहीं, हर मिनट यह आंकड़ा 1.8 मिलियन रुपए तक पहुंच जाता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की ओर से कमाए गए हर 100 रुपए में से किसी भी सार्वजनिक सेवा के लिए राशि देने से पहले ही 72 रुपए का कर्ज चुकाना होता है। इसके अलावा, पाकिस्तान सरकार का कर्ज-से-जीडीपी अनुपात 72 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

नौ ट्रिलियन रुपए की इस वृद्धि में से, दो ट्रिलियन रुपए अनुदान के रूप में वितरित किए गए, और दो ट्रिलियन रुपए राज्य-स्वामित्व वाले उद्यमों के नुकसान की भरपाई में इस्तेमाल हुए। बिजली कंपनियां, गैस कंपनियां, रेलवे, स्टील और राष्ट्रीय एयरलाइन जैसी प्रमुख घाटे में चल रही संस्थाओं में कोई संरचनात्मक सुधार नहीं किया गया है। सरकारी बेड़े में इस समय 85,500 वाहन शामिल हैं, जो हर साल 114 बिलियन रुपए का ईंधन खर्च करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, '2030 तक कर्ज की अदायगी पाकिस्तान के टैक्स राजस्व का बड़ा हिस्सा खा जाएगी। हर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष कार्यक्रम केवल समय मांगता है, सुधार नहीं। अगर हमने अपने हालात नहीं सुधारे, तो सुधारने के लिए कुछ बचेगा ही नहीं।

इसमें आगे यह भी बताया गया कि 1971 में, पाकिस्तान में पैदा हुए एक बच्चे पर राष्ट्रीय ऋण के हिस्से के रूप में 462 रुपए का कर्ज था। अब यह आंकड़ा 3,33,041 रुपए हो गया है। यानी बच्चे के जन्म लेते ही, बिना किसी सरकारी सेवा का लाभ लिए, उस पर इतना कर्ज होता है।

अर्थशास्त्रियों और वित्तीय विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे कर्ज की अदायगी का बोझ बढ़ेगा, वैसे-वैसे शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश घटता जाएगा। स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान में चार गवर्नर-जनरल, 14 राष्ट्रपति और 20 प्रधानमंत्री रह चुके हैं। मौजूदा कर्ज बढ़ने की दर उसके 79 साल के इतिहास में सबसे तेज है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भी मजबूत रहेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली । वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी रहेगी और वित्त वर्ष 27 में जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम एशिया में तनाव से कुछ चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था का आधार लगातार मजबूत है और ग्रोथ को सपोर्ट कर रहा है। विश्लेषण में कहा गया कि पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत पर प्रभाव मुख्य रूप से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के रूप में महसूस किया जाएगा, जो मुद्रास्फीति, राजकोषीय संतुलन और बाह्य खातों को प्रभावित करता है।

बेस केस सिनेरियो में लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल की औसत कच्चे तेल की कीमतों को मानते हुए, विकास दर पहले के 7.2 प्रतिशत के अनुमानों से थोड़ी कम हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर नियंत्रण में रह सकती है और खुदरा महंगाई दर 4.5 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत के बीच में रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, केयरएज यह मानकर चला जा रहा है कि सरकार वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों का घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला प्रभाव सीमित रखेगी।

हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि से समय के साथ महंगाई का दबाव कुछ हद तक बढ़ सकता है।राजकोषीय मोर्चे पर, पेट्रोलियम उत्पादों पर संभावित उत्पाद शुल्क कटौती, अधिक सब्सिडी आवश्यकताओं और कर राजस्व में मामूली कमी के कारण सरकार को वित्तीय बोझ में मामूली वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है। इस प्रभाव का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 0.5 प्रतिशत के आसपास है, जो भारत के सार्वजनिक वित्त के व्यापक संदर्भ में प्रबंधनीय है।

महंगाई और राजकोषीय गतिशीलता के कारण सरकारी बॉन्ड यील्ड में भी मामूली वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारत के सर्विस सेक्टर में मार्च में गतिविधियां बढ़ीं, अंतरराष्ट्रीय ऑडर्स से मिला सपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के सर्विस सेक्टर में मार्च में गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। इसे अंतरराष्ट्रीय ऑडर्स से सपोर्ट मिला है। हालांकि, घरेलू नए बिजनेस की ग्रोथ में नरमी आई है, लेकिन व्यवसायों के आत्मविश्वास में बढ़त दर्ज की गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में भारत का सर्विसेज पीएमआई 57.5 रहा है। यह लंबी अवधि के औसत 54.4 से अधिक है।

रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनियों ने 2025 के मध्य के बाद से सबसे तेज गति से रोजगार में वृद्धि दर्ज की और लगभग 12 वर्षों में उत्पादन के लिए सबसे मजबूत दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

रिपोर्ट में कहा गया, 'पैनलिस्टों के अनुसार, नए कारोबार में वृद्धि से विकास को बल मिला, लेकिन मध्य पूर्व युद्ध से मांग, बाजार की स्थितियों और पर्यटन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के कारण उत्पादन सीमित रहा।

वास्तव में, नए काम के लिए भर्ती में वृद्धि हुई, लेकिन पिछले वित्तीय तिमाही के अंत में यह गति जनवरी 2025 के बाद से सबसे धीमी रही। सर्विस इकोनॉमी के चार प्रमुख क्षेत्रों में से तीन में बिक्री में धीमी वृद्धि देखी गई, जिनमें वित्त एवं बीमा, अचल संपत्ति एवं व्यावसायिक सेवाएं और परिवहन, सूचना एवं संचार शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, 'मार्च में भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में उत्पादन की वृद्धि दर पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही, जो नए व्यावसायिक ऑर्डरों की वृद्धि में आई मंदी को दर्शाती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में लगभग रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि के मुकाबले यह धीमी है।

इस बीच, जून 2022 के बाद से इनपुट लागत में सबसे तीव्र वृद्धि के कारण विक्रय शुल्क मुद्रास्फीति सात महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल नए ऑर्डरों की वृद्धि में आई मंदी उत्पादन शुल्क मुद्रास्फीति में आई तेजी के समानांतर हुई।

मेसाबी मेटालिक्स ने मैक्वेरी ग्रुप से 150 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की

नैशवॉक, मिनेसोटा (संयुक्त राज्य अमेरिका)। एस्सार समूह द्वारा समर्थित मेसाबी मेटालिक्स कंपनी एलएलसी (मेसाबी मेटालिक्स) ने सोमवार को घोषणा की कि उसने मैक्वेरी समूह से 150 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की है, जो मिनेसोटा के नैशवॉक में स्थित उसके विश्व स्तरीय डायरेक्ट रिडक्शन (डीआर) ग्रेड लौह अयस्क खदान और पेलेट संयंत्र के 2026 की तीसरी तिमाही में शुरू होने में सहायक होगा।

यह नई फंडिंग संरचनात्मक रूप से महत्वपूर्ण अमेरिकी लौह अयस्क परियोजना के लिए हाल ही में प्राप्त पूंजीगत गति को और मजबूत करता है।

यह फंडिंग मेसाबी द्वारा हाल ही में ब्रेकवॉल कैपिटल के साथ घोषित 520 मिलियन डॉलर की सीनियर सिक्योर्ड क्रेडिट फैसिलिटी के बाद आया है, जो परियोजना के पीछे के मजबूत रुझान को दिखाता है। मेसाबी को हाल ही में अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक से भी समर्थन प्राप्त हुआ है, जो अमेरिकी विनिर्माण, अवसंरचना, ऑटोमोटिव, जहाज निर्माण और रक्षा के लिए परियोजना के बढ़ते रणनीतिक महत्व को दर्शाता है।

मेसाबी मेटालिक्स रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अमेरिकी लौह अयस्क का एक नया स्रोत ऐसे समय में स्थापित कर रही है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और आयातित कच्चे माल पर निर्भरता कम करने के लिए प्रयासरत है। उत्तरी मिनेसोटा में 16,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में स्थित, मेसाबी मेटालिक्स 2.5 बिलियन डॉलर की लागत से विश्व स्तरीय लौह अयस्क खदान और पेलेट संयंत्र का निर्माण पूरा कर रही है। वर्तमान में 800 से अधिक निर्माण श्रमिक साइट पर कार्यरत हैं, यह परियोजना मिनेसोटा के इतिहास में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े औद्योगिक निवेशों में से एक है। एस्सार समूह ने पहले ही इस परियोजना में 2 बिलियन डॉलर से अधिक का इक्विटी निवेश किया है।

मेसाबी मेटालिक्स के अध्यक्ष और सीईओ जो ब्रोकिंग ने कहा, 'मैक्वेरी से प्राप्त यह फंडिंग मेसाबी मेटालिक्स के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है और हाल ही में घोषित वित्तीय साझेदारियों के माध्यम से हमने जो मजबूत गति हासिल की है, उसे और आगे बढ़ाता है।

ब्रोकिंग ने आगे कहा, 'ये लेन-देन मिलकर हमारी परियोजना की गुणवत्ता, पैमाने और रणनीतिक महत्व में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं, क्योंकि हम घरेलू इस्पात आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए डीआर-ग्रेड लौह अयस्क का एक नया अमेरिकी स्रोत स्थापित कर रहे हैं।

वैश्विक प्रयास धीमे, नवजात मृत्युदर चिंता का विषयः यूएन रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक हालिया रिपोर्ट नवजात मृत्युदर की दुखद तस्वीर पेश करती है। ये कहती है कि नवजात मौतों को कम करने की वैश्विक मुहिम अब धीमी पड़ती जा रही है, जिससे लाखों बच्चों की जान पर खतरा बना हुआ है। यह रिपोर्ट 17 मार्च 2026 को जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में करीब 23 लाख नवजातों की मौत हुई (एक अनुमान के अनुसार स्थिति अब भी बदली नहीं है)। ये वे बच्चे हैं जो मात्र 28 दिन या उससे कम के होते हैं। पिछले दो दशकों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में कमी आई थी, लेकिन नवजातों के मामले में यह गिरावट उतनी तेज नहीं रही। यही वजह है कि अब कुल बाल मृत्यु दर में नवजातों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात मृत्यु दर को कम करना एक जटिल चुनौती है, क्योंकि इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, समय पर देखभाल और संसाधनों की उपलब्धता जैसे कई कारक शामिल होते हैं। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां स्वास्थ्य ढांचा पहले से ही कमजोर है।

अफ्रीकी देशों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं, जहां हर साल लगभग 11 लाख नवजात अपनी जान गंवा देते हैं। मौतों के पीछे प्रमुख कारणों में समय से पहले जन्म, प्रसव संबंधी जटिलताएं और संक्रमण शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में मौत रोकी जा सकती है, अगर गर्भावस्था और जन्म के समय उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग में कमी आई है। साथ ही कई देशों में राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव के चलते मातृ और शिशु स्वास्थ्य को उतना महत्व नहीं मिल पा रहा है। कोविड-19 महामारी और वैश्विक आर्थिक दबाव ने भी स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त असर डाला, जिससे प्रगति और धीमी हो गई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नवजातों की जान बचाने के लिए बड़े और जटिल उपायों की जरूरत नहीं है, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना ही सबसे प्रभावी कदम हो सकता है। इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में सुरक्षित प्रसव, जन्म के तुरंत बाद शिशु की देखभाल और संक्रमण से बचाव के उपाय शामिल हैं। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठातीं, तो 2030 तक शिशु मृत्यु दर घटाने के वैश्विक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

मिशन ट्रैपः ईरान के प्लान में कैसे फंस गए ट्रंप, 38 दिनों के युद्ध में कितना हुआ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर गालियों से भरी एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने ईरान को धमकी देते हुए मंगलवार को उसके पावर प्लांट पर हमला करने की बात कही।

अमेरिका ने जब 28 फरवरी के इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला किया था, तब वे अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त थे। लेकिन अब अमेरिका इस युद्ध में ईरान के जाल में फंसता नजर आ रहा है।

ईरान के जाल में फंसे ट्रंप

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का आज 38वां दिन है, लेकिन अभी भी ये युद्ध रुकता नजर नहीं आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में कई बार दावा किया कि उनकी ईरान में कई अधिकारियों के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन ईरानी सरकार ने हर बार अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज किया।

अमेरिका अब इस युद्ध में कई मोर्चों पर चल रही लड़ाई में फंसा हुआ दिख रहा है, जहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा।

अमेरिका एक ऐसे युद्ध को सही ठहराने की कोशिश भी कर रहा है, जिसकी वजह से अमेरिकी टैक्स देने वालों पर रोजाना लगभग 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर का बोझ पड़ रहा है और जिसने दुनिया को एक लंबे समय तक चलने वाले ऊर्जा संकट में फंसा दिया है।

अमेरिका ये भी दावा करता रहा है कि उसने ईरान के युद्ध लड़ने की क्षमता को खत्म कर दिया है, लेकिन ईरान की तरफ से अभी भी इजरायल और खाड़ी देशों पर हमले जारी हैं। ईरान के पास अभी भी काफी बैलिस्टिक मिसाइल की क्षमता है और माना जाता है कि उसके पास 400-440 किलोग्राम समृद्ध यूरेनियम का भंडार है।

ईरान ने अब अमेरिका को अपनी मर्जी से कहानी तय करने के बजाय, बस हालात पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर दिया है।

युद्ध से बाहर निकलना चाहता है अमेरिका

अमेरिका ईरान के एक ऐसे जाल में फंस गया है, जिसमें ईरान इस युद्ध को अपनी तरह से चला रहा है। ईरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रास्तों (चोकपॉइंट्स) तैयार कर रहा है, ताकि अमेरिका के लिए बिना अपनी राजनीतिक साख खोए, यानी बिना कमजोर दिखे, युद्ध से पीछे हटना या बाहर निकलना मुश्किल हो जाए।

किडनी स्टोन में अचानक बढ़ोतरी! क्या बदल गई है हमारी डाइट?

गुर्दे की पथरी आज भारत ही नहीं, दुनिया भर में तेजी से बढ़ता हुआ स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। बीते कुछ वर्षों में लोगों की भोजन करने की आदतों में आए बदलावों ने इस बीमारी को और अधिक आम कर दिया है।

2024 में प्रकाशित 'किडनी स्टोन्स एंड डाइटरी इनटेक इन एडल्ट्स' नामक अध्ययन में 10,009 वयस्कों का विश्लेषण किया गया और यह निष्कर्ष सामने आया कि जिन लोगों के आहार में कार्बोहाइड्रेट और तांबे की मात्रा अधिक थी, उनमें पथरी बनने की संभावना भी अधिक पाई गई।

यह शोध बताता है कि किडनी स्टोन सिर्फ पानी कम पीने या मौसम की वजह से नहीं, बल्कि हमारी बदलते आहार के पैटर्न से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

डाइट में अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट, प्रोसेस्ड फूड, शक्कर युक्त पेय, नमक, अनहेल्दी फैट्स और रेड मीट जैसे तत्वों का बढ़ता उपयोग मूत्र में खनिजों का असंतुलन पैदा करता है। इसी असंतुलन से कैल्शियम, ऑक्सलेट और यूरिक एसिड के क्रिस्टल बनते हैं, जो धीरे-धीरे पथरी का आकार ले लेते हैं। 2025 में नेचर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह भी पाया गया

कि अत्यधिक फैटी एसिड सेवन किडनी स्टोन बनने की प्रक्रिया को और तेज कर सकता है। यही कारण है कि आधुनिक खानपान—जिसमें अधिक पैक्ड फूड और रिफाइंड कार्ब्स शामिल हैं—पथरी के मामलों को तेजी से बढ़ा रहा है।

एक अन्य 2024 के अध्ययन में यह उल्लेख किया गया कि पर्याप्त फाइबर लेने वाले लोगों में पथरी का खतरा काफी कम पाया गया। यह संकेत देता है कि संतुलित भोजन, पर्याप्त पानी और पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थों की मात्रा बढ़ाकर इस बीमारी को प्रभावी तरीके से रोका जा सकता है। इसके अलावा, वजन बढ़ना और शारीरिक गतिविधि में कमी भी पथरी के प्रमुख जोखिम कारक हैं। आधुनिक जीवनशैली ने शरीर की प्राकृतिक प्रक्रियाओं को काफी हद तक प्रभावित किया है, और पथरी उसी असंतुलन का परिणाम है। आहार को संतुलित करना, नमक और प्रोसेस्ड खाने को कम करना, खूब पानी पीना, और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना किडनी स्टोन से बचने का सबसे भरोसेमंद तरीका है। जिन लोगों को पहले पथरी की समस्या हो चुकी है, उन्हें अपनी डाइट पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट से नियमित परामर्श लेना चाहिए। भोजन, शरीर और स्वास्थ्य—तीनों के बीच संतुलन बनाकर ही इस बढ़ती बीमारी से बचा जा सकता है।

अफ्रीका की जमीन के नीचे दबी है 'दौलत', छुपे खजाने ने बदली जियो पॉलिटिक्स

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, नाइजर और सूडान का नाम आते ही हिंसा, गृह युद्ध, प्राकृतिक आपदा या फिर गरीबी-भुखमरी की चर्चा होने लगती है। ये कारण ऐसे हैं जो किसी भी देश को कमजोर करते हैं या दया का पात्र बनाते हैं। लेकिन एक सच ऐसा भी है जो इन देशों की खूबसूरती और अमीरी को दर्शाता है। ऐसी सच्चाई जिसने जियो पॉलिटिक्स को काफी प्रभावित किया है।

इन देशों में सबसे बड़ा संघर्ष जमीन के ऊपर नहीं, बल्कि जमीन के नीचे चल रहा है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, नाइजर और सूडान ये तीन देश ऐसे हैं जिनकी धरती में वो संसाधन छिपे हैं जो 21वीं सदी की सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। ये बेशकीमती संसाधन बैटरी मेटल्स, दुर्लभ खनिज, सोना, यूरेनियम और तेल हैं। तो क्या बड़े देशों की दिलचस्पी का असल कारण यही है? भविष्य की तकनीक और सैन्य शक्ति का नियंत्रण अब सीधे तौर पर उसी पर निर्भर करता है कि किसके पास ये कच्चा माल है। कॉन्गो में दुनिया का सबसे समृद्ध 'कोबाल्ट' भंडार है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्टफोन, ड्रोन और एआई सर्वर में लगने वाली बैटरियों का दिल माना जाता है। आज की दुनिया जिस दिशा में जा रही है—जहां हर देश इलेक्ट्रिक वाहनों का भविष्य बना रहा है—वहां कोबाल्ट सोने से भी ज्यादा कीमती साबित हो रहा है।

चीन ने पिछले दो दशकों में कॉन्गो की करीब 70 फीसदी खदानों में निवेश कर लिया है, जिससे पश्चिमी देशों में चिंता है कि तकनीक संपन्न भविष्य पर चीन की पकड़ और मजबूत हो जाएगी। अमेरिका और यूरोप अब देर से ही सही, कॉन्गो में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चीन का दबदबा कम किया जा सके।

नाइजर की कहानी अलग है। यहां 'यूरेनियम' का विशाल भंडार है, जिसे लंबे समय तक फ्रांस नियंत्रित करता आया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जब सैन्य तख्तापलट हुए, तो रूस के साथ नाइजर की नजदीकियां बढ़ीं। यूरेनियम सिर्फ बिजली या न्यूक्लियर ऊर्जा नहीं बनाता—यह भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक है। इसीलिए नाइजर अचानक एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां छोटे-से देश की खदानें बड़े देशों की सामरिक शक्ति तय कर रही हैं।

फिर है सूडान—जो तेल, सोना और नए खोजे गए दुर्लभ खनिजों के कारण पहले से ही बड़े देशों की नजर में रहा है। यहां पिछले वर्षों में लगातार संघर्ष चल रहा है, और इस अस्थिरता में रूस, खाड़ी देश और पश्चिमी शक्तियां अपनी-अपनी तरफ झुकाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सोने की तस्करी, तेल पर नियंत्रण, सैन्य सहायता और राजनीतिक समर्थन—हर कोई सूडान को अपने पाले में करना चाहता है, क्योंकि इस क्षेत्र में पैठ बनाने का मतलब पूरे अफ्रीकी हॉर्न में रणनीतिक लाभ सुरक्षित करना है।

पपीता की तासीर होती है गर्म फिर भी गर्मियों में एक्सपर्ट खाने की क्यों देते हैं सलाह?

पपीता एक ऐसा फल है जिसका सेवन लोग हर मौसम में करते हैं। हालांकि इस फल की तासीर गर्म मानी जाती है। लेकिन एक्सपर्ट इसे गर्मियों में भी खाने की सलाह देते हैं। पीएसआरआई हॉस्पिटल में हेड ऑफ डायटीशियन शालिनी ब्लिस बता रही हैं कि आखिर गर्मियों में भी पपीता क्यों खा सकते हैं?

गर्मियों में क्यों खाना चाहिए पपीता?

पपीता की तासीर को आमतौर पर गर्म माना जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे गर्मियों में नहीं खाना चाहिए। दरअसल, आयुर्वेद में तासीर के साथ-साथ फल के पोषण और शरीर पर उसके कुल प्रभाव को भी देखा जाता है। पपीता हल्का, आसानी से पचने वाला और शरीर को अंदर से साफ रखने वाला फल है, इसलिए गर्मी के मौसम में भी इसे खाने की सलाह दी जाती है।

पाचन से जुड़ी समस्याएं होती हैं दूर

गर्मियों में अक्सर पाचन से जुड़ी

समस्याएं जैसे गैस, कब्ज और भारीपन बढ़ जाते हैं। पपीते में मौजूद एंजाइम पपेन पाचन को बेहतर बनाता है और भोजन को जल्दी तोड़ने में मदद करता है। इससे पेट हल्का रहता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं, जो गर्मी में बहुत जरूरी होते हैं।

पानी और विटामिन से भरपूर

इसके अलावा, पपीते में पानी की अच्छी मात्रा, विटामिन-, ए और फाइबर होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है। गर्मियों में जब शरीर जल्दी थक जाता है और डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है, तब पपीता एक अच्छा विकल्प बन जाता है।

कब बरतनी चाहिए सावधानी?

हालांकि, इसका सेवन सीमित मात्रा में करना जरूरी है। ज्यादा पपीता खाने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है, खासकर उन लोगों में जिनकी बॉडी पहले से ही गर्म तासीर की होती है। इसलिए, दिन में एक कटोरी पका हुआ पपीता खाना पर्याप्त माना जाता है।

सही मात्रा और समय पर खाया जाए तो पपीता गर्मियों में भी फायदेमंद होता है। यह पाचन सुधारता है, शरीर को पोषण देता है और गर्मी के मौसम में भी आपको हल्का और ऊर्जावान बनाए रखता है।

2022 से 2026 तक संघर्षों की मारः यूक्रेन- गाजा ही नहीं, पूरे पश्चिम एशिया में बढ़ रहा मौत और विस्थापन का आंकड़ा

दुनिया के कई देश संघर्षों के जंजाल में फंसे हैं। हुकूमत की जंग में मानवाधिकारों को दरकिनार किया जा रहा है। मासूमों की जान जा रही है, और दिन-ब-दिन इन आंकड़ों में बढ़ोतरी चिंता का सबब बनी हुई है।

2022 से 2026 के बीच कई देश आपस में उलझे रहे। इसके कुछ आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन, गाजा, लेबनान, ईरान सहित पूरे पश्चिम एशिया में लाखों लोग मारे गए हैं और करोड़ों विस्थापन का सामना कर रहे हैं।

हाल ही में डब्ल्यूएचओ की अधिकारी ने ईरान संघर्ष का एक आंकड़ा पेश किया। ईरान संघर्ष के शुरुआती हफ्तों में ही करीब 3,300 लोग आसमान से बरसते गोलों का शिकार हुए, तो 43 लाख से ज्यादा दर-ब-दर हुए। ये रूह कंपाने वाली सच्चाई विश्व स्वास्थ्य संगठन की ईस्टर्न मेडिटेरेनियन (पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रों) की क्षेत्रीय निदेशक, हनान बाल्खी, ने ईरान संघर्ष के शुरुआती हफ्तों के असर का अवलोकन करते हुए बताई।

बाल्खी ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि लड़ाई ने हाल के दशकों में सबसे 'बड़े संकटों' में से एक को जन्म दिया है, जिसके नतीजे दर्दनाक हैं। 3,300 से ज्यादा लोगों की जान गई है, 30 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए और 4.3 मिलियन (43 लाख) से ज्यादा बेघर हुए हैं। इतना ही नहीं, इस दौरान स्वास्थ्य केंद्रों पर 116 हमले किए गए। इतना ही नहीं, कई औद्योगिक इकाइयों, आपातकालीन सेवाओं और अहम बुनियादी ढांचों को भी निशाने पर लिया गया।

ये तो हाल की बात है। डब्ल्यूएचओ की एक संस्था के अनुसार मानव समाज पर सबसे व्यापक प्रभाव रूस-यूक्रेन संघर्ष का देखा गया है, ये फरवरी 2022 में शुरू हुआ। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) के अनुसार 2022 से 2024 के बीच 11,000 से अधिक लोगों की मौत हुई, जबकि 20,000 से ज्यादा घायल हुए।

यूक्रेन में यूएन ह्यूमन राइट्स मॉनिटरिंग मिशन (एचआरएमएमयू) ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि 2022 के बाद 2025 यूक्रेन में आम लोगों के लिए सबसे खतरनाक साल साबित हुआ था।

एचआरएमएमयू ने स्पष्ट बताया कि 2025 में, यूक्रेन में 2,514 आम लोग मारे गए और 12,142 घायल हुए। 2025 में मारे गए और घायल हुए आम लोगों की कुल संख्या 2024 (2,088 मारे गए; 9,138 घायल) की तुलना में 31 फीसदी ज्यादा थी और 2023 (1,974 मारे गए; 6,651 घायल) की तुलना में 70 फीसदी ज्यादा थी।

2025 में भी वृद्धि दर्ज की गई। 2025 में यूएनएचसीआर के मुताबिक, 2023 तक 60 लाख से अधिक लोग देश छोड़ चुके थे, जबकि लगभग 50 लाख लोग आंतरिक (देश के भीतर) रूप से विस्थापित हुए। इस तरह यह संघर्ष एक करोड़ से अधिक लोगों के विस्थापन का कारण बना है।

मध्य पूर्व में गाजा की तस्वीर कम खौफनाक नहीं! अक्टूबर 2023 से जारी इस युद्ध में 2026 तक 75,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2024 तक गाजा की लगभग 85 से 90 प्रतिशत आबादी, यानी 18 से 19 लाख लोग, अपने घरों से विस्थापित हो चुके थे। इसे आधुनिक समय के सबसे बड़े मानवीय संकटों में गिना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने 1 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच (ओएचसीएचआर की मॉनिटरिंग और सरकारी सोर्स, दूसरी यूएन संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों से मिली जानकारी पर आधारित) की तस्वीर एक रिपोर्ट के जरिए प्रकाशित की।

परमवीर पराक्रमः बदन छलनी, सीने में 'हाई' जोश, पाक फौज के उड़ाए होश

हमारे देश पर कई बार दूसरे देश ने युद्ध थोपने की कोशिश की है। लेकिन, हर युद्ध के अंत की पटकथा भारतीय सैनिकों ने अपने साहस और बलिदान से लिखी है। भारत की इस विजय यात्रा में कई नाम शामिल हैं, इनमें से एक नाम परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का है। वे वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और अद्भुत धैर्य का प्रतीक हैं। 6 दिसंबर 1998 को दुनिया से विदा होने के बाद वे अपने पीछे एक ऐसा इतिहास छोड़ गए, जो सदियों तक पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

5 मई 1937 को हरियाणा के सिसाना गांव में जन्मे होशियार सिंह के भीतर बचपन से ही अनुशासन और दृढ़ स्वभाव था। पिता चौधरी हीरा सिंह किसान और माता मथुरी देवी गृहिणी थीं। 7वीं कक्षा की पढ़ाई के दौरान ही उनकी शादी धन्नो देवी से हो गई। आगे चलकर उनके तीन बेटे हुए। कम उम्र में गृहस्थ जीवन शुरू होने के बावजूद उनके सपनों में देशसेवा प्रमुख थी। जाट कॉलेज रोहतक में सिर्फ एक साल पढ़ने के बाद उन्होंने सेना ज्वाइन कर ली। 30 जून 1963 को 3 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में कमीशन हासिल किया और एनईएफए में पहली पोस्टिंग मिली। 1965 का युद्ध उनके करियर का पहला बड़ा सैन्य अनुभव था, मगर उनकी असली पहचान 1971 के युद्ध में बनी।

दिसंबर 1971 में शकरगढ़ सेक्टर में बसन्तर नदी के पार एक मजबूत ब्रिजहेड बनाना था, जहां दोनों तरफ गहरे माइन्स और ऊपर से पाकिस्तान की भारी मशीनगनों का जाल। इस दुर्गम मिशन की जिम्मेदारी 3 ग्रेनेडियर्स पर थी। उस वक्त मेजर के पद पर कार्यरत होशियार सिंह सी कंपनी के कमांडर थे, जिन्हें जर्पाल के दुर्गम क्षेत्र पर कब्जा करना था। गोलियों की बरसात, तोपों की गड़गड़ाहट और सामने मौत खड़ी थी। लेकिन, मेजर होशियार सिंह नहीं रुके। उनकी कंपनी पर जबरदस्त क्रॉसफायर हुआ, लेकिन उन्होंने आगे बढ़कर हाथापाई तक की लड़ाई में दुश्मन को खदेड़ दिया। इसके बाद, 16 दिसंबर को दुश्मन ने तीन बार काउंटरअटैक किया, जिसमें से दो बार टैंक के साथ। गर मेजर सिंह ने खाई-खाई जाकर सैनिकों को प्रेरित किया, और हर मोर्चे पर लड़ाई को मजबूती से थामे रखा। अगले दिन, यानी 17 दिसंबर को, दुश्मन ने भारी आर्टिलरी और एक पूरे बटालियन के साथ हमला किया। इसी दौरान एक गोला मेजर सिंह के पास फटा और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, इसके बाद भी रणभूमि में उनकी भूमिका खत्म नहीं हुई। पोस्ट पर जब दुश्मन का गोला गिरा और वहां तैनात सैनिक घायल हो गए, तब मेजर होशियार सिंह खुद मशीनगन के गड्ढे में कूद पड़े, खुद मशीनगन संभाली और ऐसा प्रहार किया कि पाकिस्तानी सेना 85 शव और अपने कमांडिंग ऑफिसर को वहीं छोड़कर भाग गई। इसके बावजूद सीजफायर तक वे पीछे नहीं हुए। वे अंतिम सांस तक मोर्चे पर डटे रहे। उनकी इसी अद्भुत वीरता के लिए, उन्हें मिला भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान, परमवीर चक्र।

कसरत के बाद गाय का दूध पीने से हड्डियां होती हैं मजबूत, बढ़ती उम्र में फ्रैक्चर से बचाव संभवः रिपोर्ट

बढ़ती उम्र के साथ एक प्रवृत्ति जो बहुत आम होती है, वो ये कि लोग कसरत को खुद से कोसों दूर कर देते हैं, खाने-पीने में लापरवाही बरतते हैं, और धीरे-धीरे कमजोर होती हड्डियों के कारण लाचार हो जाते हैं। लेकिन एक शोध उन्हें इसमें सुधार करने की हिदायत भी देता है और नसीहत भी। चीनी वैज्ञानिकों ने पाया है कि वर्कआउट के बाद दूध पीने की एक आसान आदत बाद में हड्डियों को बचाने में मदद कर सकती है।

स्टडी से पता चलता है कि कसरत के साथ दूध पीने से बुजुर्गों में जानलेवा फ्रैक्चर का खतरा कम हो सकता है।

ये नतीजे 'जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन, हेल्थ एंड एजिंग' में पब्लिश हुए, जहां शोधार्थियों ने

यह जांच की कि क्या एक्सरसाइज के बाद प्रोटीन लेने से बुजुर्गों की हड्डियों को लाभ हो सकता है।

साइंटिस्ट्स ने पाया कि प्रोटीन हड्डियों की मजबूती में अहम भूमिका निभाता है। यह कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है। एक मिनरल है जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है और बुढ़ापे में गिरने पर फ्रैक्चर का खतरा कम कर सकता है। गाय का दूध और सोया दूध दोनों को प्रोटीन के आसान और असरदार सोर्स के तौर पर पहचाना गया।

स्टडी में 60 साल और उससे ज्यादा के 82 स्वस्थ व्यस्कों को शामिल किया गया। सभी सहभागी ऐसी किसी भी परेशानी से नहीं जूझ रहे थे जो प्रोटीन लेने या हड्डियों के मेटाबॉलिज्म पर असर डाल सकती थीं।

उन्होंने आठ हफ्ते का लगातार व्यायाम किया, जिसमें रेजिस्टेंस और बैलेंस ट्रेनिंग के तीन हफ्ते का सत्र शामिल था।

इसमें भाग लेने वाले लोगों को चार ग्रुप में बांटा गया। इनमें से एक सिर्फ वो थे जो कसरत करते थे, और दो ग्रुप उनके भी थे जो कसरत के बाद या तो गाय का दूध पीते थे या फिर सोया मिल्क लेते थे। गाय के दूध वाले समूह में शामिल लोगों ने वर्कआउट खत्म करने के एक घंटे बाद 240 एमएल लो-फैट दूध पिया। सोया दूध वाले ग्रुप वालों को थोड़ी कम मात्रा में दूध दिया गया ताकि यह पक्का हो सके कि दोनों समूह हर सत्र में लगभग 7 से 8 ग्राम प्रोटीन लें। प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए, दोनों दूध वाले ग्रुप्स ने हर ट्रेनिंग सेशन के बाद 60 ग्राम उबले हुए शकरकंद भी खाए। ऐसा आठ हफ्ते के प्रोग्राम में बदस्तूर जारी रखा गया। आठ हफ्तों के बाद, सबसे ज्यादा असर उन लोगों में देखा गया जिन्होंने कसरत के बाद गाय का दूध पिया था। वो ज्यादा चपल और सक्रिय तो दिखे ही, उनकी हड्डियों की मजबूती भी बढ़ी।

इसी आधार पर नतीजा निकाला गया कि ज्यादा कसरत के साथ दूध पीना, ज्यादा उम्र के लोगों में हड्डियों की कमजोरी को रोकने और फ्रैक्चर के खतरे को कम करने का एक असरदार तरीका हो सकता है।

'चांद मेरा दिल' में दिखेगी अनन्या पांडे और लक्ष्य ललवानी की केमिस्ट्री, मेकर्स ने दिखाई पहली झलक

मुंबई। निर्देशक करण अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता लक्ष्य ललवानी के साथ मिलकर रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'चांद मेरा दिल' जल्द ही लेकर आने वाले हैं। यह फिल्म एक गहरी और इंटेंस लव स्टोरी है, जिसमें प्यार की जटिलताओं को खूबसूरती से पेश किया जाएगा।

सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने पहली झलक शेयर की। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। हर पोस्टर पर फिल्म का मुख्य मैसेज लिखा हुआ है। तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'पेश है एक प्रेम कहानी, जहां जिंदगी प्यार से भी तेज चलती है।

इन पोस्टर्स को देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। फिल्म में

अनन्या और लक्ष्य की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आएगी, जो दर्शकों के लिए नई और ताजा है।

पोस्ट शेयर करने के बाद अनन्या और लक्ष्य के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। शनाया कपूर और महीप कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री रिया दिप्सी ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, 'बधाई हो।

अभिनेता कुणाल ने लिखा, 'स्वीट यारा।

चांद मेरा दिल का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसकी कहानी राहुल नंदा ने लिखी है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का सह-निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला और अपूर्वा मेहता ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अनन्या पांडे को आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में देखा गया था। फिल्म 13 फरवरी को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन थे। हालांकि, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में ज्यादा कमाल नहीं किया था लेकिन कार्तिक अनन्या की ऑन-स्क्रीन जोड़ी ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया था।

यह फिल्म आधुनिक दौर के रिश्तों, प्यार और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच की दुविधा पर आधारित थी।

करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा के घर आने वाला है नन्हा मेहमान

मुंबई। टेलीविजन और सिनेमा की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा जिंदगी के नए पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही मां बनने वाली हैं। सोमवार को करिश्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट की। इसमें उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी खुद कंफर्म की। इस पोस्ट में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में करिश्मा और उनके पति

वरुण बंगेरा कैप पहने हुए नजर आ रहे है, दोनों की कैप पर करिश्मा की कैप पर 'मॉम' और उनके पति की कैप पर 'डैड' लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में दोनों छोटे-से बच्चे का जूता हाथ में लिए मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। ये तस्वीरें देखते ही समझ में आ जाता है कि उनके घर जल्द ही एक नन्हा मेहमान आने वाला है।अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके घर पर नन्हा मेहमान अगस्त में आने वाला है।अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, 'एक छोटा सा चमत्कार, हमारा सबसे बड़ा उपहार अगस्त 2026 ।

पोस्ट शेयर करने के बाद करिश्मा के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेता मनीष पॉल ने कमेंट सेक्शन पर यश लिखने के साथ हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। ताहिरा कश्यप, महीप कपूर, कृतिका कामरा, अनिता हसंनदानी ने मिलकर कमेंट सेक्शन पर 'बधाई हो' लिखा, तो बाकी सेलेब्स ने अभिनेत्री को इमोजी के द्वारा प्रतिक्रिया दी। करिश्मा तन्ना ने 5 फरवरी 2022 को दुबई-आधारित व्यवसायी वरुण बंगेरा से मुंबई में शादी की थी। उनकी शादी एक निजी समारोह में हुई, जिसमें गुजराती और दक्षिण भारतीय परंपराओं का संगम था। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए 'न्यू ईयर ईव' पर एक पार्टी में हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर प्यार। करीब एक साल तक डेटिंग करने के बाद उन्होंने नवंबर 2021 में सगाई कर ली थी।

कम्फर्ट और पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन : सहर बंबा

मुंबई। आर्यन खान के सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लीड रोल निभाने वाली एक्ट्रेस सहर बंबा ने कहा कि वह इंटरनेट पर फैशन और खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वालों के साथ ही ट्रोलर्स का भी बिल्कुल प्रेशर नहीं लेतीं।

एक फैशन इवेंट के एडिशन में शिवानी निरुपम के लिए शो स्टॉपर के रूप में रैंप वॉक करती हुई सहर बंबा नजर आईं, जहां उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने विचार साझा किए। वह फैशन के प्रेशर से कैसे निपटती हैं? इस सवाल के जवाब में सहर ने कहा, 'अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस सेंस या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल करेगा, तो आप खुद पर बेवजह बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह सच्चाई है कि लोग कमेंट करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इंसान को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए। मैं खुद इस बात का बिल्कुल भी प्रेशर नहीं लेती।

ब्रांडेड कपड़ों पर खर्च करने के बारे में पूछे जाने पर सहर बंबा ने बताया, 'मैं बिल्कुल भी ब्रांड कॉन्शस नहीं हूं। जब मुझे कोई चीज पसंद आ जाती है, खासकर छुट्टियों या सफर के दौरान, तो मैं उसे खरीद लेती हूं। जो दिल को अच्छा लगे, वही मेरे लिए फैशन है। मेरी पसंद ऐसी ही है।

अपने फैशन स्टाइल के बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए फैशन का मतलब है कम्फर्ट। वो कपड़े जो मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा हों और जिनमें मुझे बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। फैशन वो नहीं होना चाहिए जिसके लिए आपको रोजाना परेशान होना पड़े।

रैंप वॉक से पहले बैकस्टेज के अनुभव पर बात करते हुए सहर ने कहा कि वह शुरू में बहुत नर्वस थीं। उन्होंने बताया, 'मैं ज्यादातर बैकस्टेज ही रहती हूं, लेकिन जैसे ही रैंप पर कदम रखती हूं और म्यूजिक बजता है, मुझे अच्छा महसूस होने लगता है। इस बार का कलेक्शन बहुत खूबसूरत है। गर्मियों का कलेक्शन होने की वजह से इसमें हल्के और सुंदर रंग हैं। मुझे अपना आउटफिट बहुत पसंद आया।

बीच में खाना छोड़कर भागे थे संजू बाबा, जानें सुनील दत्त की सख्ती का वो अनसुना किस्सा

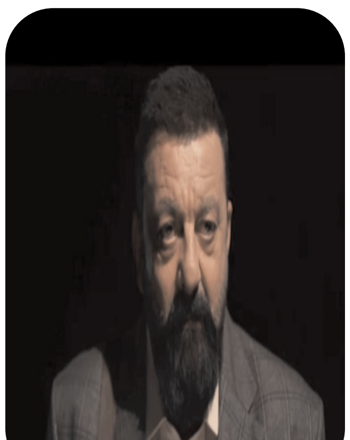

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त अपने दमदार अभिनय को लेकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखते हैं। 'धुरंधर' फिल्म की सफलता के बाद अब संजय दत्त जल्द ही फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आने वाले हैं।

सेलिब्रिटी टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' के एक खास एपिसोड में संजय दत्त ने अपने पिता और मशहूर अभिनेता सुनील दत्त की सख्ती के बारे में दिलचस्प किस्सा सुनाया। संजय ने बताया था कि उनके पिताजी सेट पर बहुत सख्त हुआ करते थे।

संजय ने बताया था, 'पिताजी अगर कुछ कह देते थे, तो कोई भी उनसे यह नहीं पूछ सकता था कि अगर मैं इसे दूसरे तरीके से करूं तो कैसा रहेगा? वे सेट पर पूरी तरह से सख्त थे।

उन्होंने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई एक घटना याद करते हुए बताया था, 'पिताजी ने शॉट पहले से ही तैयार कर लिया था तभी उनके असिस्टेंट मेरे पास आए और बोले, 'जाओ और अपना खाना खा लो।' मैंने उनसे कहा कि अभी तो ब्रेक नहीं हुआ है, लेकिन असिस्टेंट ने कहा, 'नहीं, अब ब्रेक है, जाओ खाना खा लो।

अभिनेता ने बताया कि वे रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे कि अचानक कुछ लोग दौड़ते हुए आए और बोले, 'दत्त साहब बहुत जोर से चिल्ला रहे हैं। अभिनेता संजय दत्त ने बताया था, 'जब मैं दौड़कर सेट पर वापस पहुंचा, तो पिता जी ने मुझे खूब डांटा। वे मुझसे गुस्से में कहते, 'तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? पूरी यूनिट यहां खड़ी है और तुम जाकर खाना खाने चले गए? क्या तुम अभी से स्टार बन गए हो? बाद में सुनील दत्त ने अपने असिस्टेंट से पूछा, 'क्या तुमने संजय से जाकर खाना खाने के लिए कहा था?' लेकिन असिस्टेंट ने साफ मना कर दिया और कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था। अभिनेता जल्द ही फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है, जो नेशनल अवॉर्ड विजेता हैं। फिल्म में संजय दत्त के अलावा अमित साध और समीरा रेड्डी हैं। समीरा इस फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। इसके अलावा फिल्म में नमाशी चक्रवर्ती, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

आदित्य धर ने 'धुरंधर' को एडिट करने वाले शिवकुमार को सराहा, बोले-फिल्म में जान डाल देते हैं

मुंबई। फिल्म डायरेक्टर आदित्य धर अपनी स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज की बॉक्स ऑफिस पर हो रही ताबड़तोड़ कमाई के बीच फिल्म के निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को इसका श्रेय देना नहीं भूल रहे है। आदित्य धर ने सिनेमेटोग्राफर विकास नौलखा की तारीफ करने के बाद अब फिल्म के एक-एक सीन को बखूबी से दिखाने का श्रेय एडिटर शिवकुमार वी. पणिक्कर को दिया है, जिनकी एडिटिंग ने फिल्म के हाई-वोल्टेज एक्शन और दृश्यों को भावनात्मक रूप से जीवंत बनाया।

सोमवार को निर्देशक आदित्य धर ने शिवकुमार वी. पणिक्कर के लिए एक खास पोस्ट किया। इसमें उन्होंने शिव को अपना सबसे करीबी दोस्त और भाई बताया। आदित्य लिखते हैं, 'कुछ रिश्ते सिर्फ एक फिल्म से नहीं बनते, बल्कि ये सालों के भरोसे, समझदारी और एक-दूसरे का साथ देने से बनते हैं।

निर्देशक ने कहा, 'वे सिर्फ एडिटर नहीं, बल्कि सबसे करीबी दोस्त, भाई और भरोसेमंद साथी हैं। उनकी निष्ठा इतनी गहरी है कि कोई भी इंसान भावुक हो जाए। मेरी जरूरत के समय वे हमेशा खड़े रहते हैं और सब कुछ दांव पर लगाने के लिए तैयार भी रहते हैं।

आदित्य धर ने शिव की प्रतिभा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, 'शिव निस्संदेह सबसे तेज और होशियार फिल्म एडिटर में से एक हैं, लेकिन उन्हें खास बनाने वाली बात सिर्फ उनका हुनर नहीं बल्कि फिल्म की कहानी, ताल और भावनाओं को समझने की उनकी गहरी समझ है। वे फिल्म को सिर्फ एडिट नहीं करते, बल्कि उसमें जान डालते हैं।

आदित्य धर ने बताया कि धुरंधर को दो भागों में बांटने का फैसला भले ही उनका था, लेकिन इसे सफल बनाने का पूरा श्रेय शिव कुमार का है। आदित्य ने लिखा, 'शिव ने इस जिम्मेदारी को अपने कंधों पर बहुत खूबसूरती से उठाया और शानदार तरीके से पेश किया। यह उनके लिए असली चमत्कार जैसा था।

आदित्य ने लिखा कि आमतौर पर इतनी बड़ी फिल्म की एडिटिंग करने में अक्सर महीने या साल लग जाते हैं, लेकिन शिव ने इसे सिर्फ कुछ ही दिनों में पूरा कर दिया था। निर्देशक ने लिखा, 'धुरंधर में हमने जो स्केल, गुणवत्ता और समयसीमा हासिल की, वह पहले कभी नहीं हुआ। इसका बड़ा श्रेय शिव को जाता है।

सिनेमाई सितारों के बीच चमके पंजाबी गायक डॉ. सतिंदर सरताज, तस्वीरों के साथ बयां किए जज्बात

मुंबई । हाल ही में प्रतिष्ठित चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म की बेहतरीन फिल्मों को सम्मानित किया गया। फिल्म जगत के कई बड़े सितारे इस शो में शामिल हुए।

मशहूर पंजाबी कवि और गायक डॉ. सतिंदर सरताज भी इस आयोजन में शामिल हुए और इस अवॉर्ड शो का हिस्सा बने। सोमवार को उन्होंने आयोजन की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। पोस्ट में उन्होंने सभी लोगों से मिलने वाले प्यार के लिए आभार जताया। गायक ने लिखा, 'प्यार, कला और साथ का एक खूबसूरत पल। मुंबई और पंजाब में कई रिश्ते हैं और पंजाब उन रिश्तों का दिल है।

इतना स्नेह और प्यार देने के लिए आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद। गायक की पोस्ट सभी को काफी पसंद आ रही है। कमेंट सेक्शन पर हर कोई गायक के कला की जमकर सराहना कर रहे हैं।

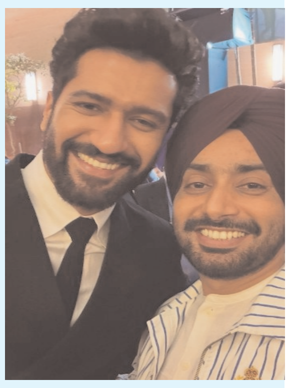

फिल्म धुरंधर ने अपनी रिलीज के साथ कई धुरंधरों को एक अलग पहचान दिलाई। इस लिस्ट में सतिंदर सरताज का नाम शामिल हैं। हालांकि, धुरंधर से पहले भी उनकी गायकी के कई लोग दीवाने थे लेकिन इस फिल्म में उनके गाने ने उन्हें काफी लोकप्रियता दी। सतिंदर सरताज एक प्रसिद्ध पंजाबी सूफी गायक, गीतकार, कवि और अभिनेता हैं, जो अपनी रूहानी गायकी और सादगी के लिए जाने जाते हैं।

भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने पीएम तारिक से की मुलाकात, भारत-बांग्लादेश के आपसी हितों पर हुई चर्चा

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को प्रधानमंत्री तारिक रहमान से शिष्टाचार भेंट की। बांग्लादेश के पीएमओ की तरफ से जारी एक रिलीज में कहा गया कि यह मीटिंग बांग्लादेश सचिवालय में प्रधानमंत्री के दफ्तर में हुई।

दोनों नेताओं ने मुलाकात के दौरान भारत और बांग्लादेश के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कोबीर भी इस दौरान मीटिंग में मौजूद थे।

वहीं बांग्लादेश में भारत के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात को लेकर कहा, 'उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने 6 अप्रैल 2026 को माननीय प्रधानमंत्री तारिक रहमान से शिष्टाचार के साथ मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-बांग्लादेश की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के साथ जुड़े कई क्षेत्रों में लोगों पर केंद्रित सहयोग पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय बातचीत पर चर्चा की।

भारतीय दूतावास ने आगे कहा, 'उच्चायुक्त ने आपसी हित और आपसी फायदे के आधार पर एक सकारात्मक, रचनात्मक और आगे की सोच वाला नजरिया अपनाकर बांग्लादेश सरकार और लोगों के साथ मिलकर काम करने के भारत के इरादे से अवगत कराया।

इससे पहले ईद के मौके पर उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने पीएम तारिक रहमान से मुलाकात की थी। बाद में बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग ने जानकारी देते हुए एक्स पर कहा, 'उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने ढाका में प्रधानमंत्री महामहिम तारिक रहमान के साथ गर्मजोशी से ईद की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

वहीं, बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार ने बताया कि भारत ने द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक और निवेश संबंधों को बढ़ाने के लिए बांग्लादेश की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है। दरअसल, इससे पहले मार्च की शुरुआत में बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने ढाका में वाणिज्य मंत्री खंडाकर अब्दुल मुक्तदिर के साथ मुलाकात की। इस दौरान भारतीय हाई कमीश्नर ने दोनों देशों की सरकारों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक और निवेश संबंधों समेत अन्य क्षेत्रों में साथ काम करने का जिक्र किया।

ट्रंप की धमकी से होर्मुज स्ट्रेट पर बढ़ा संकट, तेल कीमतों में आया उछाल

वाशिंगटन। ईरान के साथ-साथ होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार और आपूर्ति श्रृंखलाएं दबाव में आ रही हैं। तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्गों में से एक पर व्यवधान की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

सीएनएन के अनुसार, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा न खोलने पर ईरानी ऊर्जा केंद्रों पर हमले की धमकी के बाद रविवार को तेल की कीमतों में तेजी आई।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ब्रेंट क्रूड 1.4 प्रतिशत बढ़कर 110.60 डॉलर हो गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 1.8 प्रतिशत बढ़कर 113.60 डॉलर हो गया है।

ईरान और ओमान के बीच स्थित संकरा जलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां किसी भी प्रकार की व्यवधान का बाजारों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है।

वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हर साल इस स्ट्रेट से होकर गुजरता है, जिससे यह दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील चोकपॉइंट्स में से एक बन गया है।

मौजूदा गतिरोध ने पहले ही जहाजरानी प्रवाह को बाधित करना शुरू कर दिया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा, 'ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के आवागमन में बाधा डालने से टैंकरों का आवागमन 90 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है और अब यह वैश्विक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बन गया है। इसका प्रभाव केवल ऊर्जा बाजारों तक ही सीमित नहीं है। समुद्री व्यापार में व्यवधान से खाद्य और उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

बहरीन के मंत्री ने कहा कि संकट जहाजों को होने वाले शुरुआती खतरों से कहीं आगे बढ़ गया है और अब वैश्विक स्थिरता के लिए एक व्यापक खतरा पैदा कर रहा है। इसके परिणाम अब केवल ऊर्जा बाजारों तक ही सीमित नहीं हैं। बाजार में अस्थिरता ईंधन की कीमतों में पहले से ही दिखाई दे रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका में संघर्ष से जुड़ी कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण गैसोलीन की कीमतों में उछाल आया है।

एयू की चेतावनी : मध्य-पूर्व का संघर्ष अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए 'गंभीर खतरा'

नई दिल्ली। अफ्रीकी संघ (एयू) और उसके साझेदारों ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक संयुक्त रिपोर्ट में एयू, संयुक्त राष्ट्र के अफ्रीका आर्थिक आयोग, अफ्रीकी विकास बैंक और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने कहा कि अगर यह संघर्ष लंबा चलता है और जहाजों के रास्तों, ऊर्जा और खाद (फर्टिलाइजर) की सप्लाई में जितनी ज्यादा बाधा आती है, उतना ही अफ्रीका की आर्थिक वृद्धि पर इसका गंभीर असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, अफ्रीका के कई देश अभी भी कोविड से पहले वाली विकास दर तक नहीं पहुंच पाए हैं। अगर यह संघर्ष छह महीने से ज्यादा चलता है, तो साल 2026 में अफ्रीका की जीडीपी वृद्धि दर में 0.2 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है।

संस्थाओं ने कहा कि यह संघर्ष पहले ही व्यापार पर असर डाल चुका है और अब यह महंगाई का संकट भी बन सकता है, क्योंकि ईंधन और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, जहाजों का किराया, बीमा खर्च, मुद्रा पर दबाव और सख्त राजकोषीय स्थितियां जैसे कारण स्थिति को और खराब कर सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और कमजोर परिवारों पर पड़ेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि अफ्रीका के कुल आयात का 15.8 प्रतिशत और निर्यात का 10.9 प्रतिशत हिस्सा मध्य पूर्व से जुड़ा है। इससे साफ है कि वहां की स्थिति का अफ्रीका पर सीधा असर पड़ता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कुछ देशों के लिए तेल से ज्यादा बड़ा असर खाद की कमी का हो सकता है। अगर खाड़ी देशों से प्राकृतिक गैस की सप्लाई प्रभावित होती है, तो अमोनिया और यूरिया का उत्पादन घटेगा, जिससे खेती के अहम मौसम (मार्च से मई) में खाद महंगी हो जाएगी।

इसका सीधा असर खाने की कीमतों पर पड़ेगा और गरीब परिवारों के लिए भोजन जुटाना और मुश्किल हो जाएगा। इससे अफ्रीका में खाद्य सुरक्षा पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चिंता जताई गई कि इस संघर्ष का असर राजनीति और सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। अगर यह संघर्ष बढ़ता है, तो अफ्रीका में बाहरी देशों के प्रभाव की होड़ तेज हो सकती है। सूडान, सोमालिया और लीबिया जैसे देशों में पहले से ही ऐसे संकेत दिख रहे हैं।

यूएई में ईरानी हमले में तीन पाकिस्तानी नागरिक घायल, पीएम शहबाज ने जताई चिंता

इस्लामाबाद । संयुक्त अरब अमीरात के खोर फक्कन पोर्ट पर ईरान ने हमला किया। एक मिसाइल इंटरसेप्शन में तीन पाकिस्तानी नागरिक घायल हो गए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को यूएई में हुई इस घटना पर चिंता जताई।

बता दें, अमेरिका और इजरायल की तरफ से हमला किए जाने के बाद ईरान ने गल्फ देशों में यूएस-इजरायली संपत्तियों और बेसों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, 'यूएई के खोर फक्कन पोर्ट पर हुई घटना से बहुत चिंतित हूं, जहां एक इंटरसेप्टेड प्रोजेक्टाइल से पाकिस्तानी नागरिकों सहित आम लोगों को चोटें आईं।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की और कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को हर मुमकिन मदद देने के लिए यूएई अधिकारियों के साथ करीबी संपर्क में है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'पाकिस्तान यूएई के भाईचारे वाले लोगों के साथ समर्थन में खड़ा है और इस क्षेत्र में संयम और तनाव कम करने की तुरंत जरूरत को दोहराता है।

फक्कन पोर्ट पर हुई इस घटना के बारे में संयुक्त अरब अमीरात की शारजाह मीडिया ने एक्स पर बताया कि खोर फक्कन पोर्ट पर 5 अप्रैल को हुई घटना के बाद अब की स्थिति को लेकर अधिकारियों ने आग लगने की पुष्टि की। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने तुरंत हालात पर काबू पाने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के बाद कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है।

यूएई की मीडिया ने बताया कि ईरान की तरफ से किए गए इस हमले में नेपाल का एक व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गया। व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा तीन पाकिस्तानी नागरिकों को हल्की-फुल्की चोटें आईं। इसके साथ ही शारजाह सिटी के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सिर्फ आधिकारिक सोर्स से ही जानकारी लें और अफवाहें या बिना सत्यापित जानकारी फैलाने से बचें।

रॉयटर्स के अनुसार, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान ने एक योजना तैयार की है। रायटर्स ने अपने सूत्रों के हवाले से दावा किया

'सिलिकॉन वैली में काम कर रहे हैं यहां के इंजीनियर', अमेरिकी सांसद ने ईरानी यूनिवर्सिटी हमले पर उठाया सवाल

वाशिंगटन। ईरान पर सैन्य कार्रवाई का विरोध अमेरिका के सांसद करने लगे हैं। स्कूली बच्चों से लेकर विश्वविद्यालयों को निशाना बनाने पर लोग जितना दुखी हैं उतना ही नाराज भी। इन्हीं में से एक डेमोक्रेट सांसद यासमिन अंसारी हैं। अंसारी ने सोमवार तड़के शरीफ यूनिवर्सिटी पर किए हमले की निंदा की है।

सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने पूछा है कि आखिर ईरान की शरीफ यूनिवर्सिटी को निशाना क्यों बनाया गया? उन्होंने इस विश्वविद्यालय की खासियत भी बताई है।

एक्स पर एक छोटी वीडियो क्लिप साझा करते हुए एरिजोना की कांग्रेस सदस्य यासमिन ने लिखा, 'शरीफ यूनिवर्सिटी ईरान की एमआईटी जैसी है और यहां से पढ़े कई इंजीनियर सिलिकॉन वैली में बड़ी टेक कंपनियां खड़ी कर चुके हैं।

ईरानी मूल की अंसारी ने सवाल पूछा, 'इतने बड़े शहर में एक शिक्षा संस्थान को निशाना क्यों बनाया गया?

इससे पहले ईरानी मीडिया ने दावा किया था कि शरीफ यूनिवर्सिटी परिसर को अमेरिका-इजरायली हमले में काफी नुकसान पहुंचा है।

अंसारी के पिता 1970 के दशक में ईरान छोड़कर अमेरिका चले आए थे। यहीं से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। वहीं उनकी मां भी 1981 में 17 साल की थीं जब अमेरिका चली आई थीं।

तेहरान स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ईरान के शीर्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक मानी जाती है। सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के अनुसार सोमवार तड़के यूनिवर्सिटी पर बम बरसाए गए, जिससे इसको काफी नुकसान पहुंचा है।

1966 में (आर्यमेहर यूनिवर्सिटी के रूप में) स्थापित, शरीफ ईरान के वैज्ञानिक और शैक्षणिक जीवन का एक स्तंभ रहा है।

बताया जा रहा है कि इस हमले से विश्वविद्यालयों की इमारतों और एक नेचुरल गैस डिस्ट्रिब्यूशन साइट को नुकसान पहुंचा, जिससे आस-पास के इलाकों में गैस की सप्लाई बाधित हो गई। आईआरआईबी ने तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 9 प्रमुख के हवाले से बताया, 'इस हमले में यूनिवर्सिटी का गैस स्टेशन निशाना बना और शरीफ इलाके में हमें कुछ समय के लिए गैस की किल्लत का सामना करना पड़ा।

ईरानी मीडिया ने बताया कि पूरी रात कई धमाके हुए और घंटों तक बीच-बीच में कम ऊंचाई पर उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज सुनाई देती रहीं। फिलहाल यूनिवर्सिटी कैंपस में कोई छात्र मौजूद नहीं है, क्योंकि संघर्ष के चलते पूरे देश में पढ़ाई ऑनलाइन हो रही है।

पाकिस्तानः पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों और महंगाई के खिलाफ सिंध में 'कफन' पहन कर प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पेट्रोलियम की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी और बढ़ती महंगाई के खिलाफ पाकिस्तानी अवाम सड़क पर उतर आई है। कराची, जैकबाबाद, हैदराबाद, सुक्कुर और सिंध प्रांत के अलग-अलग हिस्सों में लोगों ने प्रदर्शन किया और रैलियां निकालीं।

सुक्कुर में सिंध यूनाइटेड पार्टी (एसयूपी) ने रविवार को स्थानीय प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के जाने-माने अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कफन पहनकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया और भूख हड़ताल पर बैठे।

इस दौरान एसयूपी के नेता ईदन जगिरानी ने पेट्रोल कीमत में बढ़ोतरी की आलोचना करते हुए कहा कि 'महंगाई का जिन्न' बाहर आ गया है, जिससे मजदूर वर्ग के लिए जरूरी खाने का सामान खरीदना भी मुश्किल हो गया है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं ने भी प्रेस क्लब में ही प्रदर्शन किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता गौहर खान खोसो ने कहा कि पेट्रोल की कीमत 378 प्रति पीकेआर (पाकिस्तानी रुपए) लीटर कर दी गई है और चेतावनी दी कि अगर सरकार ने तुरंत राहत नहीं दी और गैर-जरूरी टैक्स खत्म नहीं किए तो प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।

वहीं, 'अवामी तहरीक' ने सुक्कुर में तीर चौक से घंटा घर तक एक रैली निकाली, जिसके बाद धरना दिया गया।

पार्टी के नेता अहमद कटियार और वकील सरवन जटोई ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह पेट्रोल की कीमत 378 पीकेआर और डीजल की कीमत 520 पीकेआर प्रति लीटर करने के लिए पश्चिम एशिया विवाद का बहाना बना रही है। पार्टी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह की आलोचना करते हुए सब्सिडी घोषणाओं को 'दिखावटी उपाय' बताया।

इसी तरह, नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन पाकिस्तान (एनटीयूएफ) और होम-बेस्ड विमेन वर्कर्स फेडरेशन (एचबीडब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ने कराची में मिलकर प्रदर्शन किया, जिसमें मजदूरों और अलग-अलग राजनीतिक और मानवाधिकार संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। हिस्सा लेने वालों ने पेट्रोलियम लेवी खत्म करने और मौजूदा महंगाई के हिसाब से बढ़ोतरी की मांग वाले प्लेकार्ड ले रखे थे। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, नासिर मंसूर और जहरा खान समेत लेबर नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक के आर्थिक ढांचों को खारिज कर दिया और सरकार से विदेशी कर्ज की अदायगी टालने और अधिकारियों के लिए मुफ्त ईंधन का हक वापस लेने की अपील की।

आम इंसान तहरीक ने यह दिखाने के लिए एक साइकिल रैली निकाली कि जैकबाबाद में मोटर वाले ट्रांसपोर्ट तक पहुंचने में लोगों को कैसे दिक्कतें आ रही हैं। सैयद अली शाह और अल्ताफ मिरानी समेत आंदोलन के नेताओं ने कहा कि अधिकारियों ने 'गरीबों के मुंह से निवाला छीन लिया है।' उन्होंने सरकार से लोगों पर बोझ डालने के बजाय अपने 'शाही' खर्चों और सरकारी प्रोटोकॉल को कम करने की अपील की।

ईरान में दुर्घटनाग्रस्त विमान के पायलट को बचाने के अमेरिकी अभियान में शामिल था उच्च जोखिम

वॉशिंगटन। कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अमेरिकी बलों ने ईरान के भीतर गिराए गए एक अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए एक उच्च जोखिम वाला अभियान चलाया। इसमें एक जटिल सैन्य ऑपरेशन का इस्तेमाल किया गया, ताकि उसे शत्रुतापूर्ण क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

यह मिशन ईरान के ऊपर एक अमेरिकी एफ-15ई फाइटर जेट के गिराए जाने के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक क्रू सदस्य लगभग दो दिनों तक फंसा रहा जबकि ईरानी सुरक्षा बल उसकी तलाश कर रहे थे।

मीडिया रिपोर्टपोलिटिको के अनुसार, अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने धोखे की रणनीति के तहत झूठी जानकारी फैलाई कि पायलट को पहले ही ढूंढ लिया गया है और उसे देश से बाहर ले जाया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'सीआईए ने ईरान के भीतर यह खबर फैलाई कि अमेरिकी बलों ने पायलट को ढूंढ लिया है और उसे जमीन के रास्ते देश से बाहर निकाला जा रहा है।'

पोलिटिको ने कहा, 'इस चाल ने इस रणनीति का उद्देश्य ईरानी खोज टीमों को भ्रमित करना और अमेरिकी बलों को लापता पायलट की सटीक लोकेशन का पता लगाने का समय देना था। सीआईए को गिराए गए विमान के पायलट का पता लगाने और उसकी सटीक लोकेशन को चुपचाप व्हाइट हाउस और पेंटागन तक पहुंचाने के लिए समय दिया।

जमीन पर पायलट ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में गिरफ्तारी से बचते हुए जीवित रहने की कोशिश की। सीएनएन के अनुसार, वह पहाड़ी इलाकों में अकेले छिपा रहा, ऊंचाई पर चढ़ता रहा और ईरानी गश्ती दलों से बचते हुए एक दरार (क्रेविस) में शरण ली। उसके पास सीमित उपकरण थे, जिनमें एक पिस्तौल, संचार उपकरण और एक ट्रैकिंग बीकन शामिल था। एक दिन से अधिक समय तक वह अमेरिकी बलों की पहुंच से बाहर रहा जबकि वे उसे खोजने की कोशिश कर रहे थे।

अमेरिकी सेना ने एक बड़े स्तर का सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें स्पेशल ऑपरेशंस सैनिक, निगरानी विमान और हवाई समर्थन शामिल थे। सीएनएन के अनुसार, इस मिशन में आर्मी डेल्टा फोर्स और नेवी सील टीम सिक्स जैसी एलीट यूनिट्स भी शामिल थीं। विमान के पायलट को पहले ही बचा लिया गया था लेकिन दूसरा क्रू सदस्य लापता रहा, जिससे खोज अभियान और तेज कर दिया गया।

हाई-एंड ड्रग इनोवेशन में अभी भी निर्भरता, नवाचार पर फोकस करना होगाः रक्षामंत्री

नई दिल्ली। भारत दुनिया का एक बड़ा मेडिसिन सप्लायर जरूर है लेकिन हाई-एंड ड्रग इनोवेशन और ओरिजिनल रिसर्च के क्षेत्र में, अभी भी दूसरो पर निर्भरता दिखाई देती है। यह बात सोमवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही।

उन्होंने कहा, 'इसलिए यह समय है, कि हम जेनरिक प्रोडक्शन से आगे बढ़कर, इनोवेशन पर केंद्रित फार्मास्युटिकल इकोसिस्टम की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें। रक्षामंत्री सोमवार को आरआर हॉस्पिटल नई दिल्ली में आर्मी मेडिकल कॉर्प्स रेजिंग डे के अवसर पर बोल रहे थे। रक्षामंत्री ने कहा कि जब भी इस दौर में हम सुरक्षा की बात करते हैं, तो उसमें केवल सीमाओं की रक्षा शामिल नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अगर हम ऑपरेशन सिंदूर जैसे बड़े ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं, तो उसके पीछे स्वास्थ्य सुरक्षा की एक बड़ी भूमिका होती है।

रक्षामंत्री ने कहा कि हमें नई दवाओं की खोज, क्लीनिकल रिसर्च को मजबूत करने और ग्लोबल क्वालिटी स्टैंडर्ड को अपनाने पर भी ध्यान देना होगा। एमएसएमई और स्टार्टअप को फार्मा इनोवेशन में जोड़ना, बेहतर टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना और कुशल मैनपॉवर तैयार करना भी जरूरी है। इससे न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी बल्कि भारत वैश्विक स्तर पर इन क्षेत्रों में एक लीडर के रूप में भी उभरेगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तो डिफेंस और हेल्थकेयर, दोनों क्षेत्रों में भी हमें उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा, 'आज हम सब देख रहें हैं कि ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर है, ऐसे में हेल्थकेयर में एआई आधारित सिम्युलेटर ट्रेनिंग को अपनाना, समय की आवश्यकता बन चुका है। सेना के आर आर हॉस्पिटल ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। यही विजन, आर आर हॉस्पिटल एक अस्पताल से कहीं अधिक, एक भरोसे का प्रतीक बनाता है।

गौरतलब है कि सोमवार सेना के इस बेस हॉस्पिटल के नए, मॉडर्न और स्टेट ऑफ द आर्ट मेडिकल फेसिलिटी का भी निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है।

म्यांमार के आतंकी गुटों को ट्रेनिंग देने वाले 7 विदेशी को 30 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट की एनआईए कोर्ट ने म्यांमार में आतंकी प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार 7 विदेशी नागरिकों को 30 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। 6 दिनों की एनआईए कस्टडी पूरी होने के बाद सोमवार को इन आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां यह फैसला सुनाया गया।

गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों में 6 यूक्रेन के नागरिक और 1 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। इन सभी को अब जेल भेज दिया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच सभी को अदालत ले जाया गया और फिर कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक, ये सभी आरोपी टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। इसके बाद ये लोग मिजोरम पहुंचे और वहां से गैरकानूनी तरीके से म्यांमार में प्रवेश कर गए। एनआईए के अनुसार, इन आरोपियों के म्यांमार के एथनिक ग्रुप्स से संपर्क थे और वहां इन्होंने आतंकी गुटों को हथियार चलाने और ड्रोन ऑपरेट करने की ट्रेनिंग दी। जांच में यह भी सामने आया है कि इन लोगों ने यूरोप से ड्रोन मंगवाए थे, जिनका इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया गया।

बताया जा रहा है कि म्यांमार से भारत लौटने के बाद जांच एजेंसी एनआईए ने अलग-अलग स्थानों से इन्हें गिरफ्तार किया। अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन यूक्रेनी नागरिकों को दिल्ली और अन्य तीन को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किए गए यूक्रेनी नागरिकों की पहचान हर्बा पेट्रो, स्लिवियाक टारस, इवान सुकमनोवस्की, स्टीफन मारियन, होंचारुक मकसीम और कामिनिस्की विक्टर के रूप में हुई है। फिलहाल इस मामले में एनआईए जांच जारी है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन आरोपियों के नेटवर्क और उनके संपर्क किन-किन देशों और संगठनों तक फैले हुए हैं।

संक्षिप्त खबर

तमिलनाडु में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू, परिणाम 20 मई को घोषित होंगे

चेन्नई। तमिलनाडु में कक्षा 10 (एसएसएलसी) सार्वजनिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सोमवार से शुरू हो गया है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि परिणाम 20 मई को घोषित किए जाने की संभावना है।

तमिलनाडु राज्य बोर्ड के पाठ्यक्रम के तहत आयोजित कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 11 मार्च से शुरू हुई थीं, जिनमें कुल 8,96,550 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इसमें 8,82,806 नियमित स्कूल के छात्र और 13,744 निजी अभ्यर्थी शामिल थे, जो पूरे राज्य में बड़ी भागीदारी को दर्शाता है।

सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित कई मूल्यांकन केंद्रों पर शुरू कर दी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी एक परिपत्र में निर्देश दिया गया है कि वे प्रत्येक जिले में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर मूल्यांकन केंद्रों का आवंटन करें ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया सुचारु और प्रभावी ढंग से चल सके।

अधिकारियों ने मूल्यांकन कार्य को बिना किसी देरी के पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसके लिए सभी योग्य और पात्र शिक्षकों को सक्रिय रूप से इस प्रक्रिया में भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग ने सटीकता और एकरूपता बनाए रखने के लिए विषय-विशेष दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, तमिल माध्यम की कक्षाएं पढ़ाने वाले शिक्षक केवल तमिल भाषा की उत्तर पुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन करेंगे जबकि अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक केवल अंग्रेजी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। इस कदम का उद्देश्य विषय विशेषज्ञता बनाए रखना और पूरे राज्य में निष्पक्ष व समान मूल्यांकन सुनिश्चित करना है।

अधिकारियों ने बताया कि व्यवस्थित योजना और समयसीमा का सख्ती से पालन किया जा रहा है, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया में कोई लंबित कार्य न रहे। विभाग सभी केंद्रों पर प्रगति की लगातार निगरानी कर रहा है, जिससे तय समय के भीतर काम पूरा किया जा सके। मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, सरकारी परीक्षा निदेशालय 20 मई को परिणाम घोषित करने की तैयारी कर रहा है। तमिलनाडु राज्य में छात्र और अभिभावक परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि यह शैक्षणिक प्रगति और भविष्य के शैक्षिक अवसरों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा विभाग ने मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है ।

सारंडा के जंगल में नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ जवान घायल, एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया

चाईबासा/रांची। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में मेंसारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ जारी 'एंटी-नक्सल' ऑपरेशन के दौरान सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

जवान को तत्काल मौके से रेस्क्यू कर बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बल चाईबासा के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के विरुद्ध सघन तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान जंगल के रास्ते में नक्सलियों द्वारा पहले से प्लांट किए गए प्रेशर आईईडी पर जवान का पैर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इस विस्फोट की चपेट में आने से जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

घटना के तुरंत बाद आला अधिकारियों को सूचित किया गया और हेलीकॉप्टर के जरिए घायल जवान को रांची के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। सुरक्षाबलों के अनुसार, सारंडा में पुलिस और नक्सलियों के बीच निर्णायक लड़ाई चल रही है। जनवरी महीने में एक साथ 17 नक्सलियों के मारे जाने के बाद बौखलाए नक्सलियों ने अब जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए जंगल के रास्तों और पगडंडियों पर भारी तादाद में विस्फोटक बिछा दिया है।

फरवरी और मार्च के महीने में ही सारंडा में तीन भीषण ब्लास्ट हो चुके हैं, जिसमें एक ग्रामीण की मौत हुई है और कोबरा बटालियन के दो जवान घायल हुए हैं। 1 मार्च को भी इसी क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट हुआ था, जिसमें कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

ताजा घटना के बाद चाईबासा और आसपास के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षाबलों ने सारंडा के जंगलों में अपनी गश्त और सर्च ऑपरेशन को और अधिक तेज कर दिया है, ताकि छिपे हुए अन्य विस्फोटकों को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके और नक्सली गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर वाले फर्जी पत्र के जरिए 4 लाख फिरौती मांगने वाले दो ठग गिरफ्तार

मुंबई । मुंबई पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्ताक्षर वाले फर्जी पत्र का इस्तेमाल करके 4 लाख फिरौती मांगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों को एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टारगेट मीडिया से जुड़े तौसीफ हुसैन इस्माइल पटेल (44) और सिद्धिनाथ दीनानाथ पांडे उर्फ ??सुनील (43) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी शास्त्री नगर, गोरेगांव (पश्चिम) के निवासी हैं।

शिकायत के अनुसार, पीड़िता 'मेगा श्रेया' नामक एक गैर सरकारी संगठन चलाती हैं, जो 2020 से वंचित बच्चों, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों के लिए सामाजिक कार्य कर रहा है। शिकायतकर्ता की मुलाकात तौसीफ पटेल और उसके सहयोगी फरनाज वाडिया से 2022 में एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान हुई। दोनों ने खुद को पत्रकार बताया और व्हाट्सएप के जरिए शिकायतकर्ता के सामाजिक कार्यों के बारे में जानकारी साझा करते हुए संपर्क में रहे। 18 मार्च को पटेल ने कथित तौर पर व्हाट्सएप पर एक वॉयस नोट भेजा, जिसमें पैसे के बदले प्रधानमंत्री कार्यालय से जन्मदिन की बधाई का पत्र भेजने की पेशकश की गई थी। शिकायतकर्ता ने शुरू में इस दावे को फर्जी बताकर खारिज कर दिया। हालांकि, आरोपियों ने पत्र को असली बताते हुए 4 लाख रुपये जनसंपर्क शुल्क की मांग की।

इसके बाद, 28 मार्च को फरनाज वाडिया ने प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर वाला एक पत्र की डिजिटल प्रति भेजी, जो शिकायतकर्ता को संबोधित था और उसके सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करता था। शिकायतकर्ता ने शुरू में पत्र को सोशल मीडिया पर साझा किया, लेकिन सहकर्मियों द्वारा इसकी प्रामाणिकता पर संदेह जताए जाने के बाद इसे हटा दिया। आरोपी ने कथित तौर पर अपनी मांगों को तेज कर दिया और फर्जी संदेश को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए शिकायतकर्ता के नाम से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई।

शिकायतकर्ता ने आरोपियों को वर्ली के एक कैफे में बुलाया। यहां आरोपियों ने दावा किया कि प्रधानमंत्री कार्यालय में उनके संपर्क हैं और उन्होंने एक 'असली' पत्र के बदले में 4 लाख रुपये की मांग दोहराई। लगातार दबाव और धमकियों के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क किया। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ ने वर्ली सी फेस स्थित एक होटल में जाल बिछाया, जहां आरोपियों को शिकायतकर्ता से पैसे लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से प्रधानमंत्री द्वारा कथित तौर पर हस्ताक्षरित एक फर्जी जन्मदिन का बधाई पत्र, खिलौने वाले नोटों के बंडल, दो असली 500 रुपये के नोट और अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए।

इसके बाद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और आईटी अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले में एफआईआर वर्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी और बाद में जांच के लिए जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ को स्थानांतरित कर दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तकनीकी जांच की और वर्ली इलाके में जाल बिछाया, जहां आरोपियों को रंगे हाथों जबरन वसूली की रकम लेते हुए पकड़ा गया।

महाराष्ट्र के 41 लोग सऊदी अरब में फंसे, सुप्रिया सुले ने की तुरंत वापसी की अपील

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सऊदी अरब में फंसे हुए 41 भारतीय नागरिकों को भारत लौटाने की अपील की है।

सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ये सभी लोग महाराष्ट्र के भोकरदन जिले से हैं और वर्तमान में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में फंसे हुए हैं। उनका कहना है कि रियाद से मुंबई लौटने वाली उनकी अकासा एयर की उड़ान अचानक रद्द कर दी गई थी, जिससे वे यात्रा नहीं कर पा रहे हैं। सुले ने प्रभावित यात्रियों की सूची भी साझा की है, जिसमें आफरीन बेगम शेख निसार शेख, शेख तालेब शेख रउफ, सिकंदर खान उस्मान खान, हसीना बेगम सिकंदर खान, शेख अनवर शेख गफ्फार, अमजद सिकंदर खान, आसमा अनवर शेख, सुरेय्या बी सिकंदर खान पठान, सीमा बेगम सिकंदर खान पठान, सिकंदर मुन्नवर खान, शेख उजैर शेख अनवर, मैमुनाबी हाकिम शेख, जमीला बेगम वसीम अहमद कास्मी, रफ़ीक सईद क़ादरी, सुमैय्या रफ़ीक क़ादरी, कादिर गाज़ी बेग, वाहेदाबी कादिर बेग, रफीक माजिद शेख, शकीलाबाई रफीक शेख शामिल है। वहीं गौरीबी मुक्तार शेख, शेख बशीर शेख नासिर, शेख अनीसा शेख बशीर, एमआर जफर शेख बशीर, सुल्ताना शेख जफर, शेख अंसार शेख निसार, यूनुस शेख यूसुफ, शेख अब्दुल रऊफ मोहम्मद यूसुफ, कुर्शीदबी युसुफ शेख, शकीलाबी यूनुस शेख, रजियाबी शेख अब्दुल रऊफ, नईमा सईद अहमद क़ादरी, मुनीरा बेगम गुलामनबी शेख, शेख सुल्तान शेख उस्मान, सोहेल क्वासमी, आफरीन सोहेल क्वासमी, एमएसटीआर जकवान सोहेल क्वास्मी, एमएसटीआर मुआज सोहेल क्वास्मी और मिस आयशा सोहेल क्वास्मी शामिल हैं।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि इस समय यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाजनक वापसी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसके लिए सुप्रिया सुले ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, सऊदी अरब में भारत के दूतावास और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि प्रभावित नागरिकों को जल्द से जल्द भारत लाने की प्रक्रिया शुरू की जाए और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। सुप्रिया सुले ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला सिर्फ एक यात्रा रद्द होने का नहीं है बल्कि कई लोगों की सुरक्षित वापसी का मामला है।

आज का पंचांग : बैशाख कृष्ण की पंचमी तिथि पर अभिजित व विजय मुहूर्त, जानें शुभ-अशुभ समय

नई दिल्ली। सनातन धर्म में पंचांग के पांच अंगों - तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार का विशेष महत्व है। इनके आधार पर ही दिन की शुरुआत और शुभ-अशुभ समय का निर्धारण किया जाता है। 7 अप्रैल मंगलवार को वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि है।

पंचमी तिथि मंगलवार की दोपहर 4 बजकर 34 मिनट तक चलेगी। इसके बाद षष्ठी तिथि शुरू हो जाएगी। वहीं, उदयातिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि हो) के अनुसार, पूरे दिन पंचमी तिथि का ही मान होगा।

दृक पंचांग के अनुसार, मंगलवार को ज्येष्ठा नक्षत्र सुबह 5 बजकर 54 मिनट तक रहेगा, फिर मूल नक्षत्र लगेगा। योग व्यतीपात दोपहर 4 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। सूर्योदय 6 बजकर 5 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 6 बजकर 42 मिनट पर होगा। चंद्रोदय रात 11 बजकर 50 मिनट पर और चंद्रास्त अगले दिन सुबह 8 बजकर 56 मिनट पर होगा।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पंचांग में दिए शुभ-अशुभ समय को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण कार्य जैसे पूजा-पाठ, नया काम शुरू करना या यात्रा की योजना बनानी चाहिए। शुभ मुहूर्त में किए गए कार्य फलदायी होते हैं। वहीं, अशुभ समय में किए कार्य निष्फल माने जाते हैं। शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 34 मिनट से 5 बजकर 19 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। मंगलवार को विजय मुहूर्त का भी संयोग बन रहा है, जो दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। वहीं, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 41 मिनट से 7 बजकर 4 मिनट तक और अमृत काल शाम 8 बजकर 1 मिनट से 9 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। 7 अप्रैल के अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल दोपहर 3 बजकर 33 मिनट से 5 बजकर 8 मिनट तक रहेगा।

भाजपा का सफर त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है : नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं और पार्टी कार्यकर्ताओं से 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराने और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को एकजुट करने का आग्रह किया।

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में जनता पार्टी से अलग होने के बाद हुई थी। इसकी जड़ें इसकी पूर्ववर्ती पार्टी, भारतीय जनसंघ में थीं, जिसकी स्थापना 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। तब से, यह भारत की प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों में से एक बन गई है, जिसका मुख्य जोर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास पर है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, मैं दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी का 'अंत्योदय' (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) का चिर-प्रतीक्षित दृष्टिकोण साकार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'यह यात्रा जनसंघ के दौर से लेकर आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक का सफर अनगिनत कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है। 'अंत्योदय' का वह सपना जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने संजोया था और जिसके साथ हम इस राह पर निकले थे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में जमीन पर साकार हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'इस स्थापना दिवस पर आइए हम 'राष्ट्र सर्वोपरि' के अपने संकल्प को दोहराएं और अपने प्रयासों को एकजुट करते हुए, अपनी पूरी ऊर्जा 'विकसित भारत' के निर्माण में समर्पित करें।

इससे पहले दिन में, पाएम मोदी ने भी पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जनसेवा के प्रति लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता और 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर जोर दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'पार्टी के स्थापना दिवस पर पूरे देश में भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

आर्टेमिस II मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने हैनसेन ओरियन कैप्सूल की खिड़की से देखा चांद, बताया अपना अनुभव

वांशिंगटन। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और जेरेमी हैनसेन ओरियन कैप्सूल से आर्टेमिस-II मून मिशन पर गए हुए हैं। नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने स्थानीय समयानुसार रविवार को अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्होंने हैनसेन ओरियन कैप्सूल की खिड़की से चंद्रमा को देखा।

अमेरिकी मीडिया एनबीसी के साथ बातचीत के दौरान क्रिस्टीना कोच ने चांद देखने का अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि यह धरती से दिखने वाले चांद से अलग दिखता है। कोच ने कहा, 'जैसे हम आमतौर पर चांद को देखते आ रहे हैं, यहां आपकी समझ में कुछ ऐसा होता है जो चांद को वैसा नहीं दिखने देता है। जैसे कि चांद का अंधेरे वाला हिस्सा बिल्कुल सही जगह पर नहीं लगता है।' कोच ने यह भी स्पष्ट किया कि यह चांद का वही अंधेरा वाला हिस्सा है, जिसे अंतरिक्ष यात्रियों ने पहले भी देखा है।

कोच ने आगे बताया कि उन्होंने और तीन दूसरे क्रू मेंबर्स अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन और विक्टर ग्लोवर और कैनेडियन एस्ट्रोनॉट जेरेमी हैनसेन ने अपने ट्रेनिंग मटेरियल (ट्रेनिंग के दौरान साझा की गई जानकारी) की समीक्षा की और जो कुछ वे देख रहे थे, उससे उसकी तुलना की ताकि उस अनजान नज़ारे को समझा जा सके।

अंतरिक्ष यात्री ने बताया कि जो दृश्य उन्हें अंतरिक्ष से दिखाई दे रहा था, वह उनके लिए नया और थोड़ा अनजान था। इसलिए उन्होंने अपनी ट्रेनिंग के दौरान सीखी गई जानकारी से उसकी तुलना की। इस प्रक्रिया के जरिए वे उस अलग दिखने वाले नजारे को बेहतर तरीके से समझने की कोशिश कर रहे थे। अंतरिक्ष यात्री यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि वास्तव में वे क्या देख रहे हैं और वह उन्हें अलग क्यों महसूस हो रहा है। कोच ने कहा कि सभी क्रू मेंमबर में इसे लेकर काफी उत्साह है। वे ओरियन कैप्सूल के अंदर आराम से सो पा रहे हैं। कैप्सूल लगभग 16.5 फीट चौड़ा है और इसमें कैंपर वैन जितनी रहने की जगह है।

उन्होंने कहा, 'यहां इंसान होना इस मिशन की सबसे दिलचस्प चीजों में से एक है।' उन्होंने बताया कि वे सब बस सामान्य इंसानों की तरह ही अपनी दिनचर्या संभालने की कोशिश कर रहे हैं।'

कोच ने हल्के-फुल्की भाषा में समझाते हुए कहा कि हम चांद के दूसरी तरफ जाकर उसकी शानदार चीजों को देख सकते हैं और फिर सोच सकते हैं, 'हम्म, शायद मुझे अपने मोजे बदल लेने चाहिए' और मोजों की एक जोड़ी ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं। तो यह मानव अंतरिक्ष यात्रा का एक अनोखा पहलू है।

बता दें, नासा का ये मिशन 10 अप्रैल को प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन के साथ पूरा होगा। नासा का लक्ष्य 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास दो अंतरिक्ष यात्रियों को उतारना और भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाना है।

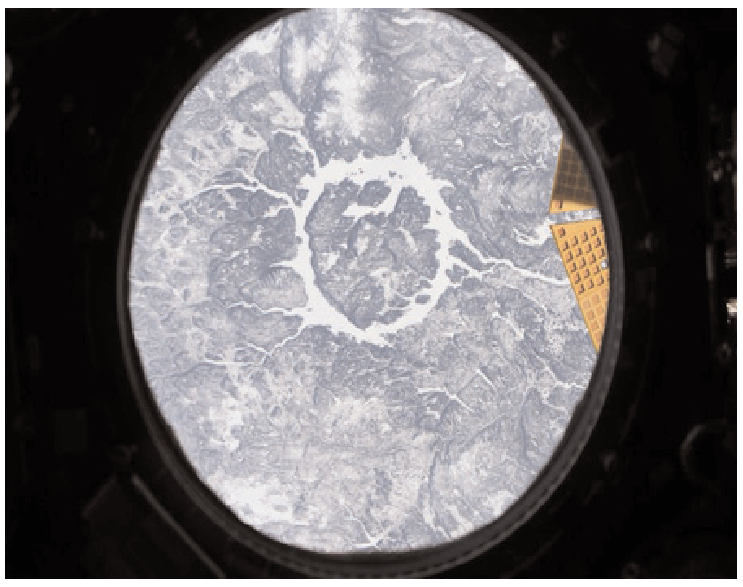

सुबह उठते ही शरीर में रहती है जकड़न, आमवातारि वटी से मिलेगा आराम

नई दिल्ली। आज के समय में कई घंटों तक कुर्सी पर बैठकर काम करना होता है, जिससे मांसपेशियां कमजोर होने के साथ-साथ अकड़ने भी लगती है।

इसके साथ ही वात की वृद्धि की वजह से जोड़ों में दर्द की समस्या भी होने लगती है। कई लोगों को सुबह उठते के साथ ही शरीर में भारीपन, जकड़न और जोड़ों में दर्द की परेशानी से दो-चार होना पड़ता है, ऐसी स्थिति से छुटकारा पाने के लिए आयुर्वेद में आमवातारि वटी का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

आयुर्वेद में जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न का कारण वात और मंद पाचन को माना जाता है। पाचन मंद होने की वजह से शरीर में आम (टॉक्सिन) बढ़ने लगते हैं। आम की वजह से आंतों में गंभीर संक्रमण और जोड़ों में दर्द और रूमेटॉइड और आर्थराइटिस की समस्या होती है। इन सब कारणों से शरीर चलने-फिरने में असमर्थ हो जाता है और दर्द से बेहाल शरीर को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी होती है। इन सभी परेशानियों से निजात पाने के लिए आयुर्वेद आमवातारि वटी का सेवन करने की सलाह देता है। इसके सेवन से जोड़ों की सूजन, दर्द और अकड़न से राहत मिलती है, लेकिन इसका सेवन चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही करें।

आमवातारि वटी आयुर्वेद की सबसे प्रभावी जड़ी-बूटियों का मेल है। इसे बनाने में शुद्ध गुग्गुलु, चित्रक मूल, त्रिफला (आंवला, हरड़, बहेड़ा), शुद्ध पारद (पारा), और शुद्ध गंधक का इस्तेमाल होता है। इसके सेवन से पेट संबंधी रोगों को भी कमी आती है और मंद पाचन भी तेज होता है।

आमवातारि वटी के सेवन के साथ जीवनशैली में बदलाव करने भी आवश्यक है। सुबह की शुरुआत गुनगुना पानी से करें और कोशिश करें कि सुबह पानी के साथ कुछ दाने मेथी के लें या फिर लहसुन का इस्तेमाल करें। लहसुन जोड़ों के दर्द में आराम देने में मदद करता है। लंबे समय तक एक ही स्थान पर न बैठें। इससे मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है और गंभीर स्थिति में पानी भरने की समस्या भी देखी जा सकती है। इसलिए हल्का व्यायाम जरूर करें।

गर्भावस्था में कब्ज से परेशान? जानिए इसके पीछे का कारण और आसान उपाय

नई दिल्ली। गर्भावस्था में कब्ज होना आम बात है, लेकिन कुछ महिलाओं को इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ज्यादातर हार्मोनल बदलावों और शारीरिक दबाव की वजह से होता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस समस्या से राहत मिल सकती है।

गर्भावस्था के दौरान शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन बढ़ जाता है, जो आंतों की मांसपेशियों को ढीला कर देता है। इसके कारण भोजन को पचाने और मल को निकालने में समय ज्यादा लगता है। इसके अलावा, बढ़ते हुए गर्भाशय का पेट पर दबाव भी आंतों की गति को धीमा कर देता है। कुछ महिलाओं में लो-फाइबर डाइट, पर्याप्त पानी न पीना या बहुत ज्यादा कैफीन (कॉफी और चाय) लेना भी कब्ज की वजह बन सकता है। कई बार डॉक्टर द्वारा दिए जाने वाले आयरन टेबलेट भी कब्ज बढ़ा देते हैं।

अगर आहार में बदलाव किया जाए और पर्याप्त पानी पीया जाए, तो यह मदद कर सकता है। कोशिश करें कि दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं। अत्यधिक चाय या कॉफी से बचें, क्योंकि यह शरीर को डीहाइड्रेट कर सकती है और कब्ज बढ़ा सकती है। खाने में हल्का और आसानी से पचने वाला खाना शामिल करें, जैसे साबुत अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल और ताजा सब्जियां। खाने को हमेशा ताजा और गर्म ही खाएं। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या थोड़ी वॉक भी आंतों की गति को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

इसके साथ ही शौचालय का समय नियमित करने की कोशिश करें। सुबह उठकर या खाने के बाद शौचालय जाना चाहिए। हालांकि आंतरिक दबाव डालने या जोर लगाने से बचें।

अगर घरेलू उपायों से आराम नहीं मिलता है, तो कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे भी मददगार हो सकते हैं। जैसे त्रिफला चूर्ण या अविपत्तिकर चूर्ण। 2 ग्राम त्रिफला चूर्ण को गर्म पानी के साथ रात में सोने से पहले लिया जा सकता है। अविपत्तिकर चूर्ण भी दिन में दो बार 2 ग्राम की मात्रा में लिया जा सकता है। ये नुस्खे पाचन को सुधारते हैं और कब्ज से राहत दिलाने में कारगर हैं।

अगर मल त्याग के दौरान तेज दर्द हो, खून निकलने लगे या समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। कभी-कभी ये गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है।

गर्मियों में गुणकारी 'खसखस': ठंडक, ताजगी और एनर्जी ही नहीं पोषक तत्वों का भी खजाना

नई दिल्ली। गर्मियों में जब तेज धूप और लू शरीर को थका देती है, तब एक पुराना और असरदार घरेलू उपाय खसखस का शरबत याद आता है। छोटे-छोटे सफेद दानों से बना यह पेय न सिर्फ ठंडक पहुंचाता है, बल्कि ताकत और ताजगी भी देता है। दादी-नानी की रसोई में हमेशा मौजूद खसखस वाकई गर्मी के लिए अमृत समान है।

खसखस, जिसे वैज्ञानिक भाषा में पैपावर सोम्नीफेरम कहते हैं, हजारों सालों से हमारे खान-पान और आयुर्वेद में इस्तेमाल होता आ रहा है। आयुर्वेद में इसे पित्त दोष शांत करने वाली जड़ी-बूटी माना गया है। इसकी ठंडी प्रकृति शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करती है।

आयुर्वेदाचार्यों के अनुसार, गर्मी में बढ़े पित्त के कारण होने वाली पेट की जलन, पैरों में जलन और त्वचा की परेशानियों में खसखस का दूध या शरबत तुरंत आराम देता है। यह मन को शांत रखने में भी मदद करता है। खसखस पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक और आयरन जैसे पोषक व महत्वपूर्ण तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे गर्मियों में अच्छी नींद आती है। यह मौसमी बीमारियों से बचाव करता है, हृदय के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद और फ्री रैडिकल्स के नुकसान से भी बचाता है।

गर्मियों में खसखस सबसे ज्यादा उपयोगी इसलिए है क्योंकि इसकी ठंडी तासीर शरीर का तापमान नियंत्रित रखती है और डिहाइड्रेशन से बचाती है। खसखस का पानी पेट के एसिड को संतुलित करता है, जिससे एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं कम होती हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह पाचन सुधारता है और कब्ज की शिकायत दूर करता है। यही नहीं, खसखस का तेल जोड़ों के दर्द और सूजन कम करने में भी कारगर है। इसे दूध के साथ पीसकर लगाने से गर्मी की वजह से होने वाले मुंहासे और जलन में राहत मिलती है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को शांत करते हैं। आधुनिक शोध भी खसखस के इन पारंपरिक फायदों की पुष्टि करते हैं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद करता है, रक्त को शुद्ध रखता है और मानसिक तनाव घटाता है। गर्मियों में रोजाना खसखस का सेवन शरीर को ठंडा, स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखता है। हालांकि, खसखस का सेवन सीमित मात्रा में करें। किसी तरह की एलर्जी की शिकायत हो तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है पवनमुक्तासन, जानें इसके फायदे

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनियमित खानपान, व्यायाम की कमी और लगातार तनाव के कारण पेट के जुड़ी समस्याएं आम हो गई हैं। कब्ज, गैस, ब्लोटिंग और अपच जैसी समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में 'पवनमुक्तासन' लोगों के लिए प्राकृतिक उपाय बनकर उभरा है।

यह आसन न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है बल्कि पेट, जांघों और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से शरीर हल्का और सक्रिय महसूस होता है।

पवनमुक्तासन नाम संस्कृत भाषा के तीन शब्दों से मिलकर बना है। 'पवन' का अर्थ 'वायु', 'मुक्त' का अर्थ छोड़ना और आसन का अर्थ मुद्रा है। यानी यह वह आसन है, जो शरीर की अंदरूनी वायु को मुक्त करने में मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, पवनमुक्तासन पेट की गैस, कब्ज और पाचन संबंधी विकारों को दूर करने वाला एक अत्यंत प्रभावी योगासन है। यह पेट के अंगों की मालिश करता है, रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और वात विकारों में राहत देता है। यह पीठ दर्द कम करने और पेट की चर्बी घटाने में भी सहायक है। यह केवल पेट की समस्याओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पेल्विक और प्रजनन अंगों की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। मजबूत पेल्विक मसल्स महिलाओं में मासिक धर्म को नियमित रखने में मदद करते हैं और प्रजनन स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

अदरक और सेंधा नमक से बना तेल कानों के दर्द से आराम दिलाने में है प्रभावी, जान लें प्रयोग से पहले की सावधानी

नई दिल्ली। कान के दर्द की समस्या के कई कारण हो सकते हैं लेकिन आज के समय में हेडफोन और ईयरबड्स का इस्तेमाल कानों को अधिक क्षति पहुंचाता है।

सुनने के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण कानों के सुनने की क्षमता को भी प्रभावित करते हैं लेकिन आयुर्वेद मुख्यत इसे वात दोष का असंतुलन मानता है। आयुर्वेद में कानों के दर्द के लिए एक प्रभावी तरीका बताया गया है, जिसकी मदद से कानों हल्के और शुरुआती दर्द में आराम पाया जा सकता है।

आयुर्वेद में कानों के दर्द को वात की वृद्धि से जोड़ा गया है। वात की वृद्धि होने से कान में शुष्कता और जकड़न हो जाती है, जिससे कानों मे धीरे-धीरे दर्द बढ़ने लगता है। आयुर्वेद में हल्के दर्द के लिए प्रभावी तेल के बारे में बताया गया है, जिसका इस्तेमाल पुराने समय से किया जा रहा है। इसके लिए अदरक का रस, सेंधा नमक और दो बूंद नींबू को मिलाकर सरसों के तेल के साथ गर्म करें। अच्छे से पक जाने पर तेल को छानकर अलग कर लें। ठंडा होने पर तेल को प्रभावित कान में दो बूंद डालें। इससे धीरे-धीरे दर्द से राहत मिलेगी।

तेल में मौजूद अदरक को आयुर्वेद में दर्द निवारक माना जाता है। इसकी तासीर गर्म होती है और स्वभाव दर्द को कम करने वाला होता है। इसके साथ ही अदरक में वात को शांत करने वाले गुण भी होते हैं। वहीं सेंधा नमक भी दर्द में प्रभावी तरीके के काम करता है। ये दोनों पदार्थ मिलकर वात को संतुलित करने से लेकर दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

तेल का इस्तेमाल करने से पहले कान को अच्छी तरह से साफ कर लें। कई बार गंदगी होने की वजह से कान में संक्रमण की वजह से भी दर्द हो जाता है। ऐसे में साफ करने के बाद ही तेल का इस्तेमाल करें। इस तेल के इस्तेमाल से पहले कुछ सावधानियां बरतनी भी जरूरी हैं। अगर कान में किसी तरह का घाव है, या फिर कान बह रहा है, तब इस तेल को डालने से बचे। इसके लिए चिकित्सक की सलाह है और आगे की प्रक्रिया जानें।

कान में दर्द होने पर कोशिश करें कि नहाते वक्त साबुन का पानी कान के भीतर न जाए। इससे कान में शुष्कता बढ़ती है और चिपचिपा होने की वजह से कान में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

महंगे लेजर या शॉक वेव नहीं, घुटनों के दर्द में साधारण उपाय ही सबसे प्रभावी

नई दिल्ली। घुटनों का दर्द आज कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रहा है। यह दर्द धीरे-धीरे बढ़ता है और हड्डियों और जोड़ों की कार्यक्षमता को कम कर देता है। इस समस्या से परेशान लोग अक्सर दवाओं और लेजर थेरेपी या शॉक वेव जैसी महंगे तकनीकी उपचारों की तरफ रुख कर लेते हैं। लेकिन हाल ही में एक स्टडी में इससे विपरीत चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं।

प्लॉस वन में प्रकाशित नई स्टडी में शोधकर्ताओं ने 139 क्लिनिकल ट्रायल्स के डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें करीब 10,000 प्रतिभागियों की जानकारी शामिल थी। उनका उद्देश्य था विभिन्न नॉन-ड्रग उपचारों की तुलना करना और पता लगाना कि कौन से तरीके सबसे ज्यादा असरदार हैं। इस स्टडी में 12 तरह की थेरेपी शामिल की गईं, जिसमें साधारण एक्सरसाइज से लेकर हाई-टेक उपचार जैसे लेजर और इलेक्ट्रिकल थेरेपी तक सब शामिल थे। नतीजे चौंकाने वाले थे। शोध में यह पता चला कि सबसे प्रभावी तरीके सबसे महंगे या हाई-टेक नहीं थे। बल्कि, सरल और आसानी से उपलब्ध उपाय सबसे अच्छे साबित हुए। सबसे ऊपर रहे नी ब्रेसेस। ये ब्रेसेस घुटने को स्थिर करने में मदद करते हैं और जोड़ के किसी विशेष हिस्से पर दबाव कम करते हैं। इसका सीधा फायदा यह होता है कि दर्द कम होता है और चलने-फिरने में आसानी होती है। साथ ही, ये ब्रेसेस आसानी से उपलब्ध हैं और ज्यादा महंगे भी नहीं हैं, इसलिए अधिकांश मरीजों के लिए यह एक व्यवहारिक विकल्प है। इसके बाद हाइड्रोथेरेपी यानी पानी में एक्सरसाइज ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। गर्म पानी में व्यायाम करने से जोड़ पर भार कम होता है, जिससे घुटनों की मांसपेशियां सुरक्षित रहते हुए मजबूत होती हैं। पानी की प्रतिरोधक क्षमता मांसपेशियों को मजबूती देती है और दर्द को कम करती है। इस वजह से यह विधि दर्द राहत और मूवमेंट सुधार दोनों में असरदार साबित हुई। तीसरा सबसे प्रभावी उपाय था नियमित एक्सरसाइज। रोजाना हल्का-फुल्का चलना, स्ट्रेचिंग और मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम घुटने की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं। इससे जोड़ की कठोरता कम होती है, संतुलन बेहतर होता है और रोजमर्रा के काम करना आसान हो जाता है। समय के साथ यह मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाता है। इसके विपरीत, हाई-टेक उपचार जैसे लेजर थेरेपी और शॉक वेव थेरेपी सिर्फ मध्यम लाभ दे पाए। अल्ट्रासाउंड थेरेपी सबसे कम असरदार साबित हुई। इसका मतलब यह है कि नई तकनीकें हमेशा सबसे बेहतर नहीं होतीं और सरल उपायों की तुलना में उनकी प्रभावशीलता कम हो सकती है।

आईपीएल 2026: बारिश से धुला पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला, आपस में बंटे 1-1 अंक

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 12वां मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांटा गया। सोमवार को ईडन गार्डन्स स्टेडियम में केकेआर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। इस टीम को महज 12 के स्कोर पर पहला झटका लगा। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर जैवियर बार्टलेट ने फिन एलन (6) को आउट किया।

कैमरून ग्रीन (4) तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने अपनी पहली गेंद पर चौका लगाया, लेकिन अगली बॉल पर कैच आउट हो गए। बार्टलेट ने अपने पहले ही ओवर में 2 विकेट हासिल कर लिए थे। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे (नाबाद 8) और अंगकृष रघुवंशी (नाबाद 7) ने नाइट राइडर्स को संभालने की कोशिश की। टीम ने 3.4 ओवरों के खेल तक 2 विकेट खोकर 25 रन बना लिए थे, लेकिन इसी बीच बारिश ने खेल को रोक दिया। रात करीब साढ़े दस बजे बारिश रुकी, जिसके आधे घंटे बाद अंपायर्स ने दोनों कप्तानों से बात की, जिसके बाद उन्हें हाथ मिलाते हुए देखा गया।

अगर यह 5 ओवर का मैच होता, तो केकेआर को नुकसान उठाना पड़ सकता था, क्योंकि उनके पास सिर्फ 1.2 ओवर शेष थे और स्कोरबोर्ड पर ज्यादा रन भी नहीं थे। दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांटा गया, जिसके साथ केकेआर ने अपना खाता भी खोल लिया है। यह टीम 3 मुकाबलों में 1 अंक के साथ 8वें पायदान पर पहुंच गई है। केकेआर को उसके पहले मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

आईएफएल 2025-26: चानमारी एफसी ने रियल कश्मीर को 2-1 से हराया

श्रीनगर । इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) 2025-26 के एक अहम मुकाबले में चानमारी एफसी ने रियल कश्मीर एफसी को 2-1 से हरा दिया। सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में चानमारी एफसी की ओर से मार्लन रंजेल और लालरुअतसांगा ने गोल दागे।

मेजबान टीम के लिए मारियस बेदजिगुई ने गोल करके हार के अंतर को कम किया, लेकिन चानमारी एफसी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और आठ अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं, रियल कश्मीर सात मैचों में दो अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले स्थान पर बनी रही। मार्लन रंजेल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। घरेलू टीम ने पहले हाफ के बड़े हिस्से में दबदबा बनाए रखा और तेज हवा का अच्छा फायदा उठाया, जिससे मिडफील्ड खिलाड़ियों के लिए सटीक फॉरवर्ड पास देना मुश्किल हो गया था। रियल कश्मीर एफसी के विदेशी खिलाड़ियों ने कप्तान मोहम्मद इनाम के साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और टीम गोल करने की अधिक संभावना वाली दिखी। दूसरी ओर, चनमारी एफसी ने काउंटर अटैक में अपनी गति के दम पर खतरा पैदा किया।

'स्नो लेपर्ड्स' ने पहले हाफ में दो बार गेंद को पोस्ट पर मारा। मोहम्मद इनाम ने जूनियर ट्राओरे के पास पर नियर पोस्ट पर शॉट लगाया, जबकि हाफ के बाद के हिस्से में मारियस बेडजिगुई का बॉक्स के बाहर से लिया गया शॉट, एक बेहतरीन कॉर्नर के बाद, क्रॉसबार से टकरा गया।

मैच के पहले हाफ के ठीक अंत से पहले, चानमारी ने एक 'सेट-पीस' के जरिए मैच के प्रवाह के विपरीत जाकर बढ़त हासिल कर ली। पी. क्रिस्टोफर कामेई ने बॉक्स के अंदर एक हल्की-सी 'चिप' गेंद डाली। रियल कश्मीर के गोलकीपर सैयद बिन गेंद की गति और दिशा का सही अंदाजा नहीं लगा पाए, जिससे गेंद पूरी तरह से उनके हाथ से छूट गई और गोल खाली रह गया। मार्लन एंजेल का काम बहुत आसान था, उन्होंने गेंद को नेट में डालकर मेहमान टीम को बढ़त दिला दी, जिसे वे हाफ-टाइम तक बनाए रखने में सफल रहे।

मेहमान टीम ने मैच के एक घंटे पूरे होने के ठीक बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। उन्होंने रियल कश्मीर के खराब सेट-पीस डिफेंस का फायदा उठाया। क्रिस्टोफर कामेई एक बार फिर गोल में सहायक बने। उनके कॉर्नर किक को लालरुअतसांगा ने बड़ी कुशलता से साइड-फुट से नेट में डाल दिया।

'आईपीएल आगे बढ़ने के लिए सर्वश्रेष्ठ लीग': काइल जैमीसन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को अभी तक आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है। जैमीसन को मौका मिलने की स्थिति में नए गेंद से जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने माना कि टीम ने अभी तक उनकी भूमिका को तय नहीं किया है। जैमीसन ने आईपीएल की तारीफ करते हुए एक क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़ने के लिए श्रेष्ठ लीग बताया।

आईएएनएस से खास बातचीत में काइल जैमीसन ने कहा, 'अगले मैच में खेलने के बारे में कुछ नहीं कह सकता, लेकिन अगर मुझे खेलने का मौका मिलता है, तो मुझे यकीन है कि नई गेंद संभालने की जिम्मेदारी मिलेगी। हालांकि, जहां तक रोल क्लैरिटी की बात है तो पिछले 2 मैचों का हिस्सा नहीं होने की वजह से इस पर स्पष्टता नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि गेंदबाजों में लचीलापन होना चाहिए। आजकल शायद हर गेंदबाज ऐसा ही है। जैमीसन ने डीसी के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि मुकेश ने जिस बात का इशारा किया, हम सबकी अपनी ताकतें होती हैं और आप उसी पर टिके रहने की कोशिश कर रहे होते हैं। मुकेश ने पिछले मैच में इसे शानदार ढंग से किया। मुझे लगता है, जब लोग आपको बाउंड्री मार रहे होते हैं, तो दबाव में आना और बदलने की कोशिश करना और यह सोचना कि आपको कुछ अलग करना है, बहुत आसान होता है। यह लगभग कैरेक्टर की ताकत वाली बात है, लेकिन मैं बस वहीं टिके रहूंगा। मुझे पता है कि यही मेरी ताकत है। यह अलग बात है।

जैमीसन मुकेश कुमार के हेजलवुड की तरह अपने लेंथ पर गेंदबाजी करने को लेकर बोल रहे थे। आईपीएल की तारीफ करते हुए जैमीसन ने कहा, 'मेरे लिए, यह दुनिया का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसलिए आप हमेशा इसका हिस्सा बनना चाहते हैं।

आईपीएल 2026 : टिम डेविड ने की दिनेश कार्तिक की तारीफ, कहा- उनके साथ काम करना बहुत कीमती है

बेंगलुरु। आईपीएल 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में आरसीबी ने सीएसके को 43 रन से हरा दिया। मैच में आरसीबी के टिम डेविड ने जिस विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की उसे क्रिकेट फैंस लंबे समय तक याद रखेंगे। डेविड को उनकी 25 गेंदों पर 8 छक्कों से सजी 70 रनों की नाबाद पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद टिम डेविड ने भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज और आरसीबी के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा की।

डेविड ने कहा, 'दिनेश कार्तिक के साथ काम करना बहुत कीमती है। उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी से सीखना हमारे क्रिकेट को लगातार बेहतर बना रहा है। हम अपने बेसिक्स पर ध्यान रखते हैं और फिर अपनी ताकत के हिसाब से गेम को आगे बढ़ाते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता ब्लैंका व्लासिक को 'वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026' का एंबेसडर बनाया गया

बेंगलुरु । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दो बार की विश्व चैंपियन ब्लैंका व्लासिक को 'वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026' के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर बनाया गया है। इस वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस का आयोजन 26 अप्रैल को होना है।

व्लासिक टॉप हाई जंपर्स में से एक हैं। वह अपने लंबे और सफल करियर के लिए जानी जाती हैं। क्रोएशियाई एथलीट ने बीजिंग 2008 ओलंपिक में रजत और रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप और वर्ल्ड इंडोर टाइटल भी जीते। 2009 में बनाया गया उनका निजी श्रेष्ठ (2.08 मीटर), अभी भी क्रोएशियाई रिकॉर्ड है और यह अब तक का तीसरा सबसे ऊंचा महिला हाई जंप रिकॉर्ड है।

ब्लैंका व्लासिक ने कहा, 'एक ऐसे इवेंट से जुड़ना जो हजारों लोगों को दौड़ने के जरिए एक साथ लाता है, प्रेरणा और ऊर्जा देने वाला है। दौड़ना एक ऐसा खेल है जो हमें शारीरिक रूप से सक्रिय और मानसिक रूप से मजबूत रखता है। यह एथलेटिक्स कम्युनिटी को बनाने में अहम भूमिका निभाता रहता है।

उन्होंने कहा, 'हर प्रतिभागी के लिए मेरा संदेश है कि अच्छी तैयारी करो, अपना बेस्ट दो और इस सफर को अपनाओ।

'रग्बी प्रीमियर लीग': हैदराबाद में 16 से 28 जून तक आयोजित होगा दूसरा एडिशन

नई दिल्ली। रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का दूसरा एडिशन हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में 16 से 28 जून तक होगा। इसकी घोषणा रग्बी इंडिया ने सोमवार को की।

रग्बी प्रीमियर लीग के दूसरे एडिशन में भी पहले एडिशन की तरह ही छह फ्रेंचाइजी होंगी। फ्रेंचाइजी में भारत के और अंतरराष्ट्रीय शीर्ष रग्बी खिलाड़ी शामिल होंगे।

तेलंगाना सरकार के युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति एवं खेल विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने कहा, 'हैदराबाद का एक वैश्विक खेल मंच के रूप में उभरना तेलंगाना की लंबी अवधि के विजन और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए संस्थागत सहयोग को दिखाता है। रग्बी प्रीमियर लीग जैसे इवेंट्स पर्यटन, शहरी विजिबिलिटी और राज्य की व्यापक खेल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, 'जिंदगी में कोई भी जो कुछ भी करता है, उसका लक्ष्य हमेशा बेहतर करना, बेहतर होना और बेहतर प्रदर्शन करना होता है। यही आरपीएल की नींव रहेगी।

उन्होंने कहा, 'विश्व स्तरीय इवेंट बनाना कभी भी काफी नहीं होगा। हम हमेशा अपने फैंस के लिए एक बेहतर प्रोडक्ट देने, अपने स्पॉन्सर्स के लिए बेहतर करने और आखिर में, अपनी फ्रेंचाइजी, उनके मालिकों और उनके सपोर्ट स्टाफ के लिए बेहतर पार्टनर बनने की कोशिश करेंगे। हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में आरपीएल 2026 यह सब और इससे भी ज्यादा हासिल करने के लिए है। हम एक बेहतर फैन अनुभव, विश्व स्तरीय रग्बी की और भी रोमांचक क्वालिटी और एक शानदार टेलीविजन और ओटीटी प्रोडक्ट का वादा करते हैं। हमेशा की तरह, हम अकेले कुछ नहीं कर सकते। हम अपने सभी पार्टनर्स पर भरोसा करते हैं, जिसमें मीडिया भी शामिल है, कि वे हमें मार्गदर्शन दें। आरपीएल 2026 के लिए शुभकामनाएं।

हैदराबाद में लीग आयोजित करने का फैसला जीएमआर स्पोर्ट्स के वर्ल्ड-क्लास स्पोर्टिंग इकोसिस्टम विकसित करने की बड़ी प्रतिबद्धता से मेल खाता है। यह घोषणा जीएमआर स्पोर्ट्स के हाल ही में तेलंगाना सरकार के साथ एक रणनीतिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर करने के बाद हुई है, जिसमें भारत फ्यूचर सिटी के अंदर एक सैटेलाइट स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने पर साझा फोकस है।

जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ, सत्यम त्रिवेदी, ने घोषणा की कि दूसरा रग्बी प्रीमियर लीग सीजन हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में होगा, जिसमें शहर के प्राइम इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, फैन्स और एक फ्रेंचाइजी पार्टनर की मौजूदगी पर जोर दिया गया।

सीएसके ने खराब रणनीति अपनाई और उसे बदलने की कोशिश भी नहीं की: अंबाती रायुडू

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सीएसके को 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। सीजन के तीसरे मैच में सीएसके की यह तीसरी हार थी। मैच के बाद पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच और अंबाती रायुडू ने सीएसके की रणनीति पर सवाल उठाए।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर सीएसके की रणनीति और ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। यहां समस्या सिर्फ योजना की नहीं बल्कि उसे ठीक से लागू करने की भी थी। योजना और कार्यान्वयन दोनों असफल हो तो टीम के लिए चिंता का विषय बन जाता है।

फिंच ने खासतौर पर जेमी ओवरटन की गेंदबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि वह लगातार राउंड द विकेट गेंदबाजी करते रहे, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि प्लान बदलना चाहिए। ऐसे दबाव वाले हालात में कप्तान और टीम को तुरंत फैसले लेने की जरूरत होती है। सीएसके के लिए खेल चुके भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा कि सीएसके सिर्फ खराब योजना पर टिकी रही। उसे बदलने की कोशिश नहीं की। टीम को बीच-बीच में खेल को धीमा करके रणनीति पर दोबारा सोचने की जरूरत थी।

रायुडू ने सीएसके की गेंदबाजी में अनुभव की कमी और खराब फॉलो-अप गेंदों को भी हार की बड़ी वजह बताया। उनका मानना है कि अच्छे डेथ बॉलर छक्का खाने के बाद अगली गेंद पर वापसी करते हैं, जो सीएसके के गेंदबाज नहीं कर सके।

आरसीबी का स्कोर 15 ओवर में 153/3 था। टीम ने आखिरी के 5 ओवरों में 97 रन बनाए, जो सीएसके पर भारी पड़े।

केर, मूनी और खाका 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड के लिए नामित

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी और साउथ अफ्रीकी सीमर अयाबोंगा खाका को मार्च महीने के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन किया था। बीते महीने उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के तीन मुकाबलों में 46.67 की औसत के साथ 140 रन बनाने के अलावा, सर्वाधिक 16 विकेट हासिल किए थे। जब ??न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज में जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया, तो अमेलिया 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहीं। इसके बाद अमेलिया ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध वनडे मैच में 105 रन बनाने के बाद वनडे मुकाबले में 179 रन की नाबाद पारी खेली थी। वहीं, बेथ ने दो वनडे मुकाबलों में कुल 171 रन बनाए। उन्होंने होबार्ट में भारत के खिलाफ सीरीज के आखिरी वनडे में नाबाद 106 रन की पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से सीरीज जीत मिली। इसके अलावा बासेटेरे में वेस्टइंडीज के खिलाफ 65 रन बनाए। बेथ ने तीन टी20 मुकाबलों में 128.91 के स्ट्राइक-रेट से कुल 107 रन बनाए। इसमें किंग्सटाउन में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में 55 गेंदों पर बनाए गए 79 रन भी शामिल हैं। दूसरी ओर, अयाबोंगा न्यूजीलैंड में खेली गई टी20 सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं, उन्होंने चार मुकाबलों में कुल आठ विकेट लिए। इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, उन्होंने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 56 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अगले मैच में 51 रन देकर 3 विकेट निकाले। उल्लेखनीय है कि फरवरी माह के लिए भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया था। अरुंधति ने अपने करियर में पहली बार यह सम्मान हासिल किया था। अरुंधति ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए।

टॉमी पॉल ने जीता यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप का खिताब, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा को हराया

ह्यूस्टन । टॉमी पॉल ने अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा पर 6-1, 3-6, 7-5 से जीत के साथ अपना पहला यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता। यह उनका पांचवां एटीपी टूर खिताब है, वहीं क्ले पर पहला खिताब है।

28 साल के पॉल ने रविवार को चैंपियनशिप में तीन मैच पॉइंट बचाए, तीसरे सेट में 3-5 से पीछे होने के बाद लगातार चार गेम जीतकर खिताब अपने जीता।

पॉल ने अपनी दो घंटे, 40 मिनट की जीत के साथ ह्यूस्टन में लगातार पांचवां अमेरिकन चैंपियनशिप पक्का किया। पॉल के शुरुआती सेट में तेजी से आगे बढ़ने के बाद, बुरुचागा ने दूसरे सेट में ज्यादा मजबूती से जवाब दिया, पॉइंट्स बढ़ाए और वापसी पर अपनी लय पाकर मैच को निर्णायक बना दिया। तीसरा सेट उनकी हिम्मत का असली टेस्ट था। 5-3 से पीछे चल रहे पॉल तीन मैच पॉइंट से पीछे थे, और हार से बस कुछ मिनट दूर थे। पहले दो सेट में बुरुचागा से दो गलतियां करवाने के बाद, पॉल ने टिके रहने के लिए टच वॉली विनर से नेट पर गोल किया।

इसके बाद पॉल ने 6-5 से बढ़त बना ली, लेकिन बुरुचागा ने वापसी की और लगभग तीसरे सेट में टाईब्रेकर के लिए मजबूर कर दिया। अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने 40-0 से सर्विस की, लेकिन पॉल ने पॉइंट-बाय-पॉइंट अपनी पकड़ बनाए रखी और अपने विरोधी को हराकर आखिरी सेट 7-5 से जीत लिया।

इस जीत के साथ, 28 साल के पॉल 2016 में 32 साल के जुआन मोनाको के बाद ह्यूस्टन के सबसे उम्रदराज चैंपियन बन गए। वहीं, इस जीत के साथ टॉमी पॉल फ्रांसिस टियाफो के साथ क्ले, ग्रास और हार्ड कोर्ट पर खिताब जीतने वाले दो सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ियों में शामिल हो गए। वह अब 2026 मैच जीतने में अमेरिकन टूर लीडर हैं, जिनका इस साल का रिकॉर्ड 19-7 है।

पॉल पिछले अक्टूबर के बाद पहली बार टॉप 20 में वापस आएंगे, और अगले हफ्ते की एटीपी रैंकिंग में उनके 18वें नंबर पर पहुंचने की उम्मीद है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415